RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
बोकारो, शनिवार
17.1.2026
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 89
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

देश की अर्थव्यवस्था और समाज के भविष्य के इंजन हैं स्टार्टअप्स : प्रधानमंत्री मोदी

अब स्टार्टअप को उत्पादन क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत, बनाए वैश्विक मानकों वाले उत्पाद: मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

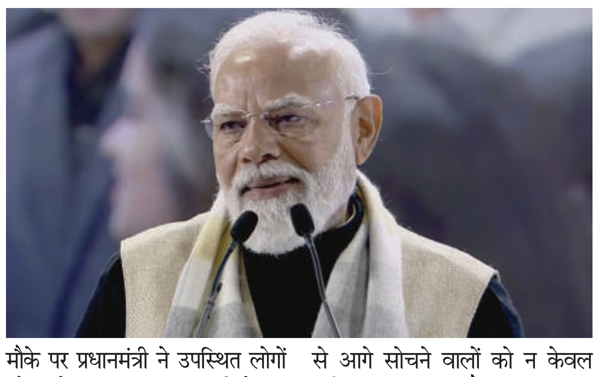

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत में अब स्टार्टअप को उत्पादन क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने की ज्यादा आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमें नए और दुनिया के श्रेष्ठतम गुणवत्ता वाले उत्पाद तैयार करने होंगे। राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के मौके पर आज प्रधानमंत्री मोदी ने यहां भारत मंडपम में आयोजित स्टार्टअप इंडिया पहल के एक दशक पूरे होने से जुड़े कार्यक्रम में भाग लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले केवल बड़े घराने के बच्चे ही नया व्यवसाय और उद्यम शुरू करते थे और मध्यम वर्ग व गरीब परिवारों के अधिकतर बच्चे नौकरी पाने का सपना ही देखा करते थे। लेकिन स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम ने इस मानसिकता को बदला है और इस कारण आज युवा स्टार्टअप के माध्यम से वास्तविक समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान स्टार्टअप इकोसिस्टम के सदस्यों के साथ बातचीत की। कुछ चुने हुए स्टार्टअप प्रतिनिधियों ने अपनी उद्यमी यात्रा के अनुभव को साझा किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने नए स्टार्टअप्स में महिलाओं की लगातार बढ़ती भूमिका को गौरव का विषय बताते हुए कहा कि आज 45 प्रतिशत नए स्टार्टअप में महिला या निदेशक या फिर पार्टनर हैं। भारत महिला भागीदारी के हिस्से के तौर पर दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इको तंत्र बन गया है। प्रधानमंत्री ने देश के स्टार्टअप मिशन को रेनबो मिशन की संज्ञा दी और कहा कि इसने विविध क्षेत्रों को आपस में जोड़ा है और नए अवसर पैदा किए हैं। उन्होंने देश के युवाओं की जोखिम उठाने की प्रवृत्ति की सराहना करते हुए कहा कि आज मासिक वेतन से आगे सोचने वालों को न केवल स्वीकार किया जाता है बल्कि सम्मान भी दिया जाता है। पहले जोखिम भरे विचारों को लोग फ्रिंज (अटपटी) नजर से देखते थे लेकिन अब वह फैशन बन रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 सालों में स्टार्ट ऑफ इंडिया मिशन एक रिवॉल्यूशन बन चुका है। भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। स्टार्टअप की संख्या 500 से बढ़कर अब 2 लाख हो गई है और 125 एक्टिव यूनिकॉर्न के साथ भारत दुनिया का तीसरा ऐसा देश है जहां इतनी बड़ी संख्या में यूनिकॉर्न है। अकेले साल 2025 में ही 44 स्टार्टअप रजिस्टर हुए हैं।

दार्शनिक तिरुवल्लुवर को प्रधानमंत्री मोदी सहित कई नेताओं ने की श्रद्धांजलि अर्पित

नई दिल्ली। तिरुवल्लुवर दिवस के अवसर पर महान तमिल संत, कवि और दार्शनिक तिरुवल्लुवर को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत विपक्ष ने शुक्रवार को उनके योगदान को याद करते हुए नमन किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तिरुवल्लुवर दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि तिरुवल्लुवर बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे, जिनके कार्य और आदर्श असंख्य लोगों को प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि तिरुवल्लुवर एक ऐसे समाज में विश्वास करते थे जो सौहार्दपूर्ण और दयालु हो तथा वे तमिल संस्कृति का सर्वोत्तम प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रधानमंत्री ने लोगों से तिरुक्कुरल पढ़ने का आग्रह करते हुए कहा कि यह महान तिरुवल्लुवर की उत्कृष्ट बुद्धि की झलक देता है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने तिरुवल्लुवर को महान तमिल संत, कवि और दार्शनिक बताते हुए कहा कि अपनी अमर कृति तिरुक्कुरल के माध्यम से उन्होंने दुनिया को नैतिकता, शासन, धार्मिकता और करुणा पर गहन मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि तिरुवल्लुवर की शिक्षाएं समय, धर्म और भूगोल से परे हैं और मानवता को नैतिक आचरण, सामाजिक सद्भाव और मानवीय गरिमा के मूल्यों के साथ निरंतर प्रेरित करती रहती हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी तिरुवल्लुवर दिवस पर महान संत को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि तिरुवल्लुवर का जीवन और कार्य हमारी सभ्यता के उच्चतम गुणों का प्रतीक है और यह पवित्र जीवन तथा सामंजस्यपूर्ण समाज का मार्ग प्रशस्त करता है। उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को महानता की यात्रा में मार्गदर्शन देती रहेगी।

बीज गुणवत्ता को लेकर सख्त सरकार नया विधेयक लाएगी : शिवराज

एजेंसी। नई दिल्ली

केन्द्र सरकार किसानों को मिल रहे बीज की बेहतर गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विधेयक लाने जा रही है जिसमें कड़े प्रावधान किए गए हैं। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में इसकी जानकारी दी। अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में कृषि मंत्री ने कहा कि पुराने 1966 के बीज अधिनियम में दंड के प्रावधान काफी कमजोर हैं। किसानों को घटिया और नकली बीजों से बचाने और जानबूझकर इन्हें बेचने वालों को कड़ी सजा देने के लिए एक मजबूत कानून की आवश्यकता थी। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि किसानों को अच्छी गुणवत्ता वाले बीज मिलें। शिवराज ने कहा कि नकली या खराब गुणवत्ता वाला बीज बेचने डीलरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और उन्हें पहले से अधिक जुर्माना भी भरना पड़ेगा। उन्होंने कहा, "हमारा लक्ष्य है कि किसान को गुणवत्तापूर्ण बीज मिले जो कंपनियां ईमानदारी से काम कर रही हैं उन्हें बढ़ावा मिलेगा, लेकिन जो किसानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करेंगी, उन्हें डरना होगा। उन्होंने बताया कि किसान की एक बड़ी शिकायत थी कि कई बार वे जो बीज खरीदते हैं, वो या तो घटिया निकलता है या नकली निकलता है। दावे कुछ किए जाते हैं, निकल कुछ जाता है। तो अब इससे निजात दिलाने की जरूरत है। वर्तमान में 1966 का बीज अधिनियम प्रभावी है, जिसमें केवल 500 रुपये जैसे मामूली जुर्माने का प्रावधान था। इसका फायदा उठाकर कई कंपनियां और डीलर किसानों को घटिया बीज बेचकर बच निकलते थे। नए प्रस्ताव के अनुसार जानबूझकर धोखाधड़ी करने पर भारी जुर्माने के साथ कड़ी सजा दी जाएगी। मंत्री ने स्पष्ट किया है कि नए नियम केवल व्यावसायिक कंपनियों पर लागू होंगे। परंपरागत बीजों के विनिमय पर किसानों को पूरी छूट रहेगी। किसान अपना खुद का बीज बो सकते हैं। आपस में बीजों का लेनदेन या स्थानीय स्तर पर बीजों का विनिमय (जैसे सवा गुना वापस करने की प्रथा) जारी रहेगा। इन नियमों से छोटे और पारंपरिक किसानों के अधिकारों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था में बीजों की पूरी उत्पत्ति और आपूर्ति-श्रृंखला का पता लगाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। क्यूआर कोड के माध्यम से यह पता चल सकेगा कि बीज कहां उत्पादित हुआ, किसने बनाया और किस रास्ते से किसान तक पहुंचा। इससे खराब या नकली बीज बाजार में आने से रोके जा सकेंगे और दोषियों पर कार्रवाई संभव होगी। साथ ही, बीज कंपनियों का अनिवार्य पंजीकरण होगा, जिससे अनधिकृत बीज बिक्री पर भी प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि अगर पता लगने के बाद यह साबित होता है कि बीज घटिया था, अंकुरित नहीं हुआ या किसानों को नुकसान पहुंचा, तो अब उसके लिए कड़े दंडात्मक प्रावधान प्रस्तावित किए गए हैं। अभी तक केवल 500 रुपये तक का जुर्माना था, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 30 लाख रुपये तक करने का सुझाव है। यदि यह पाया जाता है कि यह अपराध जानबूझकर किया गया है, तो सजा का भी प्रावधान होगा।

संक्षिप्त समाचार

तनाव के बीच ईरान ने इजराइल की तरफ तानी मिलाइलें, भारतीय दूतावास ने की एडवाइजरी जारी

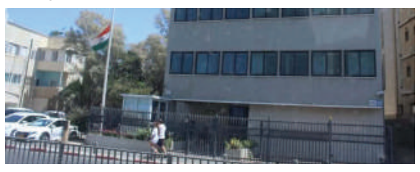

यरूशलेम। ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच चल रही तनातनी में एक रहस्यमयी मोड़ आ गया है। एक तरफ खाड़ी देशों ने अमेरिका को ईरान पर अटैक के लिए एयरस्पेस देने से इनकार कर दिया है वहीं दूसरी तरफ ट्रंप नरम पड़ गए हैं। इसके बाद ईरान ने इजराइल के 8 ठिकानों पर मिसाइलें तान दी हैं। इन सबके बीच भारतीय दूतावास द्वारा हाल ही में नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर दी है। भारतीय नागरिकों को 'अत्यधिक सतर्क' रहने की सलाह देते हुए इजराइल की यात्रा करने से भी मना किया है। भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी में भारतीय नागरिकों को मैसेज देते हुए कहा है कि 'क्षेत्र में मौजूदा स्थिति को देखते हुए, इजराइल में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने और इजराइली अधिकारियों और गृह मोर्चा कमान द्वारा जारी सुरक्षा दिशानिर्देशों और प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने की सलाह दी है। इसमें लिखा है कि 'भारतीय नागरिकों को इजराइल की सभी गैर-जरूरी यात्राओं से बचने को कहा है। किसी भी आपात स्थिति में, भारतीय नागरिक भारतीय दूतावास की 24×7 हेल्पलाइन पर संपर्क कर सकते हैं जिसके लिए टेलीफोनः +972-54-7520711; +972-54-3278392 ईमेल जारी किया गया है।

बलूचिस्तान में बड़ी संख्या में घुसे हथियारबंद लोग, सरकारी व निजी बैंकों में की तोड़फोड़

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के खारान जिले में हालात उस वक्त बेकाबू हो गए, जब बड़ी संख्या में हथियारबंद लोग शहर में दाखिल हुए और अलग-अलग इलाकों में हमला करना शुरू कर दिया। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक हमलावरों ने खारान शहर के मुख्य पुलिस थाने को निशाना बनाया और सरकारी व निजी बैंकों में तोड़फोड़ की। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हमलावर कारों और बाइकों पर सवार थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमले में कोई पुलिसकर्मी घायल नहीं हुआ, लेकिन पुलिस वाहनों और हथियारों को नुकसान पहुंचा।

खनन कंपनी द्वारा बैंक से धोखाधड़ी मामले में सीबीआई ने कोलकाता में मारे कई जगह छापे

एजेंसी। कोलकाता

सीबीआई ने एक खनन कंपनी द्वारा ऋण धोखाधड़ी करने और यूको बैंक को 7.25 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाने के मामले में कोलकाता के कई स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि शहर के न्यू अलीपुर इलाके में एक व्यवसायी के घर और न्यू टाउन समेत अन्य स्थानों पर छापा मारा। उन्होंने बताया कि सीबीआई की पांच टीमों ने न्यू टाउन के अलावा, न्यू अलीपुर क्षेत्र में स्थित एक बहुमंजिला आवासीय परिसर की पांचवीं मंजिल पर भी तलाशी ली। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माना जा रहा है कि यह परिसर स्वाति माइनिंग कंपनी के प्रवर्तकों और जमानतदारों अमित कुमार केजरीवाल और सरवन कुमार केजरीवाल से जुड़ा हुआ है। एक अधिकारी ने बताया कि इस समन्वित अभियान का उद्देश्य जांच से संबंधित दस्तावेजी साक्ष्य और अन्य सामग्री एकत्र करना है। सीबीआई ने यूको बैंक की शिकायत पर 30 दिसंबर, 2025 को कंपनी, उसके निदेशकों गिरिजा ठाकुर और सम्राट चक्रवर्ती, और प्रवर्तकों और जमानतदारों अमित कुमार केजरीवाल और सरवन कुमार केजरीवाल के खिलाफ एक नया मामला दर्ज किया था। यूको बैंक द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने बैंक को 7.25 करोड़ का नुकसान पहुंचाया है जो कि एनपीए की तारीख 30 जून, 2019 को बैंक के खाते में बकाया राशि थी।

महाराष्ट्र बीएमसी चुनाव में महायुति की बढ़त, विपक्षी खेमे से उठे विरोधी स्वर

एजेंसी। नई दिल्ली

राहुल गांधी बोले-देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं से जनता का भरोसा हो रहा खत्म

महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव के नतीजों में जैसे-जैसे बीजेपी के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन की बढ़त नजर आ रही है, विपक्षी खेमे से विरोध के स्वर भी तेज हो गए हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं से जनता का भरोसा खत्म होता जा रहा है। उनके इन बयानों ने राजनीतिक बहस छेड़ दी है, जब बीजेपी के नेतृत्व वाला महायुति गठबंधन प्रमुख नगर निकायों में प्रभावशाली बढ़त लेता दिखा रहा है। सोशल मीडिया प्लेट्फार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा नागरिकों को गुमराह करना ही हमारे लोकतंत्र में भरोसे के खत्म होने का कारण है। वोट चोरी एक राष्ट्र-विरोधी काम है। इस बीच बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों की वोटों की गिनती से मिल रहे शुरुआती रुझानों के मुताबिक पोस्टल बैलेट के आंकड़ों के मुताबिक बीजेपी-शिवसेना महायुति गठबंधन करीब 52 वार्डों में आगे चल रहा है। एसईसी और बीएमसी के आधिकारिक आंकड़ों का इंतजार है। अब तक गिने गए पोस्टल बैलेट के मुताबिक बीजेपी 35 सीटों पर आगे है, शिवसेना 17 सीटों पर। ठाकरे भाइयों के लिए सुबह अभी तक कोई अच्छी खबर नहीं लाई है, क्योंकि शिवसेना (यूबीटी) 22 सीटों पर आगे बताई जा रही है। राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अब तक आठ सीटों पर आगे है। शुरुआती गिनती में कांग्रेस चार सीटों पर आगे है। राज्य चुनाव आयुक्त द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक हाल ही में संपन्न हुए बृहन्मुंबई नगर निगम चुनावों में 52.94 फीसदी मतदान हुआ था। भारत के सबसे अमीर नगर निगमों के लिए गुरुवार को संपन्न हुए थे। चुनावों में शिवसेना (यूबीटी)-मनसे गठबंधन ने आरोप लगाए थे, जिन्हें बाद में चुनाव आयोग ने खारिज कर दिया था। आठ साल के अंतराल के बाद हुए ये चुनाव मुंबई के लिए एक अहम नागरिक प्रक्रिया थी। पिछले बीएमसी चुनाव 2017 में हुए थे, जबकि पिछली चुनी हुई मेयर किशोरी पेडनेकर का कार्यकाल मार्च 2022 में खत्म हो गया था।

ओम बिरला ने पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के लिए आभार व्यक्त किया

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का राष्ट्रमंडल देशों के लोकसभा अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन (सीएसपीओसी) के उद्घाटन के लिए उनके दूरदर्शी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। बिरला ने शुक्रवार को एक्स पर कहा, "28वें सीएसपीओसी का आपके (प्रधानमंत्री मोदी) कर-कमलों द्वारा उद्घाटन किया जाना न केवल भारत, बल्कि संपूर्ण विश्व के लोकतांत्रिक समुदाय के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि आपके (प्रधानमंत्री मोदी) कुशल मार्गदर्शन का ही परिणाम है कि भारत आज सीएसपीओसी के इतिहास की सर्वाधिक सहभागिता वाली कॉन्फ्रेंस की मेजबानी कर रहा है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि लोकतांत्रिक परंपराओं के प्रति आपका (प्रधानमंत्री मोदी) दृष्टिकोण वैश्विक पटल पर संसदीय कार्यप्रणाली को नई दिशा और प्रेरणा देने वाला है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित संसद भवन परिसर में संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में 28वें सीएसपीओसी सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस दौरान, संसदीय लोकतंत्र में अध्यक्ष की भूमिका अद्वितीय बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि अध्यक्ष को बोलने का अधिक अवसर नहीं मिलता, लेकिन उनकी जिम्मेदारी दूसरों की बात सुनने और यह सुनिश्चित करने में निहित है कि सभी को अपनी बात कहने का मौका मिले।

55 मिनट की डॉक्यूमेंट्री 'लोक्खी एलो घोरे' से महिला वोटरों को रिझाने में जुटी ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने अपनी जन कल्याणकारी योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए सिल्वर स्क्रीन का सहारा लिया है। इसके लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की प्रमुख योजनाओं को रोजमर्रा की जिंदगी बदलने वाला बताकर 55 मिनट की एक डॉक्यूमेंट्री का अनावरण किया है। 'लोक्खी एलो घोरे' शीर्षक वाली फिल्म का प्रीमियर बुधवार रात नंदन में हुआ, जहां तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी, पार्टी के सांसद और मंत्री तथा तमिलनाडु फिल्म उद्योग की जानी-मानी हस्तियां मौजूद रहीं। कहानी ग्रामीण बंगाली लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसने कम उम्र में अपने पति को खो दिया था। विधवा का किरदार अभिनेत्री सुभाश्री गांगुली ने निभाया है। उसके किसान पति की दिल का दौरा पड़ने से अचानक मौत के बाद उसकी जिंदगी बिखर जाती है। सामाजिक रीति-रिवाजों की जकड़न के साथ, विधवा को गरीबी और जड़ जमाए पितृसत्तात्मक मानदंडों के बीच अपने ही घर में अपमान का सामना करना पड़ता है। लेकिन इस कहानी में मोड़ तब आता है जब विधवा महिला को धीरे-धीरे राज्य की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलने लगता है।

भारत में 40 करोड़ से ज्यादा हुए 5जी यूजर्स, दुनियाभर में दूसरा नंबर : सिंधिया

नई दिल्ली। भारत ने डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारत अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा 5जी यूजर्स बेस वाला देश बन गया है। भारत में 400 मिलियन (40) करोड़ से ज्यादा लोग 5जी सेवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। 5जी के मामले में अब भारत से आगे केवल चीन है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को 'एक्स' पोस्ट पर लिखा कि भारत में चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा 5जी सब्सक्राइबर बेस है, अब यह दुनिया में इस टेक्नोलॉजी को सबसे तेजी से अपनाने वाले देशों में से एक है। सिंधिया ने आगे लिखा कि 400 मिलियन से ज्यादा 5जी यूजर्स के साथ भारत आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा 5जी सब्सक्राइबर बेस बन गया है, जो दुनियाभर में सबसे तेजी से इसे अपनाने वाले देशों में से एक है। केंद्रीय संचार मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत की 5जी कहानी स्केल, स्पीड और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में नए ग्लोबल बेंचमार्क स्थापित कर रही है।

13 दिसंबर 2023 को संसद की सुरक्षा में हुई चूक महज एक संयोग नहीं: हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को कहा कि 13 दिसंबर 2023 को संसद की सुरक्षा में हुई चूक महज एक संयोग नहीं हो सकती। यह घटना 2001 में संसद पर हुए आतंकी हमले की बरसी पर हुई थी। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह और न्यायमूर्ति सुधा जैन की पीठ ने सुरक्षा चूक मामले में तीन आरोपियों मनोरंजन डी, सागर शर्मा और ललित झा की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आरोपियों के वकील ने दलील दी कि दोनों घटनाओं के बीच कोई संबंध नहीं है क्योंकि इस मामले में आरोपी केवल बेरोजगारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन इसपर पीठ ने कहा कि यह संयोग नहीं हो सकता...13 दिसंबर संयोग नहीं हो सकता। आरोपियों के वकील ने कहा कि भले ही विरोध का यह तरीका सही न हो, लेकिन उन्हें अनिश्चित काल तक जेल में नहीं रखा जाना चाहिए।

पीएम आज देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का करेंगे शुभारंभ

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 एवं 18 जनवरी को पश्चिम बंगाल और असम के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह रेल, सड़क और जलमार्ग से जुड़ी 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री शनिवार को देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे, जो गुवाहाटी और हावड़ा के बीच चलेगी। असम में काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर का भूमि पूजन भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार प्रधानमंत्री शनिवार को पश्चिम बंगाल में 3,250 करोड़ रुपये की लागत वाली कई रेल और सड़क अवसंरचना परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। वह मालदा टाउन स्टेशन से हावड़ा-गुवाहाटी (कामाख्या) वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को वर्चुअल रूप से हरी झंडी दिखाएंगे। यह पूरी तरह वातानुकूलित ट्रेन लंबी दूरी की यात्रा को आरामदायक और किफायती बनाएगी, जिससे यात्रा के समय में लगभग 2.5 घंटे की बचत होगी।

we will make your Epaper & News Portal
MAXIMUM PERFORMANCE
आपकी डिजिटल और प्रिंट पहचान एक ही प्लेटफ़ॉर्म पर
हम तैयार करते हैं:
✔ प्रिंट-रेडी ई-पेपर व न्यूज़लेटर (PDF अख़बार)
✔ साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक व त्रैमासिक पत्र/पत्रिका
✔ किताबों व रिपोर्ट की PDF
✔ ब्रोशर, फ्लायर, कैटलॉग व ई-सोवीनियर
✔ रिसर्च जर्नल व डॉक्यूमेंट सेटअप
✔ News Portal (Making to News Uploading)
किसके लिए:
• मीडिया हाउस
• संस्थान व स्कूल
• लेखक व कवि
• कार्यक्रम आयोजक
• शोधकर्ता
• Web Journalists/Publishers
PDF PRESS SERVICES
✔✔ क्यों चुनें ?
• प्रोफेशनल लेआउट • आकर्षक डिज़ाइन
• समय पर डिलीवरी • बजट फ्रेंडली पैकेज
• आपकी जरूरत के मुताबिक कस्टम काम
संपर्क करें आज ही
pdfpresssolutions@gmail.com
+91 9288319159, 9576159316

PUSSHPESH Publications
Pusshpesh Publications / पुष्पेश प्रकाशन एक लेखक-केंद्रित पुस्तक प्रकाशन संस्था है, जो लेखकों और लेखक समूहों की रचनाओं का पुस्तक-रूप में प्रकाशन करती है। खोरठा और हिंदी भाषाओं में प्रकाशित अनेक पुस्तकों के माध्यम से यह संस्थान स्थानीय भाषा, संस्कृति और मौलिक विचारों को सम्मानजनक मंच प्रदान करता है। * हम सहयोगी आधार पर भी प्रकाशन करते हैं। साथ ही, हम अन्य प्रकाशकों के लिए पुस्तकों का मुद्रण भी करते हैं।
अपनी लेखनी को पुस्तक में बदलें। हम प्रकाशित करेंगे आपकी पुस्तक, ISBN नंबर के साथ।
संपर्क करें आज ही
pusshpeshpublications@gmail.com
+91 9288319159, 8873319159

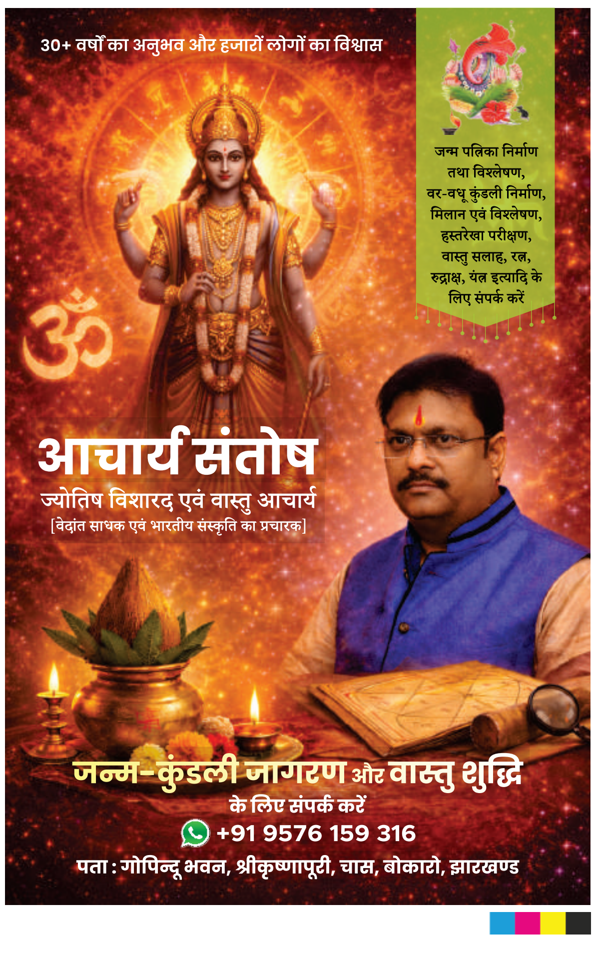

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, शनिवार, 17 जनवरी, 2026

संक्षिप्त समाचार

स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर बच्चों ने दिखाई कलात्मक और बौद्धिक क्षमता

तालगड़िया : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार आदर्श विद्या आश्रम पर्वतपुर और श्री महावीर जी उच्च विद्यालय में स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में चित्रकला एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। लगभग 50 बच्चों ने इस प्रतियोगिता में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। पीएलवी रतीलाल और यादू महतो की देखरेख में आयोजित इस प्रतियोगिता में विवेकानंद जी के जीवन दर्शन पर निबंध लिखे गए।

निबंध प्रतियोगिता में आदर्श विद्या आश्रम के नितेश कुमार महतो प्रथम, लक्ष्मी कुमारी द्वितीय और माधुरी कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं, श्री महावीर जी उच्च विद्यालय की सुमन कुमारी प्रथम, पुष्पा कुमारी द्वितीय और आशा कुमारी तृतीय रहीं। वक्ताओं ने कहा कि विवेकानंद जी के बताए मार्ग पर चलकर ही देश के युवा उन्नति के शिखर तक पहुंच सकते हैं। इस अवसर पर परीक्षित रजवार और नितेश कुमार महतो सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बेटुलकलां में सरकारी विद्यालय की खिडकी तोडकर प्रोजेक्ट की चोरी, थाना में दिया आवेदन

गोला। गोला थाना के बेटुलकलां स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय (हिन्दी) में खिड़की तोड़कर विद्यालय में लगे प्रोजेक्टर की चोरी हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार सुबह 16 जनवरी को लगभग 9 बजे सुबह विद्यालय खुलने के पश्चात् कक्षा-10 के कमरे की खिडकी की जाली टुटी पाई गयी तत्पश्चात् कमरा खोलकर जाँच करने पर ओएनजीसी द्वारा प्रदत प्रोजेक्टर नहीं पाया गया, काफी खोजबीन की गई लेकिन प्रोजेक्टर का पता नहीं चला, विद्यालय में आये दिन असमाजिक तत्वों द्वारा तोड़-फोड की घटनाएं पूर्व में भी होती रही है, जिसकी सूचना थाना प्रभारी गोला एवं शिक्षा विभाग की दी गई है। इस घटना के संबंध में विद्यालय प्रबंधन समिति ने गोला थाना में लिखित आवेदन दिया है। आवेदन के माध्यम से विद्यालय प्रबंधन समिति ने घटना की जांच कर घटना को अंजाम देने वाले दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

टुसू हमारी झारखंडी संस्कृति का अभिन्न अंग : सांसद

» कसमार के सेवाती टुसु मेला में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : झारखंड और बंगाल की सीमा पर स्थित कसमार प्रखंड की सेवाती घाटी में तीन दिवसीय टुसू मेला शुक्रवार को शुरू हुआ। स्थानीय सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी एवं पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो ने फीता काटकर तथा मेला के संस्थापक स्वर्गीय रामेश्वर महतो की तस्वीर पर माल्यार्पण कर मेला का औपचारिक उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा कि टुसू हमारी झारखंडी संस्कृति का अभिन्न अंग है। इसका संरक्षण और संवर्धन हम सभी सेवाती मेला को विकसित करना हम सबों की जिम्मेदारी है।

उन्होंने सेवाती घाटी के विकास की बात भी दोहराई। कहा इसे पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। डॉ लंबोदर ने कहा कि झारखंड सरकार की पर्यटन सूची में सेवाती घाटी का नाम दर्ज कराने में सफलता मिली है।

जल्द ही विकास योजनाएं यहां धरातल पर उतरे, इसके लिए सरकार से बात की जाएगी। डॉ लंबोदर ने टुसू परब की सभी को शुभकामनाएं भी दी। मेला में चिरुगोड़ा (बंगाल) के गोविंद महतो और साथियों का पाता नाच तथा रांची एवं रामगढ़ से आए शशि कुमार एवं अन्य महिला कलाकारों के डांस कार्यक्रम ने दर्शकों को झूमने को विवश के दिया।

मौके पर विधायक की धर्मपत्नी कौशल्या देवी, जिप सदस्य अमरदीप महाराज, प्रहलाद महतो एवं धनेश्वर महतो, स्थानीय मुखिया सरिता देवी, उपमुखिया उमा देवी, पूर्व मुखिया रामसेवक जायसवाल, ओम प्रकाश सहगल, आजसू नेता संतोष कुमार महतो, अशोक कुमार सिंह, उमेश कुमार जायसवाल, महेंद्र नाथ महतो, उमेश कुमार महतो,

धनलाल कपरदार, उपेंद्र कुमार जायसवाल, शिक्षाविद डॉ जीतलाल महतो, पंकज कुमार जायसवाल, रूपेश कुमार महतो, चंद्रदेव चौधरी, मेला कमेटी के अध्यक्ष उमेश कुमार मुंडा, सचिव प्रशांत कुमार महतो, कोषाध्यक्ष जयवीर कुमार महतो, संरक्षण मंडली के मनोज कुमार महतो,

हीरालाल महतो, नरेश महतो, अखिलेश्वर मुंडा, सोमर महतो, रमेश महतो एवं वीरेंद्र मुंडा, सदस्य विजेंद्र महतो, भुनेश्वर महतो, जितेंद्र महतो, सरोज महतो, लालचंद महतो, परमेश्वर महतो, रमेश महतो, राकेश कुमार महतो, रंजीत मुंडा, सोमर महतो, नारायण महतो, जयनंदन महतो, बैजनाथ महतो, प्रदीप कुमार गंझू, वरुण महतो, अशोक हेंब्रम आदि मौजूद थे।

कोलकाता डिजाइन फेस्ट में चंद्रपुरा की महिलाओं का जलवा, एसएचजी उत्पादों की भारी मांग

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चंद्रपुरा : दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के कोलकाता मुख्यालय में आयोजित डिजाइन फेस्ट 2026 में चंद्रपुरा की महिलाओं के हस्तशिल्प और उत्पादों ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है।

इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन डीवीसी के चेयरमैन एस. सुरेश कुमार (भा.प्र.से.) ने गेस्ट ऑफ ऑनर आर्किटेक्ट अबिन चौधरी की उपस्थिति में किया।

इस भव्य समारोह में सदस्य (टेक्निकल) स्वप्नेंदु कुमार पांडा, सीवीओ सुदीप्त आचार्य और अतिरिक्त सचिव राकेश रंजन सहित कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

फेस्टिवल में चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र के सीएसआर विभाग द्वारा समर्थित स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की महिलाओं ने कृषि उत्पाद, खाद्य सामग्री, बांस से बनी कलाकृतियां और हस्तशिल्प के स्टॉल लगाए हैं।

सहायक प्रबंधक श्रीवत्स और बोधीराम महतो के नेतृत्व में मां सरस्वती महिला मंडल (पापलो ग्राम पंचायत) की रिंकी कुमारी और लक्ष्मी महिला मंडल (तारानारी ग्राम पंचायत) की गीता कुमारी अपने हुनर का प्रदर्शन कर रही हैं।

यह फेस्ट आधुनिक तकनीकों जैसे 3 डी प्रिंटिंग और पारंपरिक शिल्प का एक अनूठा मेल है, जो 17 जनवरी तक चलेगा।

गोला के सुदरवर्ती क्षेत्र उऊपरखखरा में टुसू मेला का हुआ भव्य आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला : रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत गोला प्रखंड के अत्यंत सुदूरवर्ती गांव ऊपरखखरा में टुसू मेला का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के मंत्री योगेंद्र प्रसाद एवं रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक ममता देवी उपस्थित रहीं। विधायक ने सर्वप्रथम ऊपरखखरा स्थित धारा फॉल के समीप राम मंदिर में मत्था टेककर पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। मेला स्थल पर पहुंचने पर आयोजन समिति द्वारा अतिथियों का पारंपरिक रीति-रिवाज से भव्य स्वागत किया गया। रंग-बिरंगे सांस्कृतिक कार्यक्रमों, टुसू गीतों एवं लोकनृत्यों ने मेले को और भी आकर्षक बना दिया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला-पुरुष एवं युवा उत्साहपूर्वक शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ममता देवी ने कहा कि टुसू पर्व झारखंड की समृद्ध आदिवासी एवं लोकसंस्कृति की पहचान है। यह पर्व प्रकृति, परिश्रमी किसानों, महिलाओं की आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक है। टुसू गीतों में गांव की खुशहाली, प्रेम, परिश्रम और भाईचारे की भावना झलकती है। ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को संजोने और नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति एवं टुसू मेला समाज में आपसी सौहार्द, समरसता और सहयोग की भावना को मजबूत करता है। साथ ही स्थानीय ग्रामीणों की मांग पर धारा फॉल को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित कराने का आश्वासन दिया। विधायक ने सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति को बधाई देते हुए क्षेत्र के सर्वांगीण विकास हेतु निरंतर प्रयासरत रहने का भरोसा दिलाया। मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित थे। मौके पर समाजसेवी शिवा मुंडा, संतोष सोनी, अंदूराम महतो आदि मौजूद थे।

"प्रशासन चेता नहीं तो आंदोलन तय" : अवधेश मुर्मू

» डायन प्रथा के नाम पर मारपीट का मामला, एक माह बाद भी न्याय से वंचित पीड़िता, राष्ट्रपति से इच्छा मृत्यु की मांग

राष्ट्रीय मुख्यधारा

सरायकेला-खरसावां : जिले के ईचागढ़ विधानसभा अंतर्गत ईचागढ़ थाना क्षेत्र के गौरांग कोचा (ब्लॉक कॉलोनी) में डायन प्रथा के नाम पर 65 वर्षीय विधवा महिला बिजल कालिंदी के साथ हुई मारपीट का मामला एक महीने बाद भी अधर में लटका हुआ है। घटना को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता और झारखंड आंदोलनकारी अवधेश मुर्मू ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता कर प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए और पीड़िता को शीघ्र न्याय दिलाने की मांग की।

अवधेश मुर्मू ने कहा कि 21 दिसंबर की रात पीड़िता के घर में घुसकर उनके साथ मारपीट और अपमान किया गया। उस समय घर में कोई पुरुष सदस्य मौजूद नहीं था। पीड़िता ने हाथ जोड़कर माफी की गुहार लगाई, इसके बावजूद कथित रूप से उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया गया। घटना के बाद से पीड़िता और उसका परिवार भय और असुरक्षा के माहौल में रह रहा है।

पीड़िता का आरोप है कि उन्हें और उनके पुत्र राजेंद्र कालिंदी को लगातार धमकियां दी जा रही हैं। बिजल कालिंदी ने बताया कि अदीब अंसारी द्वारा उनके बेटे को गोली मारने की धमकी दी गई और थाना जाने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गई। इस कारण परिवार डरा-सहमा है और खुलकर सामने आने से भी आशंकित है।

प्रेस वार्ता में अवधेश मुर्मू ने कहा कि घटना के एक माह बाद भी कार्रवाई का अभाव बेहद चिंताजनक है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर पीड़िता को न्याय नहीं मिला, तो ईचागढ़ थाना का घेराव किया जाएगा और जरूरत पड़ी तो यह मामला मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तक ले जाया जाएगा।

पीड़िता बिजल कालिंदी ने भावुक होकर कहा कि वह न्याय की आस में भटक रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि उन्हें इंसाफ नहीं मिला तो वह राष्ट्रपति से सपरिवार इच्छा मृत्यु की अनुमति मांगने को मजबूर होंगी।

अवधेश मुर्मू ने कहा कि यह केवल एक महिला का नहीं, बल्कि पूरे समाज की संवेदनशीलता और प्रशासन की जवाबदेही का मामला है। उन्होंने मांग की कि पीड़िता को सुरक्षा, सम्मान और त्वरित न्याय मिले, ताकि डायन प्रथा जैसी कुप्रथाओं पर प्रभावी रोक लग सके।

अयोध्या धाम में भव्य मिलन समारोह, सामाजिक समरसता का दिया संदेश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज : शहर के गर्ल हाई स्कूल स्थित अयोध्या धाम परिसर में भव्य मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री सह समाजसेवी बजरंगी प्रसाद यादव की ओर से किया गया, जिसमें राजनीतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।

मिलन समारोह में झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता पंकज मिश्रा, झामुमो जिला अध्यक्ष अरुण सिंह, जिला उपाध्यक्ष अमरनाथ यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष गौतम यादव, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष उज्ज्वल मंडल, रणधीर सिंह, डॉ. विजय कुमार, डॉ. सुमित कुमार, पंकज घोष, बास्की यादव, दारा सिंह यादव, मुन्ना यादव, चंदन यादव, कृष्णा शर्मा, मनोज कुमार केसरी, मो. कलीमुद्दीन, अफताफ आलम, डॉ. सुरेंद्र नाथ तिवारी, ललन सिंह, महिला जिला अध्यक्ष गरिमा साह, जय प्रकाश सिन्हा, ब्रह्माकुमारी बिंदु दीदी, सामाजिक कार्यकर्ता चंदेश्वर प्रसाद सिंह उर्फ बोदी सिन्हा सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

आयोजन में पहुंचे सभी अतिथियों को बजरंगी प्रसाद यादव द्वारा अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही उनके पिता, स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय अर्जुन यादव की आठवीं पुण्यतिथि के अवसर पर सभी अतिथियों और क्षेत्रवासियों ने उनके तैलीय चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर बजरंगी प्रसाद यादव ने कहा कि मकर संक्रांति मिलन समारोह हर वर्ष दलगत भावना से ऊपर उठकर आयोजित किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में संताल परगना के साथ-साथ रांची सहित दूर-दराज के क्षेत्रों से भी लोग पहुंचते हैं। लोग एक-दूसरे से मिलते हैं, शुभकामनाएं देते हैं और समाज में आपसी भाईचारे व सौहार्द का संदेश जाता है।

उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन सामाजिक समरसता को मजबूत करने का कार्य करते हैं। इसी उद्देश्य से इस वर्ष भी मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के सभी वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया।

विद्यालयों में सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज : जिले के प्रमुख विद्यालयों और कॉलेजों में सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस क्रम में क्विज प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता और निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन कर विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई।

संत जेवियरस स्कूल में विशेष रूप से सड़क सुरक्षा स्कूल जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों को सड़क पर सुरक्षित व्यवहार, यातायात संकेतों और नियमों के महत्व से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा की शपथ भी दिलाई गई।

छात्रों को यह हिदायत दी गई कि वे स्कूल आते-जाते समय अपने परिजनों को हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने के लिए प्रेरित करें, नशे की हालत में वाहन न चलाने की सलाह दें और स्वयं भी यातायात नियमों का पालन करें। स्कूल बस, टोटो या ऑटो से यात्रा के दौरान हाथ, पैर या सिर वाहन से बाहर न निकालने और सुरक्षित ढंग से सफर करने पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मौके पर एम.वी.आई. कुमार उत्कर्ष, अभिषेक मुंडा, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, संत जेवियरस स्कूल के हिंदी प्रिंसिपल इग्नेशियस लकरा, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस सहित विद्यालय के शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे।

पारस एचईसी हॉस्पिटल में स्कैल्प कूलिंग थेरेपी की शुरुआत, कीमोथेरेपी के दौरान बाल झड़ने से मिलेगी राहत

» बिहार और झारखंड में पहली बार स्थापित किया गया यह मशीन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची : पारस एचईसी हॉस्पिटल ने कैंसर मरीजों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए स्कैल्प कूलिंग थेरेपी मशीन की शुरुआत की है। यह मशीन बिहार और झारखंड में पहली बार स्थापित की गई है, जिसका उद्देश्य कीमोथेरेपी के दौरान होने वाले अत्यधिक बाल झड़ने की समस्या को कम करना है। इस पहल को कैंसर मरीजों, विशेषकर महिलाओं के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है।

हॉस्पिटल के ऑन्कोलॉजी विभाग के डॉक्टर गुंजेश कुमार ने बताया कि यह मशीन वेसोकॉन्स्ट्रिक्शन तकनीक पर आधारित है। इसमें कूलेंट से भरी कैप के माध्यम से सिर पर लगातार ठंडक दी जाती है। मशीन का तापमान लगभग 0 डिग्री सेल्सियस रहता है, जबकि कैप का तापमान 17 से 21 डिग्री सेल्सियस के बीच बनाए रखा जाता है। इस ठंडक के कारण सिर की रक्त वाहिकाएं संकुचित हो जाती हैं, जिससे कीमोथेरेपी की दवाओं का असर बालों के फॉलिकल तक कम पहुंचता है।

डॉक्टर गुंजेश कुमार के अनुसार, इस तकनीक से 50 प्रतिशत से अधिक मरीजों में बाल झड़ने की समस्या को नियंत्रित किया जा सकता है। वैश्विक स्तर पर इसे एक प्रभावी और सुरक्षित तकनीक माना जाता है। उन्होंने कहा कि कैंसर के इलाज के दौरान बाल झड़ना कई मरीजों के लिए, खासकर महिलाओं के लिए, मानसिक आघात का कारण बनता है। स्कैल्प कूलिंग थेरेपी न केवल शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी मरीजों को सशक्त बनाती है और उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर करने में मदद करती है।

वहीं हॉस्पिटल के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉक्टर नीतेश कुमार ने बताया कि पारस हॉस्पिटल रांची लगातार आधुनिक और उन्नत चिकित्सा सुविधाएं मरीजों तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। स्कैल्प कूलिंग थेरेपी मशीन की शुरुआत उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस नई सुविधा से कैंसर मरीजों के लिए इलाज के दौरान उम्मीद और आत्मविश्वास की नई किरण सामने आई है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

जिला स्तरीय कुश्ती चयन प्रतियोगिता के अखाड़े में पहलवानों ने आजमाया दमखम

बोकारो : बोकारो जिला कुश्ती संघ के तत्वावधान में सिटी पार्क अखाड़ा में एकदिवसीय फेडरेशन कप जिला स्तरीय कुश्ती चयन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न भार वर्गों के लगभग 30 पहलवानों ने भाग लेकर अपनी शक्ति और कौशल का परिचय दिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष श्री धर्मवीर सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया।

चयनित पहलवान अब 17 जनवरी को रांची के मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में राज्य स्तरीय चयन प्रतियोगिता में भाग लेंगे, जहां से उनका रास्ता राष्ट्रीय स्तर की कुश्ती के लिए प्रशस्त होगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रशिक्षक मृत्युंजय नाथ चौधरी, राष्ट्रीय खिलाड़ी चिंटू कुमार, कुश कुमार, रामकृष्ण तिवारी (बाबा), सतवीर श्रीवास्तव, विजय रजक, अरविंद कुमार और अनुज कुमार की उपस्थिति रही, जिन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सड़क सुरक्षा को लेकर बोकारो में चला जागरूकता अभियान, एनएच-23 पर लगाए गए सुरक्षा बोर्ड

बोकारो : बोकारो को अधिक सुरक्षित बनाने और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से शुक्रवार को पुलिस और परिवहन विभाग द्वारा सेक्टर-5 पुस्तकालय मैदान में एक विशाल जागरूकता अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 1250 नागरिकों को हेलमेट, सीट बेल्ट के उपयोग और सुरक्षित ड्राइविंग के नियमों से अवगत कराया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि अब वाहनों की उपयुक्तता, प्रदूषण और सुरक्षा नियमों के अनुपालन की विशेष जांच होगी और उल्लंघनकर्ताओं पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इसी कड़ी में राष्ट्रीय राजमार्ग-23 पर दुर्घटना संभावित क्षेत्रों (ब्लैक स्पॉट) पर चेतावनी संकेत, तीव्र मोड़ और पैदल यात्री क्रॉसिंग जैसे सूचनात्मक बोर्ड लगाए गए हैं। वाहनों की गति को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर स्पीड लिमिट बोर्ड और गंतव्य की दिशा बताने वाले बोर्ड स्थापित किए गए हैं। रात में दृश्यता बढ़ाने के लिए सड़क के दोनों ओर रिफ्लेक्टिव टेप, कैट्स आई (रोड स्टड) और सोलर ब्लिंकर लगाए गए हैं। व्यस्त चौराहों पर बैरिकेड्स और संवेदनशील स्थानों पर रंबल स्ट्रिप्स का उपयोग किया गया है, ताकि चालक सतर्क रहें। इस दौरान जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य और परिवहन कार्यालय के कर्मी उपस्थित थे।

प्राचार्य सर्वेश कुमार दुबे डॉक्टर की मानद उपाधि से सम्मानित

बोकारो : तुपकाडीह स्थित किड्स आइलैंड पब्लिक स्कूल के निदेशक सह प्राचार्य सर्वेश कुमार दुबे की शैक्षणिक उपलब्धियों में एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित हानिया इंटरनेशनल इंटेलेक्चुअल कॉन्क्लेव 2026 में उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए डॉक्टरेट की मानद उपाधि से विभूषित किया गया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि की खुशी में गुरुवार को विद्यालय के कला भवन में एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जहां शिक्षकों और अभिभावकों ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत और अभिनंदन किया।

समारोह को संबोधित करते हुए उप प्राचार्य प्रतिभा दुबे ने बताया कि सर्वेश कुमार दुबे को यह मानद उपाधि विगत 18 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में उनके द्वारा दिए गए निरंतर और उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान की गई है। अपनी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्राचार्य दुबे ने कहा, मैं इस सम्मान को अपने माता-पिता, गुरुजनों, अग्रजों और शुभचिंतकों के चरणों में समर्पित करता हूं। यह उपलब्धि मुझे भविष्य में शिक्षा की गुणवत्ता को और अधिक बेहतर बनाने तथा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए प्रेरित करेगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित थे, जिन्होंने प्राचार्य के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की।

बेटियां बोझ नहीं, देश का सबसे अनमोल संसाधन : उपायुक्त अजय नाथ झा

» बोकारो को बाल विवाह मुक्त जिला बनाने का शंखनाद

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बेटियां केवल विवाह की वेदी पर बैठने के लिए पैदा नहीं हुई हैं, वे देश का सबसे महत्वपूर्ण और सशक्त संसाधन हैं। उनके जन्म को बोझ समझना बंद करें और इसे उत्सव की तरह मनाएं। जिस घर में बेटी पैदा हो, वहां गर्व से जाकर कहें- बधाई हो, आपके घर लक्ष्मी आई है। ये प्रेरक शब्द बोकारो के उपायुक्त अजय नाथ झा ने शुक्रवार को सेक्टर-05 स्थित पुस्तकालय मैदान में कहे। वह सुरक्षित एवं सशक्त झारखंड विषय पर आयोजित अनुमंडल स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

कुरीतियों को इतिहास बनाने का आह्वान-उपायुक्त ने समाज में व्याप्त बाल विवाह और डायन जैसी कुप्रथाओं पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि ये विकास की राह में सबसे बड़ी बाधा हैं। उन्होंने इतिहास का हवाला देते हुए राजा राम मोहन राय, सावित्री बाई फुले और फातिमा शेख के संघर्षों को याद किया। उपायुक्त ने कहा कि जिस तरह पुराने समय की कुरीतियां आज इतिहास का हिस्सा बन गई हैं, हमें बाल विवाह और डायन कुप्रथा को भी जड़ से मिटाकर इतिहास बनाना होगा।

अबला नहीं, सबला बनें महिलाएं-महिलाओं के आत्मसम्मान और स्वतंत्रता पर जोर देते हुए उपायुक्त ने कहा कि स्त्रियों को अपनी अभिव्यक्ति का पूरा अधिकार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिला का पहनावा, श्रृंगार और जीवनशैली उसकी अपनी पसंद है, इसे तय करने का हक न पति को है, न बेटे को। उन्होंने आह्वान किया कि महिलाएं पुरुषों पर आश्रित होना बंद करें और अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानें। उन्होंने भावुक अपील करते हुए कहा- जो हाथ आपको आशीर्वाद देने के लिए उठें और कहें- खुश रहो, खूब तरक्की करो- सिर्फ उनका ही आशीर्वाद लें।

कार्यशाला के दौरान यह जानकारी साझा की गई कि गोमिया प्रखंड पूरी तरह बाल विवाह मुक्त हो चुका है। उपायुक्त ने इसी तर्ज पर पूरे जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने का संकल्प दिलाया और उपस्थित जनसमूह को शपथ दिलाई।

बेटा-बेटी में फर्क मिटाना नैतिक जिम्मेदारी : डीडीसी-उप विकास आयुक्त श्रीमती शताब्दी मजूमदार ने आंकड़ों के जरिए समाज को आगाह किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में हर पांच में से एक विवाह बाल विवाह हो रहा है, जिससे भारत वैश्विक स्तर पर शीर्ष देशों में शामिल है। इसे टॉप से बॉटम पर लाने के लिए हमें प्रो-एक्टिव होना होगा। उन्होंने कहा कि यह केवल प्रशासन का काम नहीं, बल्कि हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने किसी भी ऐसे मामले की सूचना तुरंत पुलिस या संबंधित अधिकारियों को देने की अपील की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुनीता देवी ने कहा कि बाल विवाह बेटियों को शिक्षा से वंचित कर उनके स्वास्थ्य और भविष्य को असुरक्षित बना देता है। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों, सहिया और आंगनबाड़ी सेविकाओं से इसे रोकने के लिए ग्रामीण स्तर पर मोर्चा संभालने की अपील की।

सूचना तंत्र का लें सहारा, योजनाओं का उठाएं लाभ : डीएसडब्ल्यूओ-जिला समाज कल्याण पदाधिकारी (डीएसडब्ल्यूओ) श्रीमती सुमन गुप्ता ने कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रमंडल से लेकर पंचायत स्तर तक बाल विवाह निषेध पदाधिकारी तैनात हैं। उन्होंने लोगों से डायल 112 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 का उपयोग करने को कहा। साथ ही सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना और मुख्यमंत्री कन्यादान योजना जैसी कल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला।

सहायक निदेशक श्रीमती सुमन सिंह ने प्रतिभागियों को महिला एवं बाल सुरक्षा से संबंधित कानूनों और शिकायत निवारण तंत्र की विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला में जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल चौबे, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह सहित कई गणमान्य और कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्राएं उपस्थित रहीं।

पीएम श्री विद्यालय के सांस्कृतिक उत्सव में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने बिखेरा जादू

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : पीएम श्री +2 उच्च विद्यालय कसमार में वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का शानदार आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की अंतर्निहित प्रतिभा को सामने लाना था। प्रधानाध्यापक फारुक अंसारी के निर्देशन में आयोजित इस समारोह में गायन, नृत्य, नाटक और हास्य कार्यक्रमों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी गई। गायन में रितिका, आर्यन, तन्मय और करण ने अपनी सुरीली आवाज का जादू बिखेरा, जबकि नृत्य कला में विद्या, सृष्टी, रिषिका, सुमित और सिमरन की टीम के साथ बाबी ने सबका मन मोह लिया।

हास्य विधा में अरमान और उनके समूह ने सबको लोटपोट किया, वहीं नाटक और झूमर नृत्य में ज्योति, रविता, नरगिस, विद्या और खुशबू ने शानदार अभिनय किया। कार्यक्रम में शिक्षकों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई, जिसमें सीमा ठाकुर, डॉ रणजीत कुमार झा, महाकांत झा और अमित कुमार ने मधुर गीत गाए।

नोडल शिक्षक डॉ अवनीश कुमार झा के संयोजन में हुए इस सफल कार्यक्रम में रामबाबू शुक्ल, सुमन कुमारी, सीमा कुमारी, परमेश्वर बेसरा, कैलाश कुमार, डॉ जितेन्द्र कुमार सिंह, नजरूल इस्लाम, तुलसी कपरदार, मेहताब खातून, सुशीला कुमारी और नितेश कुमार प्रजापति सहित अन्य कर्मियों और छात्रों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बीएसएल की कवि गोष्ठी में गूंजी साहित्य और संवेदना की स्वरलहरियां

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र के तत्वावधान में सेक्टर-5 स्थित बोकारो पुस्तकालय में एक शानदार कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। साहित्य और रचनात्मक अभिव्यक्ति से सजी इस शाम में मुख्य अतिथि के रूप में बीएसएल के सामग्री प्रबंधन डिवीजन के महाप्रबंधक (क्रय) उदय कुमार सिंह उपस्थित हुए। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि कविता कम शब्दों में गहन भावों को अभिव्यक्त करने का सबसे सशक्त माध्यम है, जो गागर में सागर भरने का कार्य करती है। वहीं, विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) चौधरी रत्नेश कुमार सुधांशु ने बोकारो के सुदृढ़ होते साहित्यिक परिवेश पर प्रसन्नता व्यक्त की।

गोष्ठी का आरंभ करते हुए डॉ. नरेंद्र कुमार राय ने अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि बीएसएल द्वारा प्रदान किया गया यह मंच साहित्यकारों के लिए भविष्य में मील का पत्थर साबित होगा। काव्य पाठ के दौरान उप महाप्रबंधक (वित्त) बी. बी. तिवारी ने अपनी रचनाओं के माध्यम से साम्राज्यवादी प्रवृत्तियों पर जो तीखा व्यंग्य प्रस्तुत किया, उसे श्रोताओं ने खूब सराहा। कवियों की श्रृंखला में अतुल कुमार, मनोज कुमार निशांत, डॉ. योगेंद्र प्रसाद मुसहर, कनक लता राय, अंकित कुमार उपाध्याय आदि ने अपनी रचनाओं का पाठ किया।

इसी क्रम में पद्मावती कोमल, रीना यादव, माला कुमारी, क्रांति श्रीवास्तव, अमृता शर्मा, कस्तूरी सिन्हा, नीलम झा, आर. पी. वर्मा, प्रिय रंजन कुमार, डॉ. नरेंद्र कुमार राय ने अपनी रचनाओं से साहित्यिक वातावरण को समृद्ध किया। भोजपुरी गायक श्रीकांत सिंह ने अपने सोहर- ए राजा जी एकरे त रहल ह जरूरत से समां बांध दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कस्तूरी सिन्हा ने की, मंच संचालन लव कुमार ने किया और धन्यवाद ज्ञापन अमृता शर्मा ने दिया। आयोजन को सफल बनाने में सहायक प्रबंधक मानस चंद्र रजवार का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

डीपीएस बोकारो में रंगारंग कार्यक्रमों के साथ 12वीं के 428 विद्यार्थियों को दी गई भावभीनी विदाई

» प्रिशु और मोहित बने मास्टर डीपीएस, तो हर्षिता व शिवांगी को मिला मिस डीपीएस का खिताब

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : नगर के सेक्टर-4 स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो में शुक्रवार को बहुरंगी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ सत्र 2025-26 के 12वीं कक्षा के कुल 428 छात्र-छात्राओं को भावभीनी विदाई दी गई। इस दौरान बच्चों में विद्यालय से निकलकर जीवन के नए पायदान की ओर आगे बढ़ने की जहां खुशियां थीं, वहीं विद्यालय परिवार से बिछड़ने का दुख भी दिखा। विद्यालय के अश्वघोष कला क्षेत्र में आयोजित समारोह के दौरान 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने अपने सीनियर्स के सम्मान में मनभावन सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों द्वारा प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार एवं इस अवसर पर आयोजित टैलेंट शो के निर्णायकों का स्वागत किए जाने के बाद रंगारंग प्रस्तुतियों की कड़ी शुरू हुई। आरंभ में 11वीं के छात्र-छात्राओं ने आर्केस्ट्रा प्रेजेंटेशन में विभिन्न वाद्य-यंत्रों पर सुर-ताल का सुंदर सामंजस्य प्रस्तुत किया। हम रहें या ना रहें, कल याद आएंगे ये पल..., कभी अलविदा न कहना... जैसे गीतों की भावपूर्ण प्रस्तुति से उन्होंने सबका भरपूर सराहना पाई। इसके बाद 12वीं के विद्यार्थियों ने ऊर्जावान समूह-नृत्य से समां बांध दिया। गीत-संगीत की इस पेशकश के बाद टैलेंट शो हुआ। इसमें गायन-वादन, नृत्य, कविता, संभाषण, रैंप-वॉक, प्रश्नोत्तरी आदि के जरिए उन्होंने अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की तथा अपने अनुभव भी साझा किए। हेड बॉय प्रिशु आनंद डे व हेड गर्ल हर्षिता प्रणीत ने अपने उद्गार में विद्यालय में बिताए पलों को जीवन का स्वर्णिम, गौरवमयी और अविस्मरणीय क्षण बताया।

इस अवसर पर पूरे सत्र के दौरान विद्यार्थियों के समेकित प्रदर्शन के आधार पर हेड बॉय प्रिशु आनंद डे और मोहित कुमार को मास्टर डीपीएस एवं हेड गर्ल हर्षिता प्रणीत व शिवांगी मिश्रा को मिस डीपीएस के खिताब से नवाजा गया। वहीं, ईशान गौरव मास्टर वर्सेटाइल, अनुश्री त्रिपाठी व सिद्धि श्री मिस वर्सेटाइल, वरुणादित्य रॉय मास्टर स्टाइल आइकॉन, श्रुति प्रिया मिस स्टाइल आइकॉन, गार्गी शर्मा मिस पॉपुलर, तो आयुष सुमन मास्टर पॉपुलर घोषित किए गए। प्राचार्य डॉ. गंगवार ने इन सभी को सैश पहनाकर सम्मानित किया। विदा हो रहे सभी विद्यार्थियों को विद्यालय की ओर से स्मृति-फलक भेंट किए गए गए।

सफल व्यक्तित्व के साथ नेक और बेहतर इंसान बनें बच्चे : प्राचार्य डॉ. गंगवार- अपने संबोधन में प्राचार्य डॉ. गंगवार ने विद्यालय से विदा हो रहे छात्र-छात्राओं के भावी जीवन और सफल करियर के प्रति अपनी शुभकामनाएं दीं। विद्यालयी छात्र-जीवन और इससे जुड़े अनुभवों को उनके सफल भावी जीवन की बुनियाद बताते हुए उन्होंने विदा होने वाले बच्चों को सदैव सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि इस पड़ाव के बाद अब विद्यार्थियों के जीवन में नए अवसरों, नई संभावनाओं और नई चुनौतियों की एक नई यात्रा शुरू होगी। बच्चे खुद पर भरोसा रखते हुए अपनी पूरी शक्ति से आगे बढ़ें तथा एक सफल व्यक्तित्व के साथ-साथ जीवन में बेहतर, नेक, नैतिकवान, मूल्यवान, परोपकारी और सदाचारी इंसान भी बनें। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने माता-पिता और शिक्षकों के प्रति सदैव कृतज्ञ बने रहने तथा विद्यालय से मिले स्वयं से पहले सेवा के सिद्धांत को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। सोशल मीडिया के सीमित उपयोग पर भी बल देते हुए उन्होंने कहा कि मोबाइल हमारा सहायक है, हमारा नियंत्रक नहीं। टैलेंट शो के निर्णायकों में प्राइमरी विंग से शिक्षक अमित दासगुप्ता, स्वाति सिन्हा एवं स्वीटी अनिल कुमार शामिल रहीं। कार्यक्रम के दौरान बनाया गया सेल्फी प्वाइंट सभी के लिए आकर्षण का केन्द्र रहा, जहां छात्र-छात्राओं ने अपनी सुनहरी यादें कैमरे में संजोयीं।

बोकारो थर्मल-कथारा मुख्य मार्ग पर झूलते 11 केवी के तार मौत को दे रहे आमंत्रण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

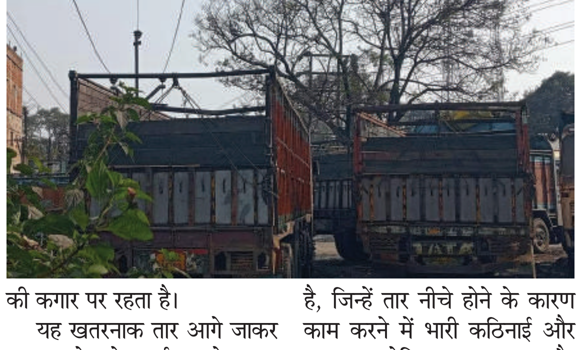

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल-कथारा मेन रोड पर मौत का जाल बिछा हुआ है। उर्मिला पेट्रोल पंप से थोड़ा आगे कथारा स्थित विद्युत सबस्टेशन से तेनुघाट की ओर जाने वाली 11 केवी की हाईटेंशन लाइन का तार इतना नीचे आ गया है कि यह कभी भी किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है। हैरानी की बात यह है कि घनी आबादी और व्यस्त सड़क के ऊपर से गुजरने वाले इन तारों के नीचे सुरक्षा के लिहाज से कोई सेफ्टी जाली भी नहीं लगाई गई है। भारी मालवाहक ट्रकों का ऊपरी हिस्सा हर वक्त इन तारों के संपर्क में आने की कगार पर रहता है।

यह खतरनाक तार आगे जाकर कथारा-बोकारो थर्मल मोड़ पर स्थित हनुमान मंदिर की चहारदीवारी के बेहद करीब से गुजरा है। मंदिर के समीप ही मैकेनिकों द्वारा ट्रकों की मरम्मत का कार्य किया जाता है, जिन्हें तार नीचे होने के कारण काम करने में भारी कठिनाई और जान का जोखिम उठाना पड़ता है। स्थानीय मैकेनिकों ने याद दिलाया कि लगभग पांच वर्ष पूर्व एक ट्रक मालिक का खलासी इसी तार की चपेट में आ गया था, जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई थी।

मामले पर स्पष्टीकरण देते हुए कथारा विद्युत सबस्टेशन के कर्मी सुभाष डे ने बताया कि पूर्व में सड़क की ऊंचाई कम थी, जिससे आवाजाही में कोई समस्या नहीं होती थी। परंतु, बार-बार सड़क निर्माण के कारण इसकी ऊंचाई बढ़ गई है और तार नीचे महसूस होने लगे हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि समस्या के समाधान के लिए अब ऊंचे पोल लगाना अनिवार्य हो गया है। वहीं, स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन को आगाह करते हुए कहा कि यदि समय रहते पोल की हाइट नहीं बढ़ाई गई, तो यहां भी खेतको जैसी हृदयविदारक घटना की पुनरावृत्ति हो सकती है।

चिन्मय विद्यालय में मातृ पूजा का आयोजन, बच्चों ने अपनी मां के चरणों में अर्पित किया श्रद्धा सुमन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : कहते हैं भगवान साक्षात रूप में हर किसी के पास नहीं जा सकते थे, इसीलिए उन्होंने मां को भेजा। मां के इसी पावन रिश्ते की वंदना करने के लिए चिन्मय विद्यालय, बोकारो में शुक्रवार को मातृ पूजा का एक अत्यंत भावपूर्ण और आध्यात्मिक आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय की कक्षा तीसरी से पांचवी तक के विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी माता की विधिवत और श्रद्धापूर्वक पूजा की।

संपूर्ण कार्यक्रम चिन्मय मिशन बोकारो की आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती के सानिध्य और मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। पूजा की शुरुआत माता वंदना के साथ हुई, जिसमें आचार्या स्वामिनी जी के साथ मंच से शिक्षिका श्रीमती कुमारी सरिता ने मातृ पूजा की प्रक्रियाओं को साझा किया। इसके बाद विद्यार्थियों को संकल्प कराया गया और उन्होंने अपनी मां की आरती उतारी। स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती ने शक्ति स्वरूप मां दुर्गा का ध्यान करते हुए उनके 108 नामों का जाप किया, जिस पर प्रत्येक विद्यार्थी ने हर नाम के साथ अपनी मां के चरणों में एक-एक पुष्प सुमन अर्पित किया।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए स्वामिनी जी ने कहा कि भगवान के रूप में साक्षात मां ही हमारे सामने होती हैं और मां की पूजा से बड़ी कोई पूजा नहीं है। उन्होंने चिन्मय विद्यालय की संस्कृति की सराहना करते हुए कहा कि यहां किताबी ज्ञान के साथ-साथ सामाजिक और आध्यात्मिक ज्ञान का समावेशी विकास किया जाता है। उन्होंने माताओं से भी आग्रह किया कि बच्चों को दैनिक कार्यों के साथ आध्यात्मिक कार्यों से जोड़ना आवश्यक है। इस अवसर पर विद्यालय के सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा, उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार और मिडिल विंग की एकेडमिक सुपरवाइजर रश्मि सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, शनिवार, 17 जनवरी, 2026

जेल से रिहा 3400 अपराधियों का नए सिरे से होगा सत्यापन, 15 दिनों में रिपोर्ट सौंपने का सख्त निर्देश

» आर्म्स एक्ट व संपत्तिमूलक कांड के अपराधियों पर रहेगी विशेष नजर
» पैसे लेकर जमानतदार बनने वालों पर कसेगा शिकंजा, कठोर कार्रवाई के निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः जिले में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को समाहरणालय स्थित पुलिस मुख्यालय सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रभात कुमार ने की। इस बैठक में ग्रामीण एसपी कपील चौधरी, सिटी एसपी रित्विक श्रीवास्तव के अलावा जिले के सभी डीएसपी, एसडीपीओ एवं थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान पिछले पांच वर्षों में जेल से रिहा हुए अपराधियों की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में जेल से कुल 3400 अपराधी रिहा हुए हैं, जिनमें से लगभग 1450 अभियुक्त आर्म्स एक्ट के मामलों में शामिल रहे हैं, जबकि करीब 1950 अभियुक्त विभिन्न संपत्तिमूलक अपराधों से जुड़े रहे हैं। एसएसपी प्रभात कुमार ने इन आंकड़ों को गंभीर मानते हुए सभी अपराधियों का नए सिरे से पहचान एवं पते का सत्यापन कराने का सख्त निर्देश दिया।

एसएसपी ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में रिहा अपराधियों का भौतिक सत्यापन कर यह सुनिश्चित करें कि वे वर्तमान में कहां रह रहे हैं और उनकी गतिविधियां क्या हैं। इस कार्य को अगले 15 दिनों के भीतर हर हाल में पूरा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया है। उन्होंने बताया कि सत्यापन अभियान की दैनिक समीक्षा सिटी एसपी एवं ग्रामीण एसपी द्वारा की जाएगी, ताकि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो।

सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद जमानत पर रिहा अपराधियों पर कड़ी निगरानी रखने तथा आवश्यकतानुसार प्रिवेंटिव कानूनी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए गए। एसएसपी ने कहा कि यदि कोई अपराधी दोबारा आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध त्वरित और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बैठक में जमानतदारों की भूमिका को लेकर मिल रही शिकायतों पर भी गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया। एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि हाल के दिनों में ऐसी सूचनाएं सामने आई हैं कि कुछ लोग पैसों के लालच में किसी भी मामले के अभियुक्त के जमानतदार बन रहे हैं, जो कानूनन गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। उन्होंने निर्देश दिया कि ऐसे जमानतदारों के रिकॉर्ड की गहन जांच की जाए। जांच में यदि यह साबित होता है कि किसी ने धन लेकर अपराधी की जमानत कराई है, तो उसके विरुद्ध भी कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एसएसपी ने आम नागरिकों को भी आगाह करते हुए कहा कि पैसों के लालच में आकर जमानतदार बनना न केवल जोखिमपूर्ण है, बल्कि भविष्य में उन्हें गंभीर कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने लोगों से कानून का सहयोग करने और जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाने की अपील की।

इसके अलावा समीक्षा बैठक में जनवरी माह में अब तक घटित अपराधों, विशेषकर चोरी, लूट, डकैती जैसे संपत्तिमूलक अपराधों की विस्तार से समीक्षा की गई। लंबित कांडों की जांच प्रगति, आरोपियों की गिरफ्तारी और न्यायालय में चार्जशीट दायर करने की स्थिति पर भी गहन चर्चा हुई। एसएसपी ने सभी अधिकारियों को लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन और अपराध नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

उपायुक्त ने किया "अर्ली स्टार्टअप पिच चैलेंज" का उद्घाटन

धनबादः राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के अवसर पर, अटल कम्युनिटी इनोवेशन सेंटर (ए सी आ ई सी) आईआईटी (आ ई ए स ए म) फाउंडेशन ने यस बैंक के साथ मिलकर आईआईटी (आईएसएम) में "अर्ली स्टार्टअप पिच चैलेंज" का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त आदित्य रंजन, उप विकास आयुक्त सन्नी राज, आईआईटी (आईएसएम) के डिप्टी डायरेक्टर प्रो.धीरज कुमार, एसीआईसी आईआईटी (आईएसएम) फाउंडेशन की निदेशक प्रो.सौम्या सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए बहुत अवसर मिलते हैं। हमें उन अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति लगन और मेहनत से काम करें तो वह जीवन की हर चुनौतियां को हराकर जीत हासिल कर सकता है।

कार्यक्रम के दौरान उद्योग विशेषज्ञों ने मुख्य सत्र के दौरान बहुमूल्य जानकारियां साझा की। फर्स्ट बड ऑर्गेनिक्स के संस्थापक श्री मित्रेश शर्मा ने डी2सी ब्रांड बनाने की बात की।

जबकि मॉडल वर्स के संस्थापक श्री सृजन मेहरोत्रा ने तेजी से एमवीपी बनाने और स्टार्टअप को बूटस्ट्रैप करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका पर प्रकाश डाला।

वहीं यस बैंक के क्षेत्रीय प्रमुख श्री रबिओल आलम मोल्ला ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

शुरुआती चरण के स्टार्टअप्स ने विशेषज्ञ जूरी पैनल के सामने अपने आइडिया पेश किए।

कार्यक्रम का समापन पुरस्कार समारोह के साथ हुआ। इसमें कई श्रेणियों में इनोवेटिव स्टार्टअप्स को सम्मानित किया गया।

मौके पर एसीआईसी आईआईटी (आईएसएम) फाउंडेशन की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ.आकांक्षा सिन्हा, सेवानिवृत्त आईएफएस धीरेंद्र, झारखंड उद्यमी संघ के अध्यक्ष रवि रंजन सिंह, मेडल वर्स के संस्थापक सृजन मेहरोत्रा, फर्स्ट बड ऑर्गेनिक्स के संस्थापक मित्रेश शर्मा के अलावा अन्य लोग उपस्थित थे।

बोकारो थर्मल थाना में तीन सअनि का तबादला

बोकारो थर्मल : पुलिस विभाग की प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शुक्रवार को बोकारो थर्मल थाना के तीन सहायक अवर निरीक्षकों (सअनि) का तबादला कर दिया गया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, सअनि अरविंद मेहता को चंदनकियारी, बैजून मरांडी को माराफारी और एसएन सिंह को हरला थाना में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसी क्रम में थाना की कार्यक्षमता को विस्तार देने के लिए चार नए अधिकारियों की पदस्थापना बोकारो थर्मल में की गई है।

ट्रैफिक विभाग से संजय कच्छप, राजीव कुमार सिंह रघुवंशी, मान सिंह मुंडू एवं संतोष कुमार को बोकारो थर्मल थाना भेजा गया है। इस फेरबदल से क्षेत्र की कानून व्यवस्था और यातायात प्रबंधन में नई ऊर्जा आने की उम्मीद जताई जा रही है।

प्री-बोर्ड परीक्षा को लेकर उपायुक्त ने किया का विद्यालयों का भ्रमण

» बेहतरीन परिणाम प्राप्त करने के लिए छात्रों को किया प्रेरित

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः उपायुक्त आदित्य रंजन ने मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा से पहले चल रही प्री-बोर्ड परीक्षा को लेकर आज गोविंदपुर के गोसाईंडीह स्थित उत्क्रमित +2 उच्च विद्यालय सहित अन्य विद्यालयों का भ्रमण किया।

भ्रमण के दौरान उपायुक्त ने छात्रों के साथ इससे पहले आयोजित प्री-बोर्ड परीक्षा के संबंध में जानकारी हासिल की। तत्पश्चात उन्होंने वर्तमान प्री बोर्ड परीक्षा की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की। परीक्षा में बेहतरीन परिणाम प्राप्त करने के लिए उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया। घर जाकर भी परीक्षा की तैयारियों में जुटे रहने का आह्वान किया। हाउस गतिविधियों को और बेहतर करने के लिए छात्रों को प्रेरित किया। शिक्षकों को छात्रों से संवाद कर मार्गदर्शन देने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री की सोच है कि सरकारी विद्यालयों के छात्र-छात्रा बोर्ड परीक्षा और प्रतियोगिता परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करें। इसकी परिकल्पना को साकार करने, बोर्ड परीक्षाओं में धनबाद जिले के छात्रों का बेहतरीन प्रदर्शन सुनिश्चित करने तथा छात्रों को बोर्ड परीक्षा के माहौल से परिचित कराने के उद्देश्य प्री-बोर्ड परीक्षा का आयोजन किया गया है। भ्रमण के दौरान उपयुक्त ने छात्रों की उपस्थिति पंजी, प्रश्न पत्र की जांच की।

प्री-बोर्ड परीक्षा के दूसरे दिन 95% से अधिक छात्र रहे उपस्थित

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर बोर्ड परीक्षा से पहले आयोजित मैट्रिक एवं इण्टरमीडिएट की द्वितीय प्री-बोर्ड तथा 9वीं एवं 11वीं की प्रथम प्री-बोर्ड परीक्षा के दूसरे दिन 95% से अधिक छात्रों की उपस्थिति दर्ज की गई। प्री-बोर्ड परीक्षा को लेकर छात्र भी उत्साहित थे। प्री बोर्ड परीक्षा में धनबाद प्राणजीवन एकेडमी तथा शिवाजी +2 उच्च विद्यालय बेनागोड़िया में 99%, खालसा हाई स्कूल धनबाद में 98.5%, उत्क्रमित उच्च विद्यालय जोराडीह निरसा में 97%, पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय डुमरिया कलियासोल में 94%, आजाद हिंद उच्च विद्यालय गोमो में 92%, हाई स्कूल मुगमा में 91% सहित जिले के अन्य विद्यालयों को लेकर औसतन 95% से अधिक छात्रों की उपस्थिति दर्ज की गई। उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देशानुसार परीक्षा के बाद सभी स्कूलों में पिछले प्री-बोर्ड की कॉपियाँ चेक की गईं। साथ ही टॉपर के नंबर डिसप्ले बोर्ड पर दर्शायें गए। इसके अलावा छात्रों के साथ प्री-बोर्ड प्रश्न पत्र पर चर्चा की गई। जबकि अनुपस्थित छात्रों को शिक्षकों द्वारा फोन करके ट्रैक किया गया और परीक्षा में सम्मिलित होने को कहा गया। वहीं एसएमसी और पीटीएम में रिजल्ट पर चर्चा की गई।

उपायुक्त आदित्य रंजन ने गोविंदपुर के गोसाईंडीह स्थित उत्क्रमित +2 उच्च विद्यालय सहित अन्य विद्यालयों का भ्रमण किया। जबकि जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा ने धनबाद प्राणजीवन एकेडमी का भ्रमण किया। वहीं संबंधित प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा अंचल अधिकारी ने अपने-अपने क्षेत्र की विद्यालयों का भ्रमण कर छात्रों का मार्गदर्शन व उत्साहवर्धन किया।

प्री-बोर्ड परीक्षा का आयोजन अब 19 जनवरी, 20 जनवरी, 21 जनवरी व 22 जनवरी को दो सिटिंग में किया जाएगा। पहली सिटिंग में मैट्रिक के लिए सुबह 9 बजे से 12 बजे तक तथा इण्टरमीडिएट के लिए द्वितीय सिटिंग में दोपहर 12.30 बजे से 3.30 बजे तक परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। जबकि 24 जनवरी को परीक्षा का रिजल्ट घोषित किया जाएगा।

जिला जज ने विभिन्न स्कूल के छात्र-छात्राओं को दिया प्रशस्ति पत्र

जिले में विद्यालय स्तरीय पेंटिंग, निबंध, स्लोगन व पोस्टर प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बाल कृष्ण तिवारी ने शुक्रवार को विभिन्न स्कूल के छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर उन्हें प्रोत्साहित किया। इस बाबत जानकारी देते हुए प्राधिकार के सचिव सह अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि नालसा के तत्वाधान में धनबाद जिले मे पांच जनवरी से नशा के विरुद्ध जिला विधिक सेवा प्राधिकार एवं लीगल ऐड डिफेंस काउंसिल सिस्टम की टीम, अधिकार मित्र द्वारा जागरूकता फैलाने हेतु डॉन परियोजना चलाई जा रही है। इस दौरान जिले में विद्यालय स्तरीय पेंटिंग, निबंध, स्लोगन व पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

पेंटिंग प्रतियोगिता मे प्रथम पुरस्कार कुमारी रूपोश्री नंदी, द्वितीय ऋषिका सिंघा, सरिता कुमारी बीएसएस बालिका उच्च विद्यालय धनबाद। तृतीय अदिति कुमारी मध्य विद्यालय सरायढेला कोलवाशरी धनबाद, मिलन कुमारी बीएसएस बालिका उच्च विद्यालय धनबाद को दिया गया।

वहीं निबंध लेखन मे प्रथम स्थान पाने वाली आईशा कुमारी बीएसएस बालिका उच्च विद्यालय, द्वितीय, पल्लवी कुमारी, सखी कुमारी, मध्य विद्यालय सरायढेला कोलवाशरी धनबाद, तृतीय सौमिया मंडल, अनु कुमारी वर्ग, रोशनी कुमारी को दिया गया।

स्लोगन/पोस्टर निर्माण मे प्रथम, कोमल कुमारी बीएसएस बालिका उच्च विद्यालय धनबाद, द्वितीय कुमारी अनुराधा कुमारी, वरीय बुनियादी मध्य विद्यालय जगजीवन नगर धनबाद, नरेश कर्मकार मध्य विद्यालय दुर्गामंदिर धनबाद की छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर उनको सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बालकृष्ण तिवारी ने कहा कि बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए कलाकृति को देखकर ऐसा लग रहा है कि मानो वह समय दूर नहीं है कि हमारा प्रदेश पूरी तरह से नशा मुक्त प्रदेश बन सकेगा। जागरूकता के माध्यम से नशे में लिप्त प्रदेश की युवाओं को समाज के मुख्य धारा से जोड़ना ही हम सब का लक्ष्य है।

आईआईटी (आईएसएम) में 'नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम' का हुआ समापन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम (एमएमटीटीपी) के तहत आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में आयोजित नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप (एनएफएल) प्रोग्राम के 8वें संस्करण का समापन (वैलेडिक्टरी) समारोह आज सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

समापन समारोह एफडीसी कॉन्फ्रेंस हॉल-1, i2h बिल्डिंग में आयोजित हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने पूरे कार्यक्रम के दौरान मिले अनुभवों, सीख और नेतृत्व विकास से जुड़े पहलुओं को साझा किया।

इस अवसर पर कलकत्ता विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के प्रो.कमल किशोर मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षकों का निरंतर प्रशिक्षण, संवाद और नेतृत्व क्षमता का विकास आज के समय की बड़ी जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे कार्यक्रम शिक्षकों को नई सोच, बेहतर कार्यशैली और समाज के प्रति जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

कार्यक्रम की समन्वयक प्रो.मृणालिनी पांडे ने सभी प्रतिभागियों, वक्ताओं एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम शिक्षकों में नेतृत्व क्षमता विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। वहीं, कार्यक्रम के सह-समन्वयक प्रो.मोहम्मद इरफान (प्रबंधन अध्ययन एवं औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी (आईएसएम) धनबाद) ने आयोजन की सफलता के लिए टीमवर्क और प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की।

समापन समारोह के दौरान प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए तथा कार्यक्रम के निष्कर्षों पर चर्चा की गई।

आईआईटी (आईएसएम) धनबाद ने शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार एवं यूजीसी द्वारा समर्थित एमएमटीटीपी के तहत इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी सहयोगियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बुजुर्ग ने लगाई मूल सेवा पुस्तिका रिलीज करने की गुहार

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर शुक्रवार को आयोजित जनता दरबार में प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत कोषांग नियाज अहमद ने आमजनों की समस्याएं सुनी।

इसमें बलियापुर अंचल के सेवानिवृत्त राजस्व उप निरीक्षक ने बताया कि 14 महिने पहले वे सेवानिवृत्त हो गए हैं। उनके पेंशन स्वीकृति हेतु पेंशन प्रपत्र एवं मूल सेवा पुस्तिका अंचल के नाजिर ने चार महीनों से अपने पास रोक कर रखा है। इसके कारण पुरे परिवार को आर्थिक एवं मानसिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सभी दस्तावेज रिलीज करने की गुहार लगाई।

इसके अलावा जनता दरबार में घर आने-जाने वाले रास्ते के बंद कर देने, राजपूत बस्ती में सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने, तोपचांची प्रखंड के कोरकोटा पंचायत के मुखिया व जल सहिया द्वारा पानी वितरण बंद कर देने सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए।

संस्कार भारती धनबाद महानगर की आगामी सांस्कृतिक गतिविधियों की घोषणा

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः शुक्रवार को संस्कार भारती, धनबाद महानगर द्वारा मासिक बैठक हेडगेवार भवन में किया गया जिसके तहत भारतीय संस्कृति, कला और संस्कारों के संवर्धन के लिए आगामी विविध सांस्कृतिक एवं रचनात्मक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों, युवाओं एवं समाज के सभी वर्गों को भारतीय परंपराओं, संविधानिक मूल्यों और सांस्कृतिक चेतना से जोड़ना है।

कार्यक्रमों की शुरुआत 17 जनवरी 2026, शनिवार को आयोजित एक दिवसीय चित्रकला प्रतियोगिता से होगी। यह प्रतियोगिता भारतीय संविधान पर आधारित विषयों पर केंद्रित होगी। आयोजन का समय दोपहर 3:00 बजे से 6:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। इस प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागी भाग लेंगे, जहां बच्चों और युवाओं को अपनी रचनात्मक प्रतिभा के माध्यम से संविधान की भावना, एकता और विविधता को चित्रों में उकेरने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता का आयोजन डॉ.हेडगेवार भवन, जगजीवन नगर, धनबाद में किया जाएगा।

इसके अगले दिन 18 जनवरी 2026, रविवार को संस्कार भारती धनबाद महानगर परिवार मिलन एवं सहभोज समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम भटमुड़ना शिव काली मंदिर, कतरस, धनबाद में सुबह 9:00 बजे से प्रारंभ होगा। इस अवसर पर संस्कार भारती से जुड़े कार्यकर्ता, कलाकार और उनके परिवारजन एकत्र होकर आपसी संवाद, आत्मीयता और संगठनात्मक सुदृढ़ता को और मजबूत करेंगे। सहभोज के माध्यम से सामाजिक समरसता का संदेश भी दिया जाएगा।

इसके बाद 25 जनवरी 2026, रविवार को मासिक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम में 17 जनवरी को आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में विजेता प्रतियोगियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।यह कार्यक्रम डॉ.हेडगेवार भवन, जगजीवन नगर, धनबाद में शाम 6:30 बजे से 8:30 बजे तक संपन्न होगा। सांस्कृतिक संध्या में संगीत, कविता, नृत्य एवं अन्य कला प्रस्तुतियों के माध्यम से कलाकारों को मंच प्रदान किया जाएगा, जिससे स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलेगा।

कार्यक्रमों की श्रृंखला का समापन 01 फरवरी 2026, रविवार को आयोजित वन्दे मातरम् गीत प्रतियोगिता (विद्यालय स्तरीय) से होगा। यह प्रतियोगिता संभावित सिंफर ऑडिटोरियम में आयोजित की जाएगी। विद्यालय स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, देशप्रेम और सांस्कृतिक चेतना का विकास करना है।

संस्कार भारती धनबाद महानगर ने सभी कला प्रेमियों, विद्यार्थियों और नागरिकों से इन कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता कर भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में सहयोग देने की अपील की है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

डीसी ने की समीक्षा बैठक, दिये कई निर्देश

रामगढ़। रामगढ़ डीसी फ़ैज़ अक अहमद मुमताज ने शुक्रवार को पर्यटन विकास एवं जिला खेल विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक किया। इस दौरान बैठक में जिला खेल पदाधिकारी संजीत कुमार ने पूर्व की बैठक में दिए निर्देश के आलोक में किए गए कार्यों की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने विभागीय स्तर से जिला एवं प्रखंड स्तर पर इंडोर एवं आउटडोर स्टेडियम निर्माण किए जाने की जानकारी सभी को दी। जिस पर डीसी ने सभी अंचल अधिकारियों से समन्वय कर जल्द से जल्द भूमि प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। पर्यटन विकास की दिशा में जिले में हो रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में डीसी ने पर्यटन स्थलों पर चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की एवं उन्हें जल्द से जल्द कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही जिले के अलग-अलग क्षेत्र में जिला व प्रखंड स्तरीय खेल स्टेडियम निर्मित करने, सांस्कृतिक दृष्टिकोण से अखरा निर्माण करने को लेकर भी चर्चा के क्रम में आवश्यक निर्देश दिए।

बच्चों को मजबूत बनाने में शिक्षक के साथ अभिभावकों की भी जिम्मेदारी : विधायक

खूंटी। विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि बच्चे राष्ट्र निर्माण की नींव हैं और इसे मजबूत बनाने की जिम्मेदारी शिक्षकों के साथ अभिभावकों की भी है। विधायक शुक्रवार को तोरपा प्रखंड के तिरला मे आयोजित अभिभावक-शिक्षक बैठक को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शिक्षकों, अभिभावक और विद्यार्थियों से संवाद कर शिक्षा की गुणवत्ता, बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं विद्यालय की मूलभूत सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा की।

विधायक ने कहा कि शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाने में शिक्षक और अभिभावक दोनों की समान भूमिका होती है। उन्होंने बच्चों की नियमित उपस्थिति, नैतिक मूल्यों के विकास तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष ज़ोर दिया।

बैठक के दौरान अभिभावकों की ओर से रखी गई समस्या और सुझावों को विधायक ने गंभीरता से सुना और उनके समाधान के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयासरत है और जमीनी स्तर पर सुधार प्राथमिकता है।

इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक, अभिभावक, स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित अन्य मौजूद थे।

युवक की हत्या कर जलाया शव, जांच में जुटी पुलिस

पलामू। जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के गुरहा गांव में एक 25 वर्षीय अज्ञात युवक की हत्या करने के बाद उसका शव जला दिया गया। शुक्रवार को उसका अधजला शव मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की जांच करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जानकारी के अनुसार गुरहा गांव के आसपास के लोगों ने कब्रिस्तान के पीछे सुनसान इलाके में एक युवक का अधजला शव देखा। इसे लेकर बड़ी संख्या में लोग शव को देखने के लिए मौके पर पहुंचे। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पहचान कराने की कोशिश की।

हालांकि शव की पहचान स्थानीय लोगों ने नहीं की, लेकिन चर्चा है कि युवक शाहपुर इलाके का रहने वाला है। युवक की हत्या किसने की और शव कैसे जलाया गया, इसके लिए पुलिस कई स्तरों पर जांच कर रही है।

चैनपुर के थाना प्रभारी श्रीराम शर्मा ने बताया कि पुलिस पूरे मामले में छानबीन कर रही है। युवक की पत्थर से कुचलकर कर हत्या करने के बाद उसके शव को जलाया गया है। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।

तस्करी के लिए ले जा रहे 48.1 किलो गांजा के साथ एक गिरफ्तार

हजारीबाग। जिले में नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री करने वालों के विरुद्ध पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को 48.1 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। इस दौरान एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन को गुप्त सूचना मिली थी कि एनएच-522 स्थित सिवाने पुल के पास एक सफेद रंग की डस्टर कार में गांजा की तस्करी की जा रही है। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, विष्णुगढ़ के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। छापेमारी दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सिवाने पुल के पास सड़क किनारे खड़ी डस्टर वाहन (संख्या डब्ल्यूबी-74एए-6328) को चिन्हित किया गया। पुलिस बल को देखकर एक व्यक्ति वाहन छोड़कर भागने लगा, जिसे दौड़ाकर पकड़ लिया गया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान चंदन कुमार, ग्राम नामकुम देवी मंडप रोड, थाना नामकुम, जिला रांची के रूप में हुई है। वाहन की तलाशी के दौरान डिक्की में पारदर्शी प्लास्टिक में लिपटे 13 पैकेट गांजा, कुल वजन 48.1 किलोग्राम बरामद किया गया। पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्त ने बताया कि वह अपने सहयोगियों के साथ मिलकर वाहन से गांजा तस्करी का कार्य करता था। इस मामले में अन्य संलिप्त व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं पुलिस ने बताया कि जिले में अवैध अफीम, डोडा और गांजा की तस्करी के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और इस तरह के अपराधों में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

बोकारो स्टील प्लांट ने चलाया जागरूकता और स्वास्थ्य परीक्षण अभियान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत बोकारो इस्पात संयंत्र ने अपनी सुरक्षा और स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया। बीएसएल सुरक्षा विभाग द्वारा समन्वित इन कार्यक्रमों के तहत डीएवी इस्पात विद्यालय, सेक्टर–8/बी एवं सेक्टर–2/सी के विद्यार्थियों के लिए विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों में सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं विभाग के महाप्रबंधक-प्रभारी आनंद रौतेला और उप महाप्रबंधक कुमार रजनीश ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों, पैदल यात्रियों की सुरक्षा और अनुशासित आवागमन के महत्व को विस्तार से समझाया।

संयंत्र के भारी वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यावसायिक स्वास्थ्य सेवाएं (ओएचएस) विभाग में एक विशेष नेत्र परीक्षण शिविर भी लगाया गया। इसके अतिरिक्त, साइकिल चालकों की रात्रि में दृश्यता बढ़ाने के लिए उनकी साइकिलों पर रेट्रो-रिफ्लेक्टिव टेप लगाए गए। इस अभियान में भारी वाहनों की सुरक्षा जांच के साथ चालकों को सुरक्षित ड्राइविंग व्यवहार के प्रति संवेदनशील बनाया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, चिकित्सक, शिक्षकगण और सुरक्षा कर्मी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जिला अनलोकेटेड फंड के तहत हो रहे विकास कार्यों की डीसी ने की समीक्षा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़। जिले में अनाबद्ध निधि (अनलोकेटेड फंड) से हो रहे विकास कार्यों की समीक्षा डीसी फ़ैज़ अक अहमद मुमताज ने शुक्रवार को की। उन्होंने पिछले तीन वर्षों से लंबित सभी योजनाओं को जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। शुक्रवार को आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान डीसी ने पूर्व की बैठक में दिए गए निर्देश पर किए गए कार्यों की जानकारी डीपीओ संतोष भगत से ली। उन्होंने अनाबद्ध निधि के तहत संचालित विभिन्न कार्यकारी एजेंसियों की ओर से किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। साथ ही सभी कार्यकारी एजेंसियों को उनके तहत किए जा रहे हैं योजनाओं की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया।

योजनाओं का निरीक्षण करने का निर्देश-योजनाओं की समीक्षा करते हुए डीसी ने अब तक हुए कार्यों की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने समीक्षा के दौरान वित्तीय वर्ष 2023- 24 , 2024-25 एवं 2025-26 में स्वीकृत योजनाओं को पूरा कराने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी सहायक अभियंताओं को योजनाओं का समय-समय पर निरीक्षण करने का निर्देश दिया। डीसी ने सभी प्रक्रियां पूर्ण करने केबाद ही योजनाओं में निर्माण कार्य शुरू करने का निर्देश दिया।

पलामू में डेढ़ दशक से बंद राजहरा कोल माइंस में 17 से शुरू होगा खनन कार्य

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पलामू। जिले में 284 वर्ष पुरानी और करीब डेढ़ दशक से बंद सेंट्रल कोलफील्ड की राजहरा कोलियरी में शनिवार से कोयला खनन कार्य शुरू हो जाएगा। कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे नव संचालन कार्य का उद्घाटन करेंगे। इसके लिए पलामू जिले के पड़वा प्रखंड के राजहरा कोलियरी क्षेत्र में कई स्तरों पर तैयारी पूरी की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम की ओर से राजहरा कोल माइंस शुरू करने को लेकर लगातार प्रयास किया जा रहा था। उनका प्रयास रंग लाया है।

शुक्रवार को अपने आवास पर सांसद वीडी राम ने राजहरा कोलियरी में कोयला खनन कार्य शुरू होने से संबंधित जानकारी दी। सांसद ने बताया कि 1842 ईस्वी में राजहरा कोलियरी से भूमिगत खनन कार्य शुरू हुआ था। 149 वर्षों तक भूमिगत खनन कार्य हुआ। बाद में इसे 1991 में बंद कर दिया गया। यह करीब 284 वर्ष पुरानी कोल माइंस है और पिछले 15 साल से बंद पड़ी थी। इसे पुनः चालू करने के लिए कई स्तरों पर प्रयास किया और अब सफलता मिली। उन्होंने कहा कि राजहरा कोलियरी क्षेत्र में 4.5 मिलियन टन ग्रेड-9

स्तर का कोयला है।

सामान्य तौर पर 0.30 मिलियन टन प्रतिवर्ष और अधिकतम 0.50 मिलियन टन प्रत्येक वर्ष उत्पादन क्षमता है। फरवरी 2037 तक पर्यावरण मंजूरी है, जबकि संचालन के लिए सीटीओ की वैलिडिटी मार्च 2026 तक है और रिनिवल की प्रक्रिया चल रही है। नदी के किनारे को मजबूत करने और सभी शर्तों का पालन करने पर जोर दिया गया है।

सांसद ने बताया कि कुल 20 लोगों से 2-2 एकड़ जमीन अधिग्रहण की जा रही है। एक एकड़ जमीन वाले परिवार के एक सदस्य को नौकरी दी जा रही है। इसमें दो लोगों को नौकरी दी जा चुकी है, जबकि चार आवेदन अंतिम चरण में प्रक्रियाधीन हैं। पांच आवेदन प्रारंभिक जांच की प्रक्रिया में है। नौ आवेदन की प्रतीक्षा है। कोयला खनन निजी और सरकारी स्तर पर होगी। सीएसआर फंड से कई उपयोगी कार्य किए जाएंगे।

गुरु की चेताई आत्मा कभी नर्क में नहीं जाती : स्वामी प्रमोद महाराज

राष्ट्रीय मुख्यधारा

खूंटी। जिला संतमत के वार्षिक सत्संग का समापन शुक्रवार को मुरहू चौक में गाजे बाजे के साथ हुआ।

सत्संग में प्रवचन में भागलपुर आश्रम के स्वामी प्रमोद जी महाराज ने कहा कि संसार में सभी सुख चाहते हैं, परन्तु जल बिच मीन पियासी की तरह मनुष्य सच्चाई से भटकता रहता है और जहां -तहां सुख खोजता है।

उन्होंने कहा कि संसार में क्षणिक सुख है, सच्चा सुख परमात्मा की भक्ति गुरु की बताई युक्ति से करने से मिलता है। उन्होंने कहा कि गौतम बुद्ध ने गृह त्याग कर दिया था, पर परमात्म प्राप्ति के बाद अपने घर आये, जहां यशोधरा ने उनसे कहा कि क्या परमात्मा की भक्ति घर से नहीं हो सकती थी। कहा कि जोक को थन से लगा दो, तो वह खून ही चूसेगा, जबकि बछड़े दूध पीते हैं। यही अंधकार है हम अनमोल जीवन व्यर्थ के दुर्व्यसन में गंवा देते हैं।

ईश्वर एक हैं निरंकारी हैं, उन्हें रूप या अनेक नामों से भी पूजते हैं। जैसे कुंए का पानी एक है और हम अपनी इच्छानुसार पात्र में भरते हैं।

संत का ज्ञान गंगा है, इसमें गोता लगाते रहें-प्रमोद जी महाराज ने कहा कि संत का ज्ञान गंगा है, इसमें गोता लगाते रहना चाहिए। सोना में जंग नहीं लगता, लोहा घून नहीं खाता, वैसे ही गुरु की चेताई आत्मा कभी नर्क में नहीं जाती है। वहीं स्वामी डॉ निर्मलानंद जी महाराज ने कहा कि ईश्वर की चर्चा करते रहने से सुख मिलता है, परमात्मा सबका एक ही है, हम अज्ञानता वश धर्म की लड़ाई लड़ते हैं। संतों ने बाहरी भक्ति पूजा और आंतरिक भक्ति ध्यान साधना बताई है।

स्वामी जयकुमार जी महाराज ने कहा कि जैसे मेंहदी में लाली है, उसी तरह परमात्मा भी कण-कण में व्याप्त हैं। स्वामी लक्ष्मण जी महाराज ने कहा कि जैसे दूध रखने के लिए स्वच्छ वर्तन चाहिए, वैसे भक्ति के लिए स्वच्छ मन, खान पान, व्यवहार जरुरी है। इस अवसर पर स्वामी नरेंद्र जी महाराज, स्वामी बालकृष्ण, स्वामी सत्यानंद, स्वामी अखिलेश बाबा, स्वामी राजेन्द्र बाबा, स्वामी लाहिरी बाबा, दिगंबर बाबा, सोमनाथ ब्रह्मचारी सहित अन्य ने भी भक्ति पर अपने विचार रखे।

डीएवी स्पोर्ट्स नेशनल में डीएवी सेक्टर-4 का शानदार प्रदर्शन, 76 पदक जीतकर रचा इतिहास

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : डीएवी सेक्टर-4 के विद्यार्थियों ने डीएवी स्पोर्ट्स नेशनल लेवल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय और झारखंड का नाम रोशन किया है। अंडर-17 एवं अंडर-19 रोप स्किपिंग चैंपियनशिप सहित विभिन्न खेलों में दमदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय के खिलाड़ियों ने कुल 28 गोल्ड, 28 सिल्वर और 20 ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की।

डीएवी संस्था विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद को भी समान महत्व देती रही है। इसी उद्देश्य से क्लस्टर, जोनल और राष्ट्रीय स्तर पर डीएवी स्पोर्ट्स का आयोजन किया जाता है। क्लस्टर और जोनल लेवल क्वालीफाई करने के बाद डीएवी सेक्टर-4 के सौ से अधिक खिलाड़ी नेशनल लेवल प्रतियोगिताओं में भाग लेने देश के विभिन्न राज्यों के अलग-अलग आयोजन स्थलों पर पहुंचे।

इन प्रतियोगिताओं में डीएवी सेक्टर-4 के खिलाड़ियों ने क्रिकेट, जिमनास्टिक, रोप स्किपिंग, वेटलिफ्टिंग, रेसलिंग, जूडो, फुटबॉल, कराटे, लॉन टेनिस, ताइक्वांडो, आर्चरी और बास्केटबॉल

जैसे खेलों में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। जिमनास्टिक में अंडर-14 (लड़कों) वर्ग में सेकंड रनर-अप और अंडर-19 में रनर-अप का खिताब विद्यालय के नाम रहा। वहीं रोप स्किपिंग में अंडर-14 में सेकंड रनर-अप तथा अंडर-17 और अंडर-19 वर्ग में विजेता बनकर डीएवी सेक्टर-4 ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

विद्यालय के इस शानदार प्रदर्शन पर जोन 'के' के एआरओ एवं प्राचार्य एसके मिश्रा ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर 76 पदक जीतना विद्यालय के लिए गर्व का विषय है और यह विद्यार्थियों की प्रतिभा, मेहनत तथा अनुशासन का परिणाम है। उन्होंने खेल शिक्षकों और प्रशिक्षकों के निरंतर, सुनियोजित प्रशिक्षण की सराहना करते हुए कहा कि यही सफलता का मूल आधार है।

खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार के सभी छात्र, शिक्षक और कर्मियों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन की कामना की।

बीएफसीएल के नेत्र जांच शिविर में 163 लोगों की हुई जांच

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़। बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड ने शुक्रवार को हेसला गांव में दो दिवसीय निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया।

शिविर में कुल 163 लोगों की आंखों की जांच की गई। साथ ही उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय सलाह दी गई। इस पहल के माध्यम से हेसला और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों को जरूरी नेत्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। इससे नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी और दृष्टि संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान में सहायता मिली।

यह शिविर बीएफसीएल की सीएसआर टीम के सक्रिय सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें राकेश गुप्ता और सूरज देव प्रसाद की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

झारखंड बंद की पूर्व संध्या पर खूंटी में निकाला गया मशाल जुलूस

राष्ट्रीय मुख्यधारा

खूंटी। पड़हा राजा और अबुआ झारखंड पार्टी के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सोमा मुंडा हत्याकांड के अन्य साजिशकर्ताओं और शूटरों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग को लेकर अनेक आदिवासी संगठनों की ओर से 17 जनवरी को आहूत झारखंड बंद की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को मशाल जुलूस निकाला गया।

आदिवासी समन्वय समिति के तत्वावधान में स्थानीय करम अखरा से निकाला गया मशाल जुलूस शहर के भगत सिंह चौक होते हुए नेताजी चौक तक गया, फिर वहां से वापस करम अखरा में पहुंचकर समाप्त हुआ। मशाल जुलूस में बड़ी संख्या में शामिल आदिवासी समाज के महिला पुरुष सोमा मुंडा हत्याकांड के साजिशकर्ताओं और शूटरों को जल्द गिरफ्तार करने के साथ ही झारखंड बंद के समर्थन में नारेबाजी

कर रहे थे।

मशाल जुलूस में शामिल आदिवासी समन्वय समिति के अध्यक्ष चंद्र प्रभात मुंडा, संयोजक मार्शल बारला, महादेव मुंडा, बाहा लिंडा, डेविड हमसोय, चार्ल्स पाहन, प्रकाश टूटी, नरेश तिर्की सहित अन्य प्रतिनिधि क्षेत्र के दुकानदारों, वाहन मालिक और आम लोगों से झारखंड बंद में अपना सहयोग देने की अपील कर रहे थे।

उल्लेखनीय है कि पड़हा राजा सोमा मुंडा हत्याकांड में पुलिस ने पिछले दिनों पालकोट राज परिवार के एक सदस्य सहित सात आरोपितों को गिरफ्तार कर हत्याकांड की गुत्थी को सुलझाने का दावा किया है, लेकिन आदिवासी संगठनों के लोग पुलिस की इस कार्रवाई पर असंतोष व्यक्त करते हुए यह आरोप लगा रहे हैं कि पुलिस प्रशासन के लोग सोमा मुंडा हत्याकांड में शामिल अन्य साजिशकर्ताओं और शूटरों को अब तक गिरफ्तार न कर मामले की लीपापोती का प्रयास कर रहे हैं। आदिवासी संगठनों के लोग मामले में किसी निर्दोषों को न फंसाने और दोषियों को अविलंब गिरफ्तार कर कड़ी सजा देने, मामले की सीबीआई से जांच कराने, दिवंगत सोमा मुंडा के आश्रितों को तत्काल समुचित मुआवजा देने सहित अन्य मांगों पर तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

तोरपा में प्रमुख रोहित को नहीं मिला समर्थन-वहीं झारखंड बंद की पूर्व संध्या पर तोरपा में मशाल जुलूस नहीं निकाला गया। तोरपा के प्रमुख रोहित सुरीन ने तोरपा में शुक्रवार की शाम को मशाल जुलूस निकालने की सूचना दी, लेकिन कोई भी आदिवासी नेता उनके समर्थन में नहीं आए।

रामगढ में दो ज्वेलरी दुकानों से लाखों की चोरी, जांच में जुटी पुलिस

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़। जिले के भुरकुंडा ओपी क्षेत्र अंतर्गत सौंदा डी पंचायत में एक ही परिवार की दो ज्वेलरी दुकानों में चोरी की घटना सामने आई है। चोरों ने दोनों दुकानों का शटर तोड़कर लाखों रुपए के गहने और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। सूचना पर पहुंची भुरकुंडा पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर टेक्निकल टीम के सहयोग से जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार सौंदा डी स्थित देवरतन ज्वेलर्स में शटर तोड़कर चोरों ने करीब 15 लाख रुपये से अधिक मूल्य के सोने-चांदी के गहने और 35 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। वहीं जीपी कैंप स्थित राजरतन ज्वेलर्स में भी शटर तोड़कर लगभग ढाई लाख रुपये के गहने चोरी होने की बात सामने आई है। शुक्रवार को लोगों ने दोनों दुकानों के शटर टूटे होने की जानकारी दुकानदारों को दी। सूचना के बाद संचालक रतनलाल प्रसाद और मनोज कुमार स्वर्णकार दुकान पहुंचे तो देखा कि दुकान के अंदर सामान बिखरा पड़ा है। इसके बाद भुरकुंडा पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाना शुरू किया।

वहीं घटना की जानकारी मिलते ही

बड़कागांव विधायक रोशनलाल चौधरी सौंदा डी पहुंचे और पीड़ित परिवार से घटना की जानकारी ली। उन्होंने भुरकुंडा ओपी प्रभारी से बात कर अविलंब मामले के उद्भेदन करने और अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की। मामले पर विधायक रोशनलाल चौधरी ने कहा कि चोरी का मुख्य कारण क्षेत्र में बढ़ती नशाखोरी है। युवक ड्रग्स, गांजा और शराब के सेवन के लिए पैसों की चाह में चोरी सहित अन्य आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

उन्होंने पुलिस प्रशासन से नशाखोरी पर सख्त कार्रवाई करने और चोरी में संलिप्त अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। पुलिस और टेक्निकल टीम साक्ष्य जुटाने में लगी है। सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य तकनीकी बिंदुओं की जांच की जा रही है।

इधर, देवरतन ज्वेलर्स के संचालक रतनलाल प्रसाद और राजरतन ज्वेलर्स के संचालक उनके पुत्र मनोज कुमार स्वर्णकार ने भुरकुंडा ओपी में आवेदन देकर पुलिस से अपराधियों को जल्द गिरफ्तारी और चोरी गए जेवर बरामद करने की गुहार लगाई है।

मौके पर पूर्व जिप उपाध्यक्ष मनोज राम, आजसू जिलाध्यक्ष दिलीप दांगी, भुरकुंडा मंडलाध्यक्ष अजय पासवान, सौंदा डी मुखिया उपेंद्र शर्मा सहित कई लोग मौजूद थे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, शनिवार, 17 जनवरी, 2026

दिखावा दान का

डॉ. प्रशान्त करण

साधो! दान का बहुत महत्व है। हमारे भारतीय सनातन संस्कृति, परम्परा के साथ धार्मिक ग्रंथों में दान की महिमा का बखान मिलता है। कहा जाता है, दान से पुण्य मिलते हैं। लेकिन सफलता के साथ अप्रत्याशित सम्पन्नता की साधना करने वालों का जोर दान पर कम और दान के दिखावे पर ही अधिक केंद्रित रहता है। साधो! इस साधना का अत्यधिक आनंद तब हुआ करता है, जब दान में धन किसी और का लगे और दान के भाव रख, दिखा दान साधक करे!

साधो! आजकल सरकारी दान, अनुदान ऐसे ही साधक करते हैं। पैसा जनता के कर का और दान नेता दान देने के भाव से करते हैं। फिर इसका भरपूर प्रचार कर दान का दिखावा किया जाता है। दिखावे के दान की घोषणा का उत्तम मुहूर्त चुनाव के ठीक पहले हुआ करता है। चुनाव में जीतते ही अपने दल के कार्यकर्ताओं, मतदाताओं के लिए दिखावे का दान एक बार हो जाता है। घोषणा में कहा यह गया था कि हर माह यह दान होता रहेगा, लेकिन वास्तविक रूप में दिखावे के बाद बंद हो जाया करता है। लेकिन सरकारी अभिलेखों में यह निरंतर चलता रहता है। इससे लाभ पूरे शासन तंत्र के अतिरिक्त नेताओं, उनके परिजनों, चेले-चापटियों को ही होता है। घोटालों के हल्ला होने की परिस्थिति अगर आई भी तो जाँच के नाम पर मामले दबा दिए जाते हैं। फिर अगले दिखावे की तैयारी चल पड़ती है। दान का दिखावा सुख के साथ समृद्धि भी दे जाता है।

दशकों पूर्व संत बिनोबा भावे ने भूदान यज्ञ प्रारम्भ किया था। उसी कालखंड में जमींदारी व्यवस्था क्रियान्वित हुई। जमींदारों की सीमा से अधिक भूमि सरकार को दान देने का आदेश हुआ। संत बिनोबा के उपाय के पथ से चलते हुए कई जमींदारों ने भूदान का भरपूर दिखावा किया। तथाकथित दान का दिखावा ऐसे हुआ कि भूमि उनके भूमिहीन नौकरों के नाम दान देना बताया तो गया, लेकिन स्वामित्व जमींदारों का ही रहा। इस दिखावे के दान के वृक्षों में फल सरकारी सम्मान, पद और राजनीति की बड़ी कुर्सी के रूप में पाए गए। दान के दिखावे अधिकतर दीवानी न्यायालयों में मिलते हैं। एक ही भूमिखंड को भूदान के नाम पर कई तथाकथित हित-नाते आपस में दशकों तक लड़ते रहते हैं। इस दान के दिखावे से न्यायालयों से जुड़े अनेक परिवारों की जीविका चली। दान का दिखावा प्रत्यक्ष के साथ अप्रत्यक्ष लाभ दे जाता है!

भैया जी हर जाड़े में निर्धनों को कंबल दान का दिखावा करते। हर सप्ताह विभिन्न स्थानों पर पंडाल लगता। भैया जी की कंबल बाँटने की छवि अगले दिन समाचार पत्रों के मुख्य पृष्ठ पर छप जाती। एक दिन भैया जी द्वारा निकाले गए पीए ने भेद खोल दिया। बताया कि भैया जी ने पाँच वर्ष पूर्व एक ठीकेदार से सौ कंबल घूस के साथ लिया था। हर पंडाल में वही कंबल भैया जी बाँटते हैं। उनके जाने के बाद उनके गुर्गे उन कंबलों को उन निर्धनों से उन्हें डरा-धमकाकर, बिना हल्ला के, वापस ले लेते। फिर दान के दिखावे का अगला संस्करण दिख जाता। दान का दिखावा समाज में छवि बदलता है!

ईरान की उथल-पुथल एवं अमेरिका से टकराव गंभीर चुनौती

ललित गर्ग

ईरान में बार-बार उभरती उथल-पुथल केवल किसी एक घटना, किसी एक फैसले या किसी एक पीढ़ी का आक्रोश नहीं है, बल्कि यह उस ऐतिहासिक, वैचारिक और भू-राजनीतिक संरचना की परिणति है, जिसने 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से इस देश को आकार दिया है। आज जब सड़कों पर विरोध के दृश्य, सोशल मीडिया पर आक्रोश और पश्चिमी विश्लेषकों की ओर से सत्ता परिवर्तन की अटकलें तेज हैं, तब यह समझना जरूरी हो जाता है कि ईरान का संकट साधारण आंतरिक असंतोष नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन से गहराई से जुड़ा हुआ प्रश्न है। ईरान की आंतरिक उथल-पुथल एवं अस्थिरता के साथ-साथ उसका अमेरिका के साथ टकराव युद्ध की स्थितियों एवं वैश्विक असंतुलन का बड़ा कारण बन रहा है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता टकराव केवल द्विपक्षीय तनाव नहीं है, बल्कि इसके दुष्प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ सकते हैं। इस संघर्ष से पश्चिम एशिया में युद्ध का खतरा बढ़ता है, जिसका सीधा असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और तेल की कीमतों पर पड़ सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह की अस्थिरता अंतरराष्ट्रीय व्यापार की धमनियों को बाधित कर सकती है, जिससे महंगाई और आर्थिक मंदी का खतरा बढ़ेगा। इसके साथ ही यह टकराव क्षेत्रीय देशों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से युद्ध में खींच सकता है, जिससे शरणार्थी संकट, आतंकवाद और साम्प्रदायिक तनाव गहराने की आशंका है। महाशक्तियों के परस्पर टकराव की स्थिति में विश्व राजनीति और अधिक ध्रुवीकृत होगी, अंतरराष्ट्रीय सहयोग कमजोर पड़ेगा और शांति की जगह अविश्वास व सैन्य प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनेगा, जिसका खामियाजा अंततः पूरी मानवता को भुगतना पड़ सकता है। 1979 की इस्लामिक क्रांति ने ईरान में केवल शाह मोहम्मद रज़ा पहलवी को सत्ता से हटाकर एक नई सरकार स्थापित नहीं की थी, बल्कि एक ऐसी वैचारिक-राजनीतिक संरचना रची थी, जिसमें धर्म, राजनीति और सुरक्षा-तंत्र एक-दूसरे में घुलमिल गए। 'विलायत-ए-फकीह' की अवधारणा के तहत सर्वोच्च धार्मिक नेतृत्व को अंतिम राजनीतिक अधिकार सौंपा गया। इसी व्यवस्था के संरक्षण और विस्तार के लिए इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर यानी आईआरजीसी को खड़ा किया गया, जो समय के साथ केवल सैन्य शक्ति नहीं, बल्कि आर्थिक, राजनीतिक और वैचारिक ताकत का भी केंद्र बन गया। यही कारण है कि ईरान की व्यवस्था को केवल सरकार या शासन कहकर नहीं समझा जा सकता; यह एक संपूर्ण तंत्र है, जिसे हटाने के लिए केवल विरोध-प्रदर्शन पर्याप्त नहीं होते।

ईरान ने पिछले चार दशकों में कई बड़े जनांदोलन देखे हैं। 2009 का ग्रीन मूवमेंट, 2017-18 की आर्थिक असंतोष की लहर, 2019 में ईंधन मूल्य वृद्धि के खिलाफ उग्र प्रदर्शन और 2022 में सामाजिक स्वतंत्रताओं को लेकर उठी आवाजेंकृहर बार यह माना गया कि शायद अब व्यवस्था डगमगाएगी। लेकिन हर बार वही सत्ता, वही ढांचा और वही शक्ति-संतुलन कायम रहा। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि ईरान में सुरक्षा-तंत्र राज्य से अलग नहीं, बल्कि राज्य का ही विस्तार है। अरब स्प्रिंग के दौरान मिस्र या तुर्किए में सेनाओं ने अंततः राष्ट्र-राज्य को बचाने का रास्ता चुना, लेकिन ईरान में आईआरजीसी खुद को क्रांति और इस्लामिक रिपब्लिक का संरक्षक मानती है, न कि केवल सीमाओं की रक्षा करने वाली संस्था। फिर भी यह कहना गलत होगा कि ईरान की व्यवस्था पर कोई दबाव नहीं है। वास्तव में, आज का दबाव पहले से कहीं अधिक जटिल और गहरा है। इसका सबसे बड़ा कारण है पीढ़ीगत बदलाव। ईरान की आबादी का बड़ा हिस्सा युवा है, जिसने 1979 की क्रांति न देखी है और न ही उससे भावनात्मक रूप से जुड़ा है। उनके लिए क्रांति कोई जीवित स्मृति नहीं, बल्कि इतिहास की किताबों का अध्याय है। उनकी आकांक्षाएं इंटरनेट, वैश्विक संस्कृति, शिक्षा, रोजगार और व्यक्तिगत स्वतंत्रताओं से प्रेरित हैं। जब ये आकांक्षाएं एक सख्त सामाजिक-राजनीतिक व्यवस्था से टकराती हैं, तो असंतोष स्वाभाविक रूप से जन्म लेता है। इस असंतोष को और तीखा बनाया है दशकों से चले आ रहे अमेरिकी और पश्चिमी प्रतिबंधों ने। इन प्रतिबंधों ने ईरान की अर्थव्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। तेल निर्यात सीमित हुआ, विदेशी निवेश रुका, मुद्रा कमजोर पड़ी और महंगाई ने आम नागरिक की कमर तोड़ दी। विकास और आधुनिकीकरण की गति धीमी पड़ी, जिससे खासकर शहरी मध्यम वर्ग और युवा वर्ग में भविष्य को लेकर निराशा बढ़ी। आज ईरान के कई नागरिक यह सवाल पूछ रहे हैं कि क्या अमेरिका और इजराइल के साथ अंतहीन दुश्मनी का बोझ उन्हीं के कंधों पर डाला जाना जरूरी है। धीरे-धीरे यह वैचारिक टकराव राष्ट्रवादी गौरव से अधिक सामाजिक बोझ के रूप में देखा जाने लगा है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव इस पूरे परिदृश्य को और खतरनाक बना देता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान से व्यापार करने वाले देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने के आदेश और सैन्य हस्तक्षेप के संकेतों ने पश्चिम एशिया को एक बार फिर युद्ध के मुहाने पर ला खड़ा किया है। ईरान आज 1979 के बाद से शायद सबसे गंभीर बाहरी दबाव का सामना कर रहा है। यह टकराव केवल दो देशों के बीच का संघर्ष नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा भू-राजनीतिक खेल बन चुका है, जिसमें महाशक्तियां अपने-अपने हित साधना चाहती हैं। अकसर यह धारणा बनाई जाती है कि बाहरी हस्तक्षेप से ईरान में सत्ता परिवर्तन संभव है। लेकिन इतिहास बताता है कि ईरान में विदेशी दखलअंदाजी ने हमेशा उल्टा असर डाला है। 1953 में मोसादेग सरकार के तख्तापलट से लेकर आज तक, 'विदेशी साजिश' का कथानक ईरानी राष्ट्रवाद को मजबूत करता रहा है। बाहरी समर्थन से होने वाले आंदोलनों को जनता का व्यापक और स्थायी समर्थन नहीं मिल पाता। यही वजह है कि विपक्षी नेतृत्व, जो अक्सर देश से बाहर बैठा होता है, ईरान के भीतर विश्वसनीय विकल्प नहीं बन सका। इसके अलावा, ईरान वेनेजुएला नहीं है। यह एक बड़ा, संगठित और रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण देश है, जिसकी पकड़ इराक, सीरिया, लेबनान और यमन तक फैली हुई है। यहां किसी भी प्रकार का सैन्य हस्तक्षेप पूरे पश्चिम एशिया को आग में झोंक सकता है। इजराइल, खाड़ी देश, अमेरिका और यूरोपीय शक्तियां-सब इसके प्रभाव में आएंगे। चीन और रूस भी एक अस्थिर ईरान नहीं चाहते, क्योंकि वह उनके क्षेत्रीय और वैश्विक हितों के खिलाफ होगा। यह बहुध्रुवीय संतुलन ईरान की व्यवस्था को एक अप्रत्यक्ष सुरक्षा कवच प्रदान करता है। ईरान के भीतर आम नागरिकों का गुस्सा अब केवल आर्थिक कुप्रबंधन या भ्रष्टाचार तक सीमित नहीं रह गया है। एक बड़ा वर्ग यह मानने लगा है कि शासन की प्राथमिकताएं आम लोगों की जरूरतों से कट चुकी हैं। जब नागरिक भोजन, रोजगार और सम्मानजनक जीवन की मांग कर रहे हों, तब बाहरी दुश्मनों के खिलाफ वैचारिक युद्ध और यहूदी-विरोधी राजनीति उन्हें खोखली प्रतीत होती है। कई ईरानी मानते हैं कि इसी नीति ने देश को अंतरराष्ट्रीय अलगाव में धकेला और आर्थिक बर्बादी को जन्म दिया। यदि ईरान में बाहरी मदद से सत्ता परिवर्तन की कोशिश होती है, तो इसके परिणाम केवल ईरान तक सीमित नहीं रहेंगे। मध्य पूर्व में शक्ति-संतुलन बुरी तरह बिगड़ सकता है। शिया-सुन्नी तनाव, इजराइल-ईरान संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा बाजार-सब पर इसका गहरा असर पड़ेगा। भारत के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण होगी। भारत के ईरान के साथ ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक संबंध रहे हैं। चाबहार बंदरगाह से लेकर ऊर्जा सुरक्षा तक, ईरान भारत की विदेश नीति में अहम स्थान रखता है। ऐसे में भारत को अत्यंत सावधानी के साथ अपने रणनीतिक संतुलन को बनाए रखना होगा, ताकि वह किसी एक ध्रुव का मोहरा बनने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर सके। अंततः, ईरान की वर्तमान उथल-पुथल यह संकेत देती है कि व्यवस्था पर दबाव वास्तविक है, लेकिन तात्कालिक पतन की भविष्यवाणियां अक्सर जल्दबाजी साबित होती हैं। यह संघर्ष केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि पहचान, वैचारिक दिशा और भविष्य की कल्पना का संघर्ष है। ईरान का भविष्य संभवतः न तो अचानक क्रांति से बदलेगा और न ही केवल दमन से स्थिर रहेगा। यह एक लंबी, जटिल और अंतर्द्वंद्वों से भरी प्रक्रिया होगी, जिसके परिणाम न केवल ईरान, बल्कि पूरी दुनिया की राजनीति को प्रभावित करेंगे।

व्यंग्य : आया मौसम फिर 'फरारी' का

पूर्णेन्दु पुष्पेश.

गणतंत्र दिवस आते ही देश में एक अनोखा मौसम दस्तक देता है। न ठंड का, न गर्मी का...यह मौसम है विज्ञापन-फरारी का। मतलब दफ्तर से फ़रार हो जाने का! जैसे ही 26 जनवरी की आहट होती है, सरकारी कार्यालयों, थानों, निगमों, समितियों और संस्थानों में एक अजीब सी हलचल शुरू हो जाती है। बाहर पत्रकारों की आवाजाही बढ़ जाती है और अंदर अधिकारियों की उपस्थिति... धीरे-धीरे लुप्त होने लगती है।

इस मौसम की सबसे खास पहचान यह है कि जितने ज़्यादा पत्रकार बाहर मिलेंगे, उतने ही कम अधिकारी अंदर मिलेंगे। दफ्तर से ओहदेदार फ़रार! थानों से थानेदार फ़रार! फोन बंद! या फिर फोन का 'नॉट रीचेबल' हो जाना। कोई मीटिंग में है, कोई "फील्ड विज़िट" पर, कोई "अति आवश्यक कार्यवश बाहर" और कई तो सीधे "आज उपलब्ध नहीं" की श्रेणी में डाल दिए जाते हैं। साहब का बाबू मिलेगा भी तो बोलेगा – सर छुट्टी पर हैं या ट्रेनिंग पर गए हैं। 'विज्ञापन' के बारे में कुछ बोल कर नहीं गए हैं। दिलचस्प बात यह है कि ये फरारी 10-15 दिन पहले ही शुरू हो जाती है, मानो कोई गोपनीय अलर्ट जारी हो गया हो -"विज्ञापन माँगने वाले आने वाले हैं, सावधान रहें।" स्थिति ऐसी बदत्तर हो गई है कि थानेदार तो खैर, SDPO और SP साहेब तक 500-500 रुपये का 'बख्शीस' जारी करने में तनिक संकोच नहीं करते अब। वैसे इस कार्य में सरकारभी अपने बन्दों का भरपूर सहयोग करती है। सरकार को भी यही मौसम मिलता है भारी तबादलों का। तो नए 'साहब' से कहीं भेंट हो भी जाये तो तपाक से कहते हैं -"अभी अभी तो आया हूँ; अगली बार पक्का!"

अब पत्रकार भी कौन सा कम अभ्यास किए हुए हैं। गणतंत्र दिवस आते ही जायज़-नाजायज़, पंजीकृत-अनिबंधित, असली-नकली, सब एक ही कतार में खड़े दिखते हैं। किसी के हाथ में फाइल, किसी के मोबाइल में पीडीएफ, तो किसी के चेहरे पर सीधा-सादा मासूम भाव -"सर, बस छोटा सा विज्ञापन..."। और उधर अधिकारी सोचते हैं -"छोटा सा विज्ञापन आज दिया, तो कल पूरा बजट मांग लेंगे।"

यहीं से शुरू होती है फरारी की महान परंपरा। अधिकारी मान लेते हैं कि आंख बंद कर लेने से खतरा टल जाएगा। जैसे बचपन में हम आंख बंद करके सोचते थे कि सामने वाला हमें देख नहीं पा रहा, वैसे ही कार्यालय बंद कर देने से पत्रकार भी अदृश्य हो जाएंगे....ऐसी एक मासूम-सी लेकिन पुरानी धारणा।

लेकिन जनाब, यह 2026 है। पत्रकार अब सिर्फ दरवाज़े पर दस्तक नहीं देते, वे व्हाट्सएप करते हैं, मोबाइल कॉल बंद है तो व्हाट्सएप कॉल करते हैं, मैसेज छोड़ते हैं और कभी-कभी तो मुस्कुराते हुए यह भी कह देते हैं -"सर, रजिस्टर्ड मीडिया से हैं।" और यही वो पल होता है, जब फरारी थोड़ी असहज होने लगती है।

असल समस्या विज्ञापन देने में नहीं, पहचानने में है। जायज़-नाजायज़ 100-150 पत्रकारों के विज्ञापनपत्र आ जाते हैं। अधिकारी अक्सर सोच में पड़ जाते हैं -किसे दें, किसे न दें। डर ये नहीं कि विज्ञापन क्यों दिया, डर ये होता है कि "गलत को क्यों दे दिया।" और इसी डर से सही को भी नहीं दिया जाता। नतीजा -सबको मना कर देना, या सबसे बचते फिरना।

जबकि समाधान बड़ा सीधा है। विज्ञापन दीजिए -लेकिन पहचान कर दीजिए। पंजीकृत मीडिया, मान्यता प्राप्त पोर्टल, असली कार्यालय, जिम्मेदार पत्रकार -इनको विज्ञापन देना कोई अपराध नहीं है। उल्टा, यह व्यवस्था का सम्मान है। गणतंत्र दिवस का विज्ञापन कोई निजी एहसान नहीं, यह जनता के पैसे से जनता तक संदेश पहुँचाने का माध्यम है।

यह भी समझना ज़रूरी है कि विज्ञापन मांगने वाला हर पत्रकार ब्लैकमेलर नहीं होता। और हर अधिकारी विज्ञापन देने से डर कर फरार हो जाए, यह भी कोई प्रशासनिक उपलब्धि नहीं है। फरारी से न तो समस्या खत्म होती है, न ही पत्रकारिता। बस अविश्वास बढ़ता है और व्यवस्था पर सवाल खड़े होते हैं।

विडंबना देखिए.....जो अधिकारी साल भर योजनाओं के प्रचार की बात करते हैं, वही गणतंत्र दिवस पर प्रचार से भागते नजर आते हैं। जैसे विज्ञापन कोई बीमारी हो और पत्रकार उसका वायरस। जबकि सच यह है कि संतुलित विज्ञापन व्यवस्था ही स्वस्थ मीडिया और स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान है।

तो साहब, इस गणतंत्र दिवस पर एक छोटा सा संकल्प लीजिए। कार्यालय से फरार मत होइए। आंख बंद करके बचने का प्रयोग छोड़ दीजिए। सामने आइए, फाइल खोलिए, पहचान कीजिए और फिर विज्ञापन दीजिए —-लेकिन पंजीकृत, जिम्मेदार और वास्तविक मीडिया को।

यकीन मानिए, इससे न बजट डूबेगा, न कुर्सी जाएगी। उल्टा, आपकी कार्यप्रणाली की चर्चा जरूर होगी; और वो भी सकारात्मक विज्ञापन के साथ।

क्योंकि गणतंत्र में फरारी नहीं, जवाबदेही ही असली देशभक्ति है।

मेष राशि- लवमेट के लिए आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज कुछ मुश्किलें रहेंगी, लेकिन आप सकारात्मक सोच रख कर उनका हल निकाल लेंगे। घर में व्यवस्था बनाए रखने तथा रखरखाव संबंधी कार्यों में व्यस्तता रहेगी। किसी नजदीकी व्यक्ति की समस्या में उसका सहयोग करने से खुशी मिलेगी।

वृष राशि – आज आपके रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। अपनी काबिलियत के दम पर अच्छे लोगों के साथ रिश्ते को मजबूत बनायेंगे। किसी भी कार्य में दूसरों की मदद से अपेक्षा न करें तथा अपनी योग्यता पर ही विश्वास रखें, आपको निश्चित फायदा होगा। वित्तीय मामलों को लेकर लिया गया निर्णय फायदेमंद साबित होगा।

मिथुन राशि – आज आपको अपने मेहनत का फल जरूर मिलेगा आज आपका दिन एक नयी उमंग लेकर आयेगा। इस राशि की महिलाएं अपने मान-सम्मान को लेकर विशेष रूप से सजग रहेगी तथा दूसरों की बातों में न आकर अपने निर्णय को ही प्राथमिकता देगी। आपके काम को लेकर आपके परिवार वाले तारीफ करेंगे।

कर्क राशि – आपको आज शुभ सन्देश मिलेगा आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। कारोबारी गतिविधियों में समय अनुसार बदलाव की जरूरत है। इलेक्ट्रॉनिक्स का सामान खरीदने का विचार बना रहे, लोगों के लिए आज अच्छा समय है। परिवारजनों के साथ सुखद समय व्यतीत होगा। आज मनोरंजन का प्रोग्राम बनेगा

सिंह राशि – आप कुछ नये विचारों पर काम करेंगे आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज कुछ अच्छे लोगों से आपकी मुलाकात हो सकती है। किसी काम में उनकी मदद भी मिलेगी। आप कुछ नये विचारों पर काम करेंगे। ये विचार आपको अधिक मुनाफा देंगे। आप अपने स्वास्थ्य का पूरा ख्याल रखेंगे। अपने लक्ष्य पर फोकस करेंगे तो जल्दी ही आपको सुखद परिणाम मिलेंगे। कठिन से कठिन कार्य को आप अपने दृढ़ निश्चय से पूरी करने की क्षमता रखेंगे।

कन्या राशि- तरक्की के नए रास्तें खुलेंगे आज आपका दिन शानदार रहेगा। जॉब के लिए आपको किसी अधिकारी का पूरा सहयोग मिलेगा। तरक्की के नए रास्तें खुलेंगे। ऑफिस में सब आपके काम की तारीफ करेंगे, बॉस आपको शाबाशी देंगे। राजनीति में आपको कुछ नया अनुभव मिलेगा। आज आप किसी धार्मिक फंक्शन में जा सकते हैं। जहां दोस्तों से मुलाकात होगी।

तुला राशि- आपकी आर्थिक समस्या काफी हद तक सुलझ सकती है आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज अनावश्यक खर्चों पर कटौती करने से आपकी आर्थिक समस्या काफी हद तक सुलझ सकती है। आप अपनी महत्वपूर्ण वस्तुएं संभाल कर रखें। कारोबारी गतिविधियां व्यवस्थित रहेगी, लेकिन लेनदेन संबंधी मामलों को सावधानी रखें। स्टूडेंट्स का दिन आज बिजी रहेगा।

वृश्चिक राशि – आर्थिक स्थिति पर ध्यान देने की जरूरत आज का दिन बेहतर रहेगा। आप अपने विनम्र व्यवहार से सबका दिल जीतेंगे। किसी भी चुनौती का आप सूझबूझ से समाधान निकाल लेंगे। व्यस्तता के बावजूद आप अपने व्यक्तिगत कार्यों को भी सहज तरीके से निपटा लेंगे।

धनु राशि- उन्नति के कई सुनहरे अवसर आपको मिलेंगे आज आपका दिन लकी रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स को ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है। सफलता के अच्छे अवसर जल्द ही मिलेंगे। आज सरकारी नौकरी में चल रही समस्याओं का समाधान मिलेगा। घर के वरिष्ठ सदस्यों के स्वास्थ्य और मान-सम्मान का ध्यान जरूर रखें तथा उनके मार्गदर्शन पर अमल करें।

मकरराशि- किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। प्रियजनों से मिलना आपके लिए खुशी का माहौल बनाएगा। आपको आपकी मनपसन्द वस्तु मिलेगी, जिससे आप बहुत ही अधिक प्रसन्न होंगे। आज पिछले कुछ समय से चल रही समस्या का समाधान मिलेगा और आप अपने अन्य कामों पर भी ध्यान दे पाएंगे।

कुंभ राशि- लापरवाही की वजह से कई मौका हाथ से निकल जायेंगे आज आपका दिन बेहद खुशनुमा रहेगा। आज अत्यधिक व्यस्तता के बावजूद आप परिवार और व्यवसाय में उचित सामंजस्य बनाकर रखेंगे। अपना उत्साह बनाए रखें क्योंकि लापरवाही की वजह से कई मौका हाथ से निकल जायेंगे।

मीन राशि- नया घर खरीद सकते हैं आज आपका दिन सुनहरा रहेगा। वरिष्ठ जनों का मार्गदर्शन मिलने की वजह से कई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में आपको आसानी होगी। भावनाओं में बहकर आप अपनी महत्वपूर्ण बात किसी के साथ शेयर न करें। कुछ समय बच्चों की परेशानियों को सुलझाने के लिए भी अवश्य निकालें।

यमुना को बचाने के लिए जरूरी हैं छोटे प्रयास

प्रदीप श्रीवास्तव

दिल्ली की जीवनरेखा मानी जाने वाली यमुना नदी को साफ़ करने के लिए बीते तीन दशकों में हज़ारों करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। केंद्र और राज्य सरकारों की संयुक्त कोशिशों, विदेशी सहायता और न्यायिक हस्तक्षेप के बावजूद यमुना की स्थिति आज भी चिंताजनक बनी हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकारें अभी तक यमुना को साफ़ करने की मूलभूत रणनीति को ही नहीं समझ पाई हैं। नतीजा यह है कि यमुना, जो कभी दिल्ली की प्यास बुझाने वाली नदी थी, आज एक "मरी हुई नदी" बनती जा रही है। जबकि, बहुत छोटे स्तर पर एक एनजीओ द्वारा किया गया प्रयास रंग लाने लगा है। क्योर एनजीओ ने बहुत छोटे स्तर पर मलिन बस्तियों से निकलने वाले सीवेज को साफ करना शुरू कर दिया है, जो यमुना में जाकर मिलता है। विशेषज्ञों की मानें तो अगर इस मॉडल को दिल्ली की सभी मलिन बस्तियों में लागू कर दिया जाए, तो यमुना को साफ करने में काफी हद तक कामयाबी पाई जा सकती है। दिल्ली की सबसे बड़ी समस्या सीवेज: यमुना नदी की कुल लंबाई लगभग 1,376 किलोमीटर है लेकिन उसमें मिलने वाले कुल प्रदूषण का 70% हिस्सा केवल दिल्ली से आता है। दिल्ली के भीतर बहने वाला लगभग 22 किलोमीटर लंबा हिस्सा यमुना का सबसे ज़्यादा प्रदूषित भाग है। अदिल्ली जल बोर्ड और सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की रिपोर्ट (2023) के अनुसार, दिल्ली 720 मिलियन गैलन प्रतिदिन सीवेज उत्पन्न करती है। लेकिन इसके शोधन की क्षमता लगभग 597 मिलियन गैलन प्रतिदिन ही है। वास्तविकता यह है कि चालू स्थिति में सिर्फ़ 514 मिलियन गैलन प्रतिदिन सीवेज ट्रीट होता है। यानी लगभग 200 मिलियन गैलन प्रतिदिन से अधिक सीवेज बिना शुद्धिकरण के सीधे यमुना में चला जाता है। दिल्ली में कुल 35 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट हैं, लेकिन इनमें से 50% अपनी क्षमता से कम काम कर रहे हैं। दिल्ली अर्बन शेल्टर इंप्रूवमेंट बोर्ड के अनुसार, दिल्ली में 1,800 से अधिक अनधिकृत कॉलोनियाँ और लगभग 750 मलिन बस्तियाँ हैं, जिनसे निकलने वाला सीवेज केंद्रीकृत सीवर नेटवर्क से जुड़ा ही नहीं है। इसका मतलब है कि बड़ी योजनाएँ और एसटीपी लगाने के बावजूद, जब तक इन बस्तियों और कॉलोनियों को ध्यान में रखकर विकेंद्रीकृत समाधान नहीं अपनाया जाएगा, तब तक यमुना को साफ़ करना संभव नहीं है। छोटे प्रयास, बड़ा असर: दिल्ली के वसंत विहार इलाके के शिवा कैंप में सेंटर फ़ॉर अरबन एंड रेज़िलिएंस एक्सिलेंस एनजीओ बहुत प्रभावी है। क्योरने यहाँ डिसेंट्रलाइज़्डवेस्टवाटर ट्रीटमेंट सिस्टम लगाया है। यह सिस्टम इंटरसेप्टिक टैंक और बायो-रेमेडिएशन तकनीक पर काम करता है।बस्ती से निकलने वाला सीवेज पहले इंटरसेप्टिक टैंक में जमा होता है, जहाँ भारी गाद और ठोस अपशिष्ट बैठ जाते हैं। इसके बाद यह पानी एक बायो-फिल्टर यूनिट से गुजरता है, जिसमें प्राकृतिक बैक्टीरिया, पौधे और बायो मीडिया गंदगी को तोड़कर साफ़ कर देते हैं। अंत में पानी इतना साफ़ हो जाता है कि उसका उपयोग सिंचाई, ग्राउंडवॉटर रिचार्ज या सामुदायिक उपयोग में किया जा सकता है। इस मॉडल के फायदे: सीवेज को यमुना तक पहुँचने से पहले ही रोक दिया जाता है। महंगे एसटीपी और बड़े ड्रेनेज नेटवर्क पर निर्भरता कम होती है।स्थानीय स्तर पर रोज़गार और सामुदायिक भागीदारी बढ़ती है। बस्ती में स्वास्थ्य और स्वच्छता की स्थिति सुधरती है। दिल्ली के वसंत विहार इलाका स्थित शिवा कैंप, एक छोटी मलिन बस्ती है, जहाँ करीब 105 घर और लगभग 735 लोग रहते हैं। यहां काम कर रहे एक एनजीओ क्योर ने एक इंटरसेप्टिक टैंक लगाया, जो बस्ती से निकलने वाले सीवेज को साफ़ करता है। सिर्फ छह महीनों में इस मॉडल ने बस्ती की तस्वीर बदल दी। अब यहाँ मच्छर और गंदगी जनित बीमारियाँ कम हो गईं। लोगों का स्वास्थ्य बेहतर हुआ और आय में सुधार हुआ। अब बस्ती के लोग खुद मानते हैं कि बीमारी पर होने वाला खर्च कम हुआ है। यहाँ के राजू प्रधान, जो अघोषित तौर पर इस बस्ती के कर्ताधर्ता हैं, कहते हैं कि यहाँ गंदगी इतनी होती थी कि पहले यहाँ कूड़े वाली गाड़ी नहीं आती थी, लेकिन बाद में जब यहाँ एनजीओ वालों ने सफ़ाई की अलख जगाई, तब यहाँ पर इतनी सफ़ाई हो गई कि अब कूड़े वालों को यहाँ आने में भी कोई दिक्कत नहीं होती है। वे कहते हैं कि यहाँ हर चीज में तीन माह में ही फ़र्क दिखने लगा। वहीं, यहाँ के एक निवासी बृजमणि कहती हैं कि यहाँ गंदगी के कारण लोगों के सिर में दर्द की शिकायत रहती थी, जबकि कई लोग माइग्रेन और त्वचा से संबंधित बीमारियों से पीड़ित थे, लेकिन यहाँ सफ़ाई व्यवस्था ठीक होने के कारण सब अच्छा हो गया और अब परेशानियाँ भी काफी कम हो गई है। जबकि, आरती कहती हैं कि पहले मच्छर और मक्खियों की भरमार रहती थी लेकिन अब सफ़ाई होने के यहाँ गंदगी बहुत कम हो गई है। टायलेट की भी व्यवस्था काफी अच्छी है। मुस्कान कहती हैं कि अब रिश्तेदार भी यहाँ की सफ़ाई की तारीफ़ करते हैं। पहले रिश्तेदारों को बुलाने में शर्म महसूस होती थी, क्योंकि यहाँ काफी गंदगी रहती थी, लेकिन अब यहाँ पर कोई भी आ जाए, हमें कोई दिक्कत नहीं होती है। असल में देखा जाए तो यमुना की सफाई काफी हद तक छोटे-छोटे प्रयासों में छिपी है। दिल्ली अर्बन शेल्टरइंप्रूवमेंट बोर्ड और डीडीए के अनुसार, दिल्ली में करीब 750 मलिन बस्तियाँ हैं, जिनमें 3.5 लाख परिवार और 30 लाख से अधिक लोग रहते हैं। यदि शिवा कैंप जैसा मॉडल हर बस्ती में लागू किया जाए तो यमुना में गिरने वाला अनट्रीटेड सीवेज कम हो सकता है। जल प्रदूषण में भारी गिरावट आ सकती है और यमुना को पुनर्जीवित करने का सपना साकार हो सकता है। क्यों ज़रूरी है विकेंद्रीकृत मॉडल: दिल्ली की 750 मलिन बस्तियों में से अधिकांश केंद्रीकृत सीवर नेटवर्क से जुड़ ही नहीं सकतीं क्योंकि वे नदी किनारे, रेलवे लाइन और सरकारी भूमि पर बसी हैं। इन बस्तियों का सीवेज सीधे नालोंके ज़रिए यमुना में चला जाता है। अगर हर बस्ती में क्योर जैसा डिसेंट्रलाइज़्ड वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट सिस्टम लगाया जाए, तो प्रतिदिन लगभग 100–120 MGD सीवेज यमुना में जाने से रोका जा सकता है। यह बड़े प्रयासों की तुलना में सस्ता, तेज़ और स्थानीय समाधान है।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: राजेश मोहन सहाय; धनबाद ब्यूरोचीफ: राजीव रंजन। बिहार प्रभारी: संतोष श्रीवास्तव. Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

22 मार्च को सिडनी में जुटेंगे 30 देशों के प्रवासी पूर्वांचली, ऑस्ट्रेलिया में मनाया जाएगा भव्य बिहार महोत्सव

पटना , एजेंसी। आगामी 22 मार्च 2026 को ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में 'पहले अंतरराष्ट्रीय बिहार-पूर्वांचल महोत्सव' का आयोजन किया जाएगा. इसमें 30 देशों में रह रहे प्रवासी पूर्वांचली भाग लेंगे. साथ ही ऑस्ट्रेलिया व भारत के विभिन्न राज्यों से विशिष्ट राजनीतिक, सामाजिक व्यक्तित्व भाग लेंगे. **ऑस्ट्रेलिया में मनेगा बिहार महोत्सव :** यह जानकारी आज पटना के ताज होटल में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में बिहार के मूल निवासी व सिडनी में रहनेवाले व्यवसायी प्रवीण कुमार ने दी. उनके साथ बिहार निवासी व देश स्तर पर चर्चित कवि संजीव मुकेश और क्रिकेट के व्यवसाय से जुड़े निशांत दयाल भी मौजूद रहे. पूरबी इंटरनेशनल की रखी जाएगी नींव : इस दौरान प्रवीण कुमार ने बताया कि हमने 'पूरबी इंटरनेशनल' नामक एक वैश्विक मंच की नींव रखी है. जो युवा विकास, शांतिपूर्ण राष्ट्रीय एकता और सेवा आधारित आर्थिक मॉडल के निर्माण के लिए समर्पित है. 22 मार्च 2026 को ही सिडनी में इस मंच का औपचारिक शुभारंभ भी किया जाएगा. **क्या है मकसद? :** यह पहल खेलो इंडिया, फिट इंडिया, एनसीसी, एनएसएस और एक भारत श्रेष्ठ भारत जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों के अनुरूप है. इसका फोकस खेल, अनुशासन, नेतृत्व, शारीरिक फिटनेस, मानसिक दृढ़ता, टीमवर्क, आत्मसंयम और नैतिक नेतृत्व पर होगा. इस पहल का केंद्रीय विश्वास है कि बिहार और पूर्वांचल के युवाओं को भारत के भविष्य में केंद्र में रहना चाहिए. **भोजन तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान :** इसकी एक प्रमुख प्रतीकात्मक पहल 'सेवा यात्रा' होगी, जो प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने की योजना है. इसमें देशभर से चयनित विभिन्न समुदायों के लगभग 1,000-1,500 युवा प्रतिभागी शामिल होंगे जो रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, सामुदायिक सेवा, कौशल कार्यशालाएं, शांति संवाद, सामुदायिक भोजन तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे कार्यक्रम करेंगे.

सफाईकर्मियों की स्थिति पर देश के 65 बड़ों शहरों में 15वें स्थान पर पटना

पटना, एजेंसी। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने जनवरी अंत में होने वाले राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए पटना का चयन किया है। 65 शहरों में पटना को 15वें स्थान पर रखा गया है। कार्यक्रम में देशभर के चुनिंदा शहरों के उन प्रयासों को प्रस्तुत किया जाएगा, जिनसे सीवर और सेप्टिक टैंक में काम करने वाले सफाईकर्मियों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित हुआ है।पटना नगर निगम द्वारा अपने दैनिक कर्मियों और आसफाईकर्मियों के लिए किए गए बेहतर प्रयासों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर यह उपलब्धि हासिल हुई है। पटना में स्वच्छांगिनी की टीम में केवल महिलाओं को रखा गया है। ये महिलाएं स्लम बस्तियों से ताल्लुक रखती हैं। इनके काम को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 के अंतर्गत 'सफाई मित्र सुरक्षा' के अंकों के आधार पर इन शहरों को चुना गया है। 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में बिहार से केवल पटना को शामिल किया गया है। **हाल की वेतन वृद्धि से स्थिति मजबूत–** पटना नगर निगम ने पिछले महीने ही अपने सफाईकर्मियों के वेतन में बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। सफाईकर्मियों में दैनिक, आउटसोर्सिंग और संविदा वाले शामिल हैं। 50% तक की वृद्धि की गई है। अकुशल श्रेणी के सफाईकर्मियों का दैनिक वेतन 400 से बढ़कर 424 रुपए, कुशल श्रेणी का 436 से बढ़कर 536 रुपए और अतिकुशल का 436 से बढ़ाकर 654 रुपए किया गया है। यह वृद्धि 1 अप्रैल, 2025 से प्रभावी हुई है। उनका मासिक वेतन 20 हजार से अधिक तक जाने की उम्मीद है। नगर निगम के इस फैसले को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है।

मंत्री अशोक चौधरी की असिस्टेंट प्रोफेसर नियुक्ति का पेंच खत्म

बीएसएससी ने शिक्षा विभाग को भेजा डोजियर, जांच में साफ-दोनों नाम एक ही व्यक्ति के

पटना, एजेंसी। मंत्री अशोक चौधरी की असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति से जुड़ा विवाद अब समाप्त हो गया है। बिहार विश्वविद्यालय सेवा आयोग ने शिक्षा विभाग को डोजियर उपलब्ध कराते हुए स्पष्ट किया है कि नाम को लेकर उठी विसंगति पूरी तरह निराधार है और नियुक्ति पूरी तरह वैध है। दरअसल, असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति से जुड़े दस्तावेजों में से कुछ में अशोक कुमार नाम लिखा है और कुछ में अशोक चौधरी, जिसके बाद मामले पर सवाल उठने लगे थे। **जांच में साफ हुआ-दोनों नाम एक ही व्यक्ति के**–अब विश्वविद्यालय सेवा आयोग ने जांच के बाद शिक्षा विभाग को स्पष्ट किया है कि अशोक कुमार का साक्षात्कार के बाद तैयार मेधा सूची के आधार पर अनुसूचित जाति कोटे में सिलेक्शन किया गया है। जांच में पाया गया कि संबंधित दोनों नाम अशोक कुमार और अशोक चौधरी एक ही व्यक्ति से संबंधित हैं। **आयोग ने की अशोक कुमार की नियुक्ति की अनुशंसा** –जांच में स्थिति स्पष्ट हो जाने के बाद आयोग ने अशोक कुमार की नियुक्ति की अनुशंसा की है। इस पर आयोग का विधिवत अनुमोदन मिल गया है। बिहार विश्वविद्यालय सेवा आयोग ने यह पत्र दो दिन पहले विभाग को भेज दिया है। **क्या है पूरा मामला?** –1 जनवरी 2026 को शिक्षा विभाग के उच्च शिक्षा निदेशक एन.के. अग्रवाल ने बिहार विश्वविद्यालय सेवा आयोग को पत्र लिखा था। उसमें कहा गया था कि अभ्यर्थी के नाम और प्राप्त डोजियर में उपलब्ध रिकॉर्ड विभिन्न प्रमाण पत्रों में अंकित अभ्यर्थी के नामों में समानता नहीं है। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने भी कहा था कि कुछ कागजातों में कमियां हैं।

आज होगी दुनिया के सबसे बड़े शिवलिंग की स्थापना

कंबोडिया-कोलकाता से आए एक ट्रक फूल, अयोध्या राम मंदिर-काशी विश्वनाथ से आएंगे पंडित

विराट रामायण मंदिर शिवलिंग के लिए 18फीटकी माला

पटना, एजेंसी। बिहार के पश्चिमी चंपारण स्थित विराट रामायण मंदिर में 17 जनवरी को दुनिया के सबसे बड़े शिवलिंग की स्थापना होगी। इसके लिए मंदिर कमेटी की ओर से भव्य तैयारी की जा रही है। शिवलिंग को इंस्टॉल करने के लिए राजस्थान और भोपाल से दो क्रेन मंगाए गए हैं। आज इन क्रेन की मदद से ट्रायल रन भी किया जाएगा। यह दोनों क्रेन 750 टन की कैपेसिटी के हैं और इसकी मॉनिटरिंग टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज करेगी। पूजा के लिए कंबोडिया और कोलकाता से फूल मंगाया गया है। मंदिर परिसर में स्थापना को लेकर एक ट्रक फूल पहुंच गए हैं, जिसमें गुलाब, गेंदा, गुलदाउदी, आदि फूल शामिल है। शिवलिंग पर चढ़ाने के लिए खास तरह का 18 फीट का माला तैयार किया जा रहा है, जिसे फूल सहित भांग, धतूरा, बेलपत्र मिलाकर बनाया जा रहा है।

अयोध्या राम मंदिर, काशी विश्वनाथ के पंडित होंगे शामिल– सुबह 8 से 10:30 बजे तक पीठ पूजन होगा और उसके बाद हवन और फिर सहस्त्रलिंगम की स्थापना होगी। वहां पूजा के लिए महावीर मंदिर से करीब सात पंडित जा रहे हैं। इसके साथ ही अयोध्या राम मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर, गुजरात, हरिद्वार, महाराष्ट्र से भी पंडित आ रहे हैं। पीठ पूजन में ये लोग शामिल होंगे। सहस्त्र लिंगम की स्थापना के दौरान होने वाले भव्य यज्ञ में चारों वेदों के विद्वानों को आमंत्रित किया गया है। 4 एलईडी बड़े स्क्रीन लगाए गए हैं, ताकि लोग लाइव स्थापना को देख सके।

8 पवित्र स्थलों के जल से किया जाएगा अभिषेक– शिवलिंग की स्थापना के लिए अलग-अलग जगहों से जल मंगाया गया है। कैलाश मानसरोवर, गंगोत्री, यमुनोत्री, हरिद्वार, प्रयागराज, गंगा सागर, सोनपुर, रामेश्वरम से गंगा जल मंगाया गया है। इसके साथ ही सिंधु, नर्मदा, नारायणी, कावेरी, गंडक नदी के जल से भी अभिषेक होगा। 17 जनवरी को माघ कृष्ण चतुर्दशी की तिथि है। ऐसा माना जाता है कि इसी दिन शिवलिंग की उत्पत्ति हुई थी और भगवान शिव की लिंग के रूप में पूजा हुई थी। इस दिन का महत्व शिवरात्रि के समान माना जाता है। इसलिए स्थापना के लिए यह दिन चुना गया है।

नीतीश कुमार और दोनों डिप्टी सीएम रहेंगे मौजूद-शिवलिंग की स्थापना के मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मौजूद रहेंगे और उनके साथ दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा भी आएंगे। इसके अलावा राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान सहित अन्य मंत्री, विधायकों, सांसदों को भी निमंत्रण भेजा गया है।

33 फीट का शिवलिंग एक ब्लैक ग्रेनाइट पत्थर से बना– इस शिवलिंग का निर्माण तमिलनाडु के महाबलीपुरम के पट्टीकाडु गांव में बीते दस साल से हो रहा था। 33 फीट का शिवलिंग एक ब्लैक ग्रेनाइट पत्थर है। सड़क मार्ग से इसे 21 नवंबर को महाबलीपुरम से 96 चक्का वाले ट्रक से पूर्वी चंपारण स्थित विराट रामायण मंदिर के लिए रवाना किया गया था। शिवलिंग को रवाना करने के पहले पूजा-पाठ की गई। शिवलिंग निर्माण करने वाली कंपनी के मुताबिक, इस शिवलिंग के निर्माण पर करीब तीन करोड़ रुपए खर्च हुए हैं।

आकार में यह मंदिर 1080 फीट लंबा, 540 फीट चौड़ा– विराट रामायण मंदिर का निर्माण महावीर मंदिर न्यास समिति की ओर से कराया जा रहा है। विराट रामायण मंदिर का प्रवेश द्वार, गणेश स्थल, सिंह द्वार, नंदी, शिवलिंग, गर्भगृह का पाइलिंग, आदि का काम पूरा हो गया है। आकार में यह मंदिर 1080 फीट लंबा और 540 फीट चौड़ा होगा। इसमें कुल 18 शिखर और 22 मंदिर होंगे। मुख्य शिखर की ऊंचाई 270 फीट, चार शिखर की ऊंचाई 180 फीट, एक शिखर की ऊंचाई 135 फीट, आठ शिखर की ऊंचाई 108 फीट और एक शिखर की ऊंचाई 90 फीट होगी।

पटना से इस मंदिर की दूरी लगभग में 120 किलोमीटर– सायण कुणाल के मुताबिक 2023 के 20 जून को शिलान्यास के बाद विराट रामायण मंदिर का निर्माण कार्य शुरू किया गया है। पटना से इस मंदिर की दूरी लगभग में 120 किलोमीटर है। विराट रामायण मंदिर में चार आश्रम होंगे। चकिया का विराट रामायण मंदिर आचार्य किशोर कुणाल का ड्रीम प्रोजेक्ट है। विराट रामायण मंदिर का निर्माण हो जाने पर यह विश्व का सबसे बड़ा मंदिर होगा।

बिहार में भ्रष्टाचार के आरोप में राजस्व कर्मचारी बर्खास्त, उपमुख्यमंत्री का सख्त संदेश

पटना , एजेंसी। भ्रष्टाचार के खिलाफ भूमि सुधार एवं राजस्व विभाग एक्शन में दिख रहा है. मसौढ़ी अंचल कार्यालय में पदस्थापित तत्कालीन राजस्व कर्मचारी राजा कुमार को भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में दोषी पाए जाने पर सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है. पटना के जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम ने बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के तहत यह कार्रवाई की है. **निगरानी ने भ्रष्टाचार के आरोप में की कार्रवाई :** दरअसल, राजा कुमार को 23 दिसंबर 2025 को मसौढ़ी प्रखंड कार्यालय परिसर से निगरानी विभाग की धावा दल द्वारा परिमार्जन आवेदनों के निष्पादन के एवज में एक लाख रुपए के मांग के आरोप में गिरफ्तार किया गया था. विभागीय जांच में यह पाया गया कि उन्होंने जानबूझकर आवेदन लंबित रखे और स्पष्टीकरण एवं अनुशासनिक कार्रवाई में भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया.

विभागीय जांच में पाए गए दोषी : अपर समाहर्ता-सह-संचालन पदाधिकारी, पटना की जांच रिपोर्ट में सभी आरोप पूर्णतः प्रमाणित पाए गए. जांच निष्कर्षों एवं जनहित को ध्यान में रखते हुए सक्षम प्राधिकार ने उन्हें सेवा में बनाए रखना लोकहित के प्रतिकूल मानते हुए बर्खास्तगी का आदेश जारी किया. प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस विभागीय कार्रवाई से आरोपी के विरुद्ध लंबित आपराधिक कार्रवाई प्रभावित नहीं होगी.

'सरकार की भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस नीति' : इस संबंध में उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने सख्त संदेश देते हुए कहा कि जो भी अधिकारी या कर्मचारी आम जनों को परेशान करेगा और भ्रष्टाचार जैसे अपराध में संलिप्त पाया जाएगा. उसे किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा.

क्या था पूरा मामला? : मसौढ़ी अंचल के भदौरा मौजा का राजस्व कर्मचारी राजा कुमार परिमार्जन के नाम पर एक शख्स से 1 लाख रुपया घूस ले रहा था. इसी दौरान उसे दबोचा गया था. निगरानी विभाग ने जाल बिछाकर दबोचा था ।

बिहार में फिर बढ़ेगी ठंड, 20-21 जनवरी को होगी बारिश

20 जिलों का तापमान 10 डिग्री से नीचे, 8 में कोहरे का अलर्ट

पटना, एजेंसी। पटना समेत बिहार के कई जिलों में धूप निकलने के बाद से ठंड से राहत मिली है। हालांकि, पहाड़ों पर अचानक शुरू हुई बर्फबारी के बाद उत्तर भारत में एक बार फिर ठंड बढ़ गई। आने वाले दिनों में इसका असर बिहार में भी देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर भारत से आ रही ठंडी हवाओं के चलते बिहार में फिर से ठंड बढ़ सकती है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने आज 8 जिलों में कोहरा छाए रहने की संभावना जताई है। इसे लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य के 20 जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रिकॉर्ड किया गया है। 2 डिग्री तापमान गिरा है, जिससे सुबह और रात में ठिठुरन बढ़ गई है। फिलहाल राज्य का न्यूनतम तापमान 5 डिग्री के आसपास पहुंच गया है। विभाग की माने तो 17 जनवरी को एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ आने वाला है, जिससे 20-21 जनवरी को बारिश के आसार हैं, जिससे ठिठुरन और बढ़ जाएगी। इसके बाद तापमान में धीरे-धीरे तापमान बढ़ने की संभावना है।

पटना में छाया रहेगा कुहासा राजधानी की बात करें तो मौसम विभाग के अनुसार आज पटना में सुबह हल्का से मध्यम कोहरा छाए रहने की संभावना है। दिन में धूप निकलने से तापमान में हल्की बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन रात में कड़ाके की ठंड बरकरार रहेगी। पटना का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। बीते 24 घंटे में पटना में दिन में भी कनकनी बढ़ी है।

मौसम ऐसा क्यों बना है मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार उत्तर-पश्चिम दिशा से चल रही पछुआ हवाएं, साफ आसमान और नमी में कमी के कारण रात के तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है। दिन में धूप निकलने से ठंड कम महसूस हो रही है, लेकिन रात में तेजी से तापमान गिरने के कारण ठिठुरन बढ़ रही है। यही वजह है कि लोगों को दिन और रात के तापमान में बड़ा अंतर महसूस हो रहा है।

20 जिले का तापमान 10 डिग्री के नीचे– मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान सबौर (भागलपुर) में 5.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा सीवान के जीरादेई और गया में 6.4, औरंगाबाद, रोहतास के डेहरी में 6.5, बक्सर, किशनगंज में 7.0, समस्तीपुर में 7.3, वैशाली में 7.7 और शेखपुरा में 7.8 डिग्री न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड किया गया है। इन जिलों में सुबह के समय ठंड का असर ज्यादा देखने को मिल रहा है।

न्यूनतम तापमान में गिरावट होगी– मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक न्यूनतम तापमान में हल्की गिरावट का सिलसिला जारी रह सकता है। 21 जनवरी से पछुआ हवाओं तेज चलेगी। इससे राज्य में ठंड का असर और बढ़ने की संभावना है। खासकर रात और सुबह के समय लोगों को अधिक सतर्क रहने की जरूरत है।

गयाजी से होकर गुजरेगी नई अमृत भारत एक्सप्रेस

हावड़ा से आनंद विहार तक जाएगी, 18 जनवरी को उद्घाटन; यात्रियों को मिलेगी राहत

गयाजी, एजेंसी। याजी जिले के रेल यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। पूर्व मध्य रेल क्षेत्र से होकर 5 नई अमृत भारत एक्सप्रेस का परिचालन शुरू किया जा रहा है। इनमें सबसे अहम ट्रेन गयाजी होकर गुजरने वाली हावड़ा-आनंद विहार अमृत भारत एक्सप्रेस है, जो गयाजी समेत मगध और शाहाबाद क्षेत्र के यात्रियों को सीधी और आधुनिक रेल सुविधा देगी। रेलवे के मुताबिक हावड़ा-आनंद विहार-हावड़ा अमृत भारत एक्सप्रेस(13065/13066) का उद्घाटन 18 जनवरी को किया जाएगा। यह ट्रेन उद्घाटन स्पेशल के तौर पर संतरागाछी से दोपहर 2.45 बजे खुलेगी। दुर्गापुर, आसनसोल, धनबाद, गोमो, पारसनाथ, कोडरमा होते हुए रात 11.50 बजे गयाजी पहुंचेगी।

दिल्ली-कोलकाता जाने वाले यात्रियों को राहत– गयाजी से आगे अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड और डीडीयू स्टेशन पर रुकते हुए अगले दिन रात 9.30 बजे आनंद विहार पहुंचेगी। इस ट्रेन के परिचालन से गयाजी, जहानाबाद, रोहतास और आसपास के जिलों के यात्रियों को दिल्ली और कोलकाता की ओर सफर में बड़ी सहूलियत मिलेगी।

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस अमृत भारत एक्सप्रेस– इसके अलावा पूर्व मध्य रेल से होकर अन्य जिलों को जोड़ने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का भी उद्घाटन किया जा रहा है। सियालदह-बनारस, पनवेल-अलीपुरद्वार, डिब्रूगढ़-गोमतीनगर और कामाख्या-रोहतक अमृत भारत एक्सप्रेस भी इसी कड़ी में शामिल हैं।

ये सभी ट्रेनें पटना, डीडीयू, हाजीपुर, सोनपुर, बरौनी, कटिहार जैसे प्रमुख स्टेशनों पर रुकेंगी और पूर्वी व उत्तर भारत को बेहतर रेल कनेक्टिविटी देंगी। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि सभी ट्रेनों का नियमित समय-सारिणी अलग से जारी की जाएगी। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस अमृत भारत एक्सप्रेस के शुरू होने से लंबी दूरी के यात्रियों को तेज, सुरक्षित और आरामदायक सफर का लाभ मिलेगा। खासकर गयाजी होकर गुजरने वाली ट्रेन को क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

पटना में युवक किडनैप, फिरौती लेकर बोरिंग रोड में छोड़ा

दानापुर होटल से केरल-बिहार के 10 बदमाश गिरफ्तार

विदेशी फंडिंग वाला साइबर गिरोह का भंडाफोड़

पटना, एजेंसी। पटना के श्रीकृष्णा पुरी थाने की पुलिस ने बोरिंग रोड से एक युवक को बरामद किया है, जिसका कल अपहरण हो गया था। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर दानापुर के तुलसी नगर के एक होटल में छापेमारी की, जहां से एक बड़े साइबर फ्रॉड गिरोह को पकड़ा है। इस छापेमारी में 10 फ्रॉडस्टार पकड़े गए हैं। जांच में यह बात सामने आई है कि इस गिरोह की फंडिंग विदेशों से हो रही थी। गिरोह में दीघा की रहने वाली एक महिला भी शामिल है। **अपहरण कर मांगे 2.50 लाख रुपए–** पटना पुलिस को गुरुवार के दिन एक युवक के अपहरण की सूचना मिली। परिजनों ने पुलिस को बताया कि युवक का अपहरण कर फिरौती के तौर पर 2.50 लाख रुपए मांगे जा रहे हैं, जो हम लोग देने में सक्षम नहीं हैं। इसके बाद पटना पुलिस के सीनियर अधिकारियों ने बदमाशों को पकड़ने और युवक को सकुशल बरामद करने के लिए टीम गठित की। युवक का लोकेशन ट्रेस करना शुरू किया तो पता चला युवक बोरिंग रोड में भटक रहा है। फौरन एसके पूरी थाने की पुलिस युवक के पास पहुंचीं और उसे सकुशल बरामद कर लिया। **फिरौती लिया, फिर बोरिंग रोड में छोड़कर भागे बदमाश–** युवक से पूछताछ हुई तो उसने बताया कि तुलसी होटल दानापुर में गया था। इसी दौरान वहां किसी का नंबर ले लिया। इसी बीच गिरोह के मेंबर्स ने नंबर लेते देख लिया। इसके बाद युवक को बंधक बनाकर खूब मारा-पीटा और फिरौती की डिमांड करने लगे। पहले 2.50 लाख मांगे गए, लेकिन युवक ने अपने बैकग्राउंड का हवाला दिया और उनसे बोला कि मैं इतने रुपए देने में सक्षम नहीं हूं। बात होते-होते 25000 रुपए में बात बन गई। परिजनों ने बदमाशों को 25000 रुपए भेजें। इसके बाद युवक को बोरिंग रोड में छोड़कर बदमाश भाग गए।

युवक ने बताया ठिकाना, छापेमारी में 10 बदमाश– युवक ने एसके पुरी थाने को बताया कि तुलसी होटल दानापुर में बदमाश अभी भी छिपे हैं। वहां चलने पर पकड़े जाएंगे। फिर पुलिस फौरन रेड करने वहां पहुंच गई। रेड के दौरान 6 केरल के और 4 बिहार के बदमाश पकड़े गए। बिहार के चारों बदमाश नालंदा और पटना के रहने वाले हैं। बदमाशों के पास से 25 से अधिक एटीएम कार्ड, 8 से अधिक मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य डॉक्यूमेंट्स वगैरह बरामद किए गए हैं।

पटना में कुख्यात नीतीश का एनकाउंटर,पुलिस ने दौड़ाकर मारी गोली

एसटीएफ को देखते फायरिंग की, सोना कारोबारी को गोली मारकर भागा था

पटना, एजेंसी। पटना पुलिस और कुख्यात के बीच गुरुवार देर रात एनकाउंटर हुआ। जिसमें कुख्यात नीतीश कुमार को पुलिस ने दौड़ाकर गोली और उसे कस्टडी में लेकर इलाज के लिए पीएमसीएच भेज दिया गया। नीतीश कुमार ने करीब एक हफ्ते पहले लूट की नीयत से एक व्यवसायी को गोली मारी थी, इस मामले में पुलिस उसे तलाश रही थी। मनेर थाना और एसटीएफ को नीतीश के रतन टोला में होने की खबर मिली, जिसके बाद टीम रात करीब 11 बजे मौके पर पहुंची और इलाके को घेर लिया। नीतीश ने जैसे ही स्त्रस्त्र को देखा उसने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई की। पुलिस की गोली नीतीश के बाएं पैर में लगी। गोली लगने के बाद नीतीश जमीन पर गिर पड़ा। जिसके बाद पुलिस ने उसे अरेस्ट कर लिया। इस साल जनवरी में पटना पुलिस और एसटीएफ का ये तीसरा एनकाउंटर है।

पिस्टल दिखाकर कारोबारी को रोका– 9 जनवरी को नीतीश और उसके 2 साथियों ने मिलकर लूट की घटना को अंजाम देने की योजना बनाई। मनेर के रसूलपुर गांव के रहने वाले संजय सोनी की गर्ल्स स्कूल के पास ज्वेलर की दुकान है। शाम करीब 7 बजे संजय सोनी अपनी दुकान बंद कर बाइक से घर जा रहे थे। तभी नीतीश और उसके 2 साथियों ने वार्ड सात के कटहरा मुहल्ले में पिस्टल दिखाकर उन्हें रोका और लूटपाट का प्रयास किया। संजय ने लूट का विरोध किया तो नीतीश ने गोली चला दी। गोली सोनी के कंधे पर लगी थी पर बदमाश लूट की वारदात को अंजाम नहीं दे पाए।

सीसीटीवी में कैद हुई थी घटना– ये पूरी वारदात गालियों में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। फुटेज में साफ दिख रहा है कि दो युवक पहले से

गली में खड़े थे, जबकि तीसरा बाइक से आकर उनके साथ खड़ा हो गया। अपराधी लगातार फोन पर किसी के संपर्क में थे। जैसे ही संजय सोनी अपनी बाइक से वहां पहुंचे, बदमाशों ने उन्हें जबरन रोका। धक्का-मुक्की के दौरान उन्हें गोली मार दी गई। शोर सुनकर भीड़ जुटते देख तीनों अपराधी हथियार लहराते हुए पैदल ही मनेर चौराहा की ओर फरार हो गए। सिटी एसपी वेस्ट भानू प्रताप सिंह ने बताया, 'उसके पास से 9 जनवरी को कारोबारी को गोली मारने में इस्तेमाल एक देसी कट्टा के अलावा एक पिस्टल और दो कारतूस बरामद किया गया। इस साल जनवरी महीने में पटना पुलिस व एसटीएफ को दूसरा एनकाउंटर है।'

लगातार ठिकाना बदल रहा था नीतीश– 9 जनवरी को लूट की कोशिश में कारोबारी को गोली मारने की वारदात के सीसीटीवी फुटेज से पुलिस ने नीतीश की पहचान कर ली थी। पहचान होने की भनक लगाने के बाद नीतीश बार-बार ठिकाना बदल रहा था। मनेर थाने की पुलिस और एसटीएफ उसके पीछे लगी थी। इसी बीच गुरुवार की रात को उसका लोकेशन रतन टोला में मिला।

पुलिस मौके पर पहुंची और फिर नीतीश से सामना हो गया। मुठभेड़ के दौरान हथियार भी मिला है। सिटी एसपी वेस्ट भानू प्रताप सिंह ने बताया, 'नीतीश के पास से 9 जनवरी को कारोबारी को गोली मारने में इस्तेमाल एक देसी कट्टा के अलावा एक पिस्टल और दो कारतूस बरामद किया गया।'

नीतीश की तलाश में रतन टोला पहुंची पुलिस– नीतीश के रतन टोला में छिपे होने के इनपुट पर पटना पुलिस रात के करीब 11 बजे मौके पर पहुंची। मनेर के रतन टोला इलाके में उस वक्त सन्नाटा पसरा था। मनेर थाना और एसटीएफ की टीम ने बिना सायरन इलाके को चारों ओर से घेर लिया था। जैसे ही पुलिस आगे बढ़ी, कुछ हलचल हुई। उसी पल नीतीश यादव ने पुलिस को देख लिया। घबराहट और हड़बड़ी में उसने फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की आवाज से पूरा इलाका दहल उठा। पुलिस तुरंत मोर्चा संभालते हुए सुरक्षित जगह से जवाबी कार्रवाई में की। कुछ ही पलों में नीतीश पुलिस की गोली का निशाना बना। नीतीश के बाएं पैर में बुलेट लगी। वो दर्द से कराहता हुआ जमीन पर गिर पड़ा। चारों ओर पुलिस की आवाजें गूंजने लगीं- 'हथियार नीचे रखो।' मौके पर ही उसे काबू में लिया गया। घायल हालत में नीतीश को एंबुलेंस से पीएमसीएच भेजा गया।

जनवरी में बिहार पुलिस का तीसरा एनकाउंटर– नीतीश यादव से पहले पटना के बाढ़ में भी पुलिस और अपराधी में मुठभेड़ हुई। जहां पुलिस ने हत्या के आरोपी प्रह्लाद कुमार के पैर में गोली मारकर उसे गिरफ्तार किया। इससे पहले 2 जनवरी को हुई मुठभेड़ में कुख्यात अपराधी मैनेजर राय जख्मी हुआ था।

संक्षिप्त समाचार

चार-पांच दिन अच्छी धूप निकलने के बाद मौसम का यूटर्न

सड़कों पर घना कोहरा, गलन बढ़ी

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ व आसपास के जिलों में बीते चार-पांच दिनों तक अच्छी धूप निकलने के बाद शुक्रवार को फिर मौसम ने यूटर्न लिया है। हाल ये रहा कि सड़कों पर सुबह से ही घना कोहरा छाया रहा और गलन बढ़ी हुई महसूस हुई। ऐसे में सड़कों पर वाहन रेंगते हुए नजर आए और लोग अलाव जलाकर तापते हुए दिखे। हालांकि, सवा दस बजे के करीब कोहरा छंटने लगा और कमजोर धूप खिली फिर भी गलन

बरकरार रही। कोहरे के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ और लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई जिलों में दृश्यता 20 मीटर से भी कम दर्ज की गई जिससे सड़कों पर वाहनों की रफ्तार बेहद धीमी नजर आई। कोहरे के चलते वाहन चालकों को दिन में भी हेडलाइट जलाकर चलना पड़ा। खासकर हाईवे और ग्रामीण मार्गों पर हादसों की आशंका बनी रही। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक सुबह-शाम घना कोहरा बने रहने की संभावना है। प्रशासन ने कोहरे को देखते हुए विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। वाहन चालकों से धीमी गति से चलने, फॉग लाइट का प्रयोग करने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने को कहा गया है। वहीं, लोगों को अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह भी दी गई है।

फरवरी में शुरू होगा 100 दिन का टीबी रोगी खोज अभियान

सांसद से लेकर पार्षद तक होंगे शामिल

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर टीबी उन्मूलन के लिए 100 दिन का विशेष सघन रोगी खोज अभियान शुरू किया जा रहा है। फरवरी में शुरू हो रहे अभियान में जनप्रतिनिधियों व विभिन्न विभागों के सहयोग से अधिकतम मरीजों को खोजकर उनका इलाज शुरू कराया जाएगा। इसके लिए स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. रतन पाल सिंह ने सभी अपर निदेशकों व मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (सीएमओ) को विस्तृत निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य सचिव डॉ. पिंकी जोवल ने बताया कि सघन टीबी खोज अभियान दिसंबर 2024 से चलाया जा रहा है। इसी का नतीजा है कि 2015 के सापेक्ष प्रति एक लाख व्यक्तियों में मरीजों की संख्या में 17 प्रतिशत और टीबी

के कारण होने वाली मृत्यु में भी 17 फीसदी की कमी आई है। ऐसे में विभाग फिर से फरवरी में सघन टीबी रोगी खोज अभियान चलाएगा। सभी सीएमओ को निर्देश दिया गया है कि दो माह में सांसदों के साथ जिला स्तर पर समीक्षा करवाएं। इसके अलावा विधायकों, विधान परिषद सदस्यों, प्रधानों व पार्षदों को भी अभियान से जोड़ें। इसमें सामाजिक जन जागरूकता बढ़ाने के लिए माई भारत वालंटियर्स व अन्य पंजीकृत नि:क्षय मित्रों का भी उपयोग करें। डीजी ने सभी कारागारों व मलिन बस्तियों में टीबी स्क्रीनिंग कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही प्राथमिक स्कूलों से लेकर विश्वविद्यालयों तक में निबंध, पोस्टर प्रतियोगिता समेत विभिन्न माध्यमों से छात्र-छात्राओं में जागरूकता फैलाने के लिए कहा गया है।

शीतकालीन अवकाश के बाद खुले स्कूल

कड़ाके की ठंड और कोहरे के बीच विद्यालय पहुंचे बच्चे

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में शीतकालीन अवकाश के बाद फिर से स्कूल खुल गए हैं। शुक्रवार सुबह घने कोहरे और कड़ाके की ठंड के बीच बच्चे स्कूल पहुंचे और प्रार्थना सभा में शामिल हुए। इस दौरान कई स्कूलों में और रास्ते पर अलाव जलाने के इंतजाम किए गए थे। बच्चों को जहां पर मौका मिला वहां अपने हाथ सेंके। वहीं, करीब सवा 10 बजे के बाद हल्की धूप खिलने से लोगों ने थोड़ी राहत महसूस की।

स्कूलों में पहले की तरह शिक्षकों ने कक्षाएं ली और कड़ाके की ठंड के बीच स्कूल आने पर उनकी प्रशंसा की। वहीं, बच्चे भी अपने साथियों से मिलकर खुश नजर आए।

सत्रीय परीक्षाएं और निपुण आकलन शुरू होगा- स्कूलों के फिर से खुलने के साथ ही दो महत्त्वपूर्ण गतिविधियां, सत्रीय परीक्षाएं और निपुण आकलन, शुरू होने वाली हैं। हालांकि, कई शिक्षक अभी भी एसआईआर प्रणाली में उलझे हुए हैं, जिससे स्कूलों

के लिए एक साथ दोनों महत्वपूर्ण कार्यों को संपन्न कराना चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। विद्यालयों का संचालन सुबह नौ बजे से तीन बजे तक होगा। ठंड के मौसम को ध्यान में रखते हुए, कुछ जिलों में अभी भी विद्यालय बंद रह सकते हैं। प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में 31 दिसंबर से 14 जनवरी तक शीतकालीन छुट्टियां थीं। इसके बाद 15 जनवरी को मकर संक्रांति का सार्वजनिक अवकाश था। इन छुट्टियों के बाद शुक्रवार से विद्यालय खोले जा रहे हैं। स्कूल खुलने के तुरंत बाद, 24 जनवरी से विद्यालयों में सत्रीय परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी, जो 31 जनवरी तक चलेंगी। बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा परीक्षाओं के संचालन के लिए विस्तृत निर्देश जारी किए जा चुके हैं। यह राहत दी गई है कि परीक्षाएं दिसंबर

नई कर व्यवस्था से पान मसाला उद्योग में उथल-पुथल

70 प्रतिशत तक गिरा राजस्व, एक हजार से मात्र 300 करोड़ रह गया

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में 1 फरवरी से लागू होने जा रही नई कर व्यवस्था ने पान मसाला उद्योग के साथ-साथ राज्य सरकार की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। जिस प्रणाली से कर राजस्व बढ़ने की उम्मीद की जा रही थी, उसके उलट परिणाम सामने आने की आशंका जताई जा रही है। वित्त विभाग का आकलन है कि नई क्षमता आधारित टैक्स व्यवस्था के चलते पान मसाला और तंबाकू से होने वाला कर संग्रह और घट सकता है, खासकर उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में, जहां इस उद्योग की रीढ़ क्षेत्रीय ब्रांड्स हैं।

वित्त विभाग के अनुसार पान मसाला और तंबाकू से मिलने वाला राजस्व पहले ही करीब 70 प्रतिशत तक गिर चुका है। जहां यह कर संग्रह पहले लगभग 1000 करोड़ रुपये था, वहीं अब घटकर करीब 300 करोड़ रुपये रह गया है, जबकि खपत में किसी तरह की कमी दर्ज नहीं की गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने केंद्रीय वित्त मंत्री से नई क्षमता आधारित कर व्यवस्था पर पुनर्विचार का अनुरोध किया है।

नई व्यवस्था के तहत कर निर्धारण मशीन की उत्पादन क्षमता, पाउच के वजन और अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से जोड़ा गया है। उद्योग जानकारों के मुताबिक, यदि 500 पाउच प्रति मिनट की क्षमता वाली मशीन से 2.5 ग्राम तक का

पाउच तैयार किया जाता है, तो उस पर मासिक उपकर लगभग 1.1 करोड़ रुपये तय किया गया है लेकिन जैसे ही पाउच का वजन या मशीन की गति बढ़ती है, कर का बोझ दोगुना होकर करीब 2.2 करोड़ रुपये तक पहुंच जाता है। ऐसे में निर्माता न तो वजन बढ़ा पा रहे हैं और न ही कीमत।

नई कर व्यवस्था के चलते पान मसाला का आधार मूल्य 5 रुपये और पाउच का वजन 1 से 1.5 ग्राम के बीच सीमित रहने की संभावना जताई जा रही है। इससे बाजार में मात्रा आधारित प्रतिस्पर्धा लगभग खत्म होकर केवल गुणवत्ता की प्रतिस्पर्धा रह जाएगी। इसका सबसे ज्यादा असर छोटे और क्षेत्रीय ब्रांड्स पर पड़ने की आशंका है,

क्षेत्रीय इकाइयों पर अस्तित्व का संकट

वित्त विभाग को आशंका है कि यदि क्षेत्रीय ब्रांड्स की बिक्री और मांग में गिरावट आती है, तो इसका सीधा असर राज्य के कर राजस्व पर पड़ेगा। उत्तर प्रदेश में पान मसाला और तंबाकू उद्योग कर संग्रह का एक बड़ा स्रोत है, जिसमें क्षेत्रीय कंपनियों की भूमिका अहम मानी जाती है। यही कारण है कि राज्य सरकार ने केंद्र से आग्रह किया है 2000 197108 कि इस क्षेत्र में फिलहाल पुरानी कर व्यवस्था को ही जारी रखा जाए। उद्योग जगत का भी मानना है कि नई प्रणाली से न केवल क्षेत्रीय इकाइयों का अस्तित्व संकट में पड़ेगा, बल्कि समग्र रूप से कर संग्रह में भी कमी आ सकती है। अब निगाहें केंद्र सरकार के फैसले पर टिकी हैं कि 1 फरवरी से लागू होने जा रही इस कर व्यवस्था पर वह क्या रुख अपनाती है, क्योंकि यह निर्णय केवल उद्योग के भविष्य ही नहीं, बल्कि राज्य के राजस्व संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ताबूत की जियारत कर अजादारों ने दिया आंसुओं का पुरसा

लखनऊ , एजेंसी। शिया समुदाय के सातवें इमाम हजरत मूसा काजिम की शहादत पर बृहस्पतिवार को शहर के इमामबाड़ों में सैयदी मौला, सैयदी मौला की सदाएं गूंजती रहीं। हुसैनाबाद स्थित छोटा इमामबाड़ा में खादिमाने इमामे मूसा काजिम की ओर से असीर-ए-बगदाद का मातम शीर्षक से आयोजित मजलिस को मौलाना जैगम अल गरवी ने खिताब किया। मजलिस के बाद हजरत इमाम मूसा काजिम और हजरत अबु तालिब के ताबूत की जियारत कराई गई। इसके अलावा पुले बगदाद का दिलसोज मंजर पेश किया गया।

मंसूर नगर स्थित इमामबाड़ा उम्मूल बनीन में मजलिस को मौलाना हैदर अब्बास रिजवी ने खिताब किया। मजलिस के बाद ताबूत की जियारत कराई गई। विक्टोरिया स्थित इमामबाड़ा नाजिम साहब में मर्सिये की मजलिस में डॉ. अली इमाम जैदी गौहर ने मर्सिया पेश किया। शिया यूथ फेडरेशन की ओर से कर्बला मेहंदीगंज में शहीद ए काजमैन का मातम शीर्षक से मजलिस को मौलाना रहमत हुसैन नकवी ने खिताब किया। इसी तरह हजरत अबु तालिब की वफात की याद में इदारा गुलामाने अबुतालिब ने हसन पुरिया स्थित इमामबाड़ा अबुतालिब में मजलिस हुई। इसे मौलाना अबुतालिब मेहंदी ने खिताब किया। डालीगंज स्थित कर्बला नसीरुद्दीन हैदर में मौलाना सदफ जौनपुरी, मौलाना हसन जहीर,मौलाना मीसम जैदी, मौलाना सकलेन आब्दी, मौलाना बिलाल काजमी और मौलाना आबिस काजिम जरवली ने अलग-अलग मजलिसों को खिताब किया।

महाराष्ट्र के श्रद्धालुओं की ट्रैवलर दुर्घटनाग्रस्त...मच गई चीखपुकार, सात लोग घायल

फिरोजाबाद, एजेंसी। फिरोजाबाद के सिरसागंज में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर श्रद्धालुओं की टेम्पो ट्रैवलर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। टायर फटने के बाद गाड़ी पलट गई। हादसे से चीखपुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा।

घटना शुक्रवार सुबह पांच बजे की है। अयोध्या से मथुरा जाते समय आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर श्रद्धालुओं से भरी टेम्पो ट्रैवलर टायर फटने से पलट गई। घटना की सूचना पर एनएचएआई और थाना सिरसागंज की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। घायल यात्रियों को अस्पताल भेजा। इसमें चार को पीजीआई सैफई एवं तीन घायलों को इलाज के लिए सीएचसी सिरसागंज भेजा गया। घायल यात्री अशोक 55 वर्ष निवासी हादगांव तालुका जिला नांदेड ने बताया कि वह छह जनवरी को धार्मिक यात्रा पर निकले थे। गुरुवार को अयोध्या में भगवान राम के दर्शन कर मथुरा में बांकेबिहारी के दर्शन के लिये जा रहे थे। गाड़ी में सवार पुष्पा और अशोक ने बताया कि अचानक से तेज आवाज हुई और पूरी गाड़ी पलट गई। गाड़ी में रखा हुआ सामान यात्रियों के ऊपर गिर पड़ा। चीखपुकार मच गई। सिरसागंज पुलिस ने अशोक कुमार, पुष्पा देवी और दिलीप को मामूली चोटों के चलते इलाज के लिये सीएचसी सिरसागंज भेज दिया।

वजूद पर संकट... फिर भी तेवर बरकरार

मायावती ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश, दोहराया संकल्प

लखनऊ , एजेंसी। बसपा भले ही अपना अस्तित्व बचाने को जूझ रही हो, लेकिन बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने 70वें जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों में जोश भरने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। उन्होंने दलितों समेत उपेक्षित वर्गों के मान-सम्मान के लिए अपनी जिंदगी समर्पित करने का दावा करते हुए कहा कि जब तक मैं जिंदा रहूंगी, मेरा संघर्ष जारी रहेगा।

मायावती ने खुद की सेहत सही होने और बसपा संस्थापक कांशीराम का एकमात्र उत्तराधिकारी होने का जिक्र करके साफ कर दिया पार्टी को कमजोर करने की साजिशों का वह मुकाबला करने में सक्षम हैं। खासकर विरोधी दलों द्वारा बसपा को खत्म करने की साजिशों के साथ पार्टी में बीते दिनों गुटबाजी करने वाले कुछ पदाधिकारियों को भी उन्होंने सख्त संदेश दिया कि पार्टी की कमान उनके मजबूत हाथों में ही रहेगी। उन्होंने कहा कि मैं कभी झुकने वाली नहीं हूं और किसी दबाव या लालच में पार्टी के मूवमेंट से पीछे नहीं हटूंगी। इस कार्य में पार्टी के लोग भी मुझे निराश नहीं करेंगे।

उन्होंने अपने मूल दलित वोट बैंक के साथ उन जातियों का जिक्र भी किया जो बीते कुछ दिनों से सियासी चर्चाओं में हैं। बता दें कि बसपा का सोशल इंजीनियरिंग का यह फॉर्मूला उसे चुनाव में सफलता भी दिला चुका है। मायावती के संबोधन में उनकी आयरन लेडी की छवि नजर आई, जो कार्यकर्ताओं में नया उत्साह भर सकती है।

सपा का पीडीए देखता रह जाएगा- उन्होंने सपा के पीडीए पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछड़े वर्गों का भी आरक्षण का लाभ सपा सरकार में इनका खुद का समाज ही उठाता रहा। मुस्लिम समाज भी उपेक्षित रहा है। भरोसा जताया कि दलित, पिछड़ा और अल्पसंख्यक समाज का वोट इस बार पहले से कहीं ज्यादा बसपा को ही मिलेगा और सपा का पीडीए देखता रह जाएगा। जातियों को बसपा के साथ जोड़ने की उनकी यह कवायद क्या असर दिखाती है, इसका नतीजा अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में देखने को मिलेगा।

कई दिक्कतों से जूझ रही बसपा- बसपा वर्तमान में कई दिक्कतों से जूझ रही है। राष्ट्रीय पार्टी का तमगा खतरे में है तो राज्यसभा में भी इस बार उनकी उपस्थिति नहीं रहेगी। विधानसभा में भी बसपा के एकमात्र विधायक उमाशंकर सिंह हैं। इन हालात में पार्टी को अपना वजूद बचाने के लिए अपने सबसे मुश्किल दौर से गुजरना पड़ रहा है। हालांकि बसपा ने अन्य राज्यों के निकाय चुनाव में सफलता हासिल की है। पार्टी ने प्रदेश में भी अपने जनाधार को बढ़ाया है। मायावती ने कई राज्यों में प्रभारी और प्रदेश अध्यक्षों को भी बदला है।

मायावती के जन्मदिन पर जिलाध्यक्ष ने कराई किरकिरी, वायरल वीडियो

जमकर प्रतिक्रिया दे रहे लोग

चंदौली, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के चंदौली जिलाध्यक्ष घनश्याम प्रधान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में उन्होंने बसपा प्रमुख मायावती के जन्मदिन को लेकर बड़ी चूक कर दी। वीडियो में वे मायावती के जन्मदिन को '17वां जन्मदिन' बताते नजर आ रहे हैं, जबकि बगल में खड़े कार्यकर्ता बार-बार उन्हें '70वां जन्मदिन' बताने की कोशिश करते रहे। इसके बावजूद जिलाध्यक्ष लगातार 17वां जन्मदिन ही बोलते रहे। वे 70वें बेलने का प्रयास करते रहे लेकिन बोल नहीं पाए। बताया जा रहा है कि यह वीडियो जिला मुख्यालय में मायावती के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान का है। जब घनश्याम प्रधान पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। बातचीत के दौरान जब उनसे मायावती के जन्मदिन को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने मंच से ही 17वां जन्मदिन कह दिया।

आसपास मौजूद कार्यकर्ताओं ने उन्हें टोकते हुए सही उम्र बताने की कोशिश की, लेकिन वे बोल नहीं पाए। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर यह मामला चर्चा का विषय बन गया है। सोशल मीडिया के अलग- अलग प्लेटफॉर्म पर लोग वीडियो को शेयर करते हुए तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

नई आवासीय योजना में होंगे 300 एकड़ तक के पार्क

लखनऊ, एजेंसी। लोगों को अच्छी हवा मिले और पर्यावरण बेहतर रहे, इसके लिए एलडीए अपनी चार नई आवासीय योजनाओं में 100 से 300 एकड़ तक के पार्क बनाएगा। आने वाली जिन चार नई योजनाओं में ये बड़े पार्क बनेंगे उनमें अनंत नगर (मोहान रोड), आईटी सिटी, नैमिष नगर और वरुण विहार शामिल हैं। पहले आवासीय योजनाओं में इतने बड़े पार्क नहीं होते थे। ऐसा पहली बार हो रहा है। एलडीए की जो योजनाएं अभी तक लॉन्च हुई हैं, उनमें इतने बड़े पार्क के प्रस्तावित नहीं थे। गोमती का लोहिया पार्क, गोमती नगर विस्तार का जनेश्वर मिश्र पार्क और बसंतकुंज का राष्ट्र प्रेरणा स्थल पार्क बड़े पार्कों में शुमार हैं, मगर यह सब योजना आने के बाद अलग-अलग समय पर बने। इनका योजनाओं के विकास के समय कोई प्लान नहीं था। अब जो नई योजनाएं आने वाली हैं उनमें पहले से ही बड़े पार्कों का निर्माण प्रस्तावित किया जा रहा है। इनमें आगरा एक्सप्रेसवे के पास आ रही 2600 एकड़ की वरुण विहार योजना में 300 एकड़ का पार्क बनाने की योजना है। इसी तरह करीब 2000 एकड़ में सुल्तानपुर रोड पर विकसित की जा रही आईटी सिटी योजना में 200 एकड़ का पार्क बनाया जा रहा है। सीतापुर रोड पर करीब 3000 एकड़ में विकसित की जा रही नैमिष नगर योजना में भी 200 एकड़ में पार्क बनाया जाएगा।

तीन दादियों की कहानी.... एक सप्ताह में तीनों ने छोड़ी दुनिया

एक को कुछ होने पर अन्य हो जातीं थीं परेशान

मथुरा, एजेंसी। आमतौर पर देवरानी-जेठानियों में इतना गहरा प्रेम कम देखने को मिलता है। उनके घर जरूर अलग थे, मगर हर सुख-दुख में वह एक दूसरे के साथ थीं। एक सप्ताह पहले जब जेठानी ने दुनिया को अलविदा कहा तो एक सप्ताह के भीतर दोनों देवरानियां भी दुनिया से विदा हो गईं। तीनों बुजुर्ग महिलाओं के आपसी रिश्ते और मृत्यु की चर्चा पूरे इलाके में है।

कस्बे की अंगूरी देवी (93), सोन देवी (77) और माया देवी (80) रिश्तेदार होने के साथ ही तीनों के बीच अच्छी छनती थी। तीनों एक साथ बैठतीं और अक्सर समय न मिलने पर मिल नहीं पातीं तो बच्चों के फोन से बातें करतीं। उनके परिजन ने बताया कि छह जनवरी को अंगूरी देवी का निधन हो गया।

जेठानी के निधन से सोन देवी की तबीयत भी बिगड़ गई। परिजन उन्हें

अस्पताल ले गए मगर 11 जनवरी को उनका भी निधन हो गया। दोनों महिलाओं की मौत के बाद परिजन को भी आभास हो गया कि शायद उनकी तीसरी सहेली भी ज्यादा नहीं जीवित रह पाएगी। 14 जनवरी को माया देवी ने भी दुनिया को अलविदा कह दिया।

अंगूरी देवी के पौत्र विजय अग्रवाल ने बताया कि उनकी तीनों दादियों के बीच आपस में बहुत ज्यादा प्रेम था।

एक को कुछ हो जाता तो अन्य दोनों परेशान हो जातीं। माया देवी के पौत्र दीपक अग्रवाल ने बताया कि दादियां पूरे परिवार को भी आपस में प्रेम से रहने की सीख देती थीं। अब 8 दिन में तीनों के एक के बाद एक चले जाने से कस्बे के लोगों की जुबां पर उनके नाम के चर्चे हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

30 साल के बाद मुंबई में ठाकरे परिवार सत्ता से बाहर

एजेंसी, मुंबई

❑ **मुंबई में पहली बार बीजेपी का मेयर बन सकता है, 4 साल से चुनाव न होने से पद खाली**

मुंबई के इतिहास में पहली बार भाजपा का मेयर हो सकता है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव रिजल्ट में भाजपा गठबंधन को कुल 227 सीटों में से 118 सीटों पर बढ़त हासिल है। जिसमें से भाजपा 90, शिवसेना शिंदे 28 सीटों पर आगे चल रही है। आजादी के बाद 77 सालों से मुंबई नगर निगम पर कांग्रेस और शिवसेना का ही कब्जा रहा है। 1947 से 1967 तक यानी 20 साल तक कांग्रेस का मेयर रहा। वहीं 1992 से लेकर 2022 यानी 30 सालों तक मेयर की कुर्सी पर शिवसेना काबिज रही। पिछले नगर निगम चुनाव फरवरी 2017 में हुए थे। मुंबई के मेयर का पद संभालने वाली आखिरी शख्स शिवसेना की किशोरी पेडनेकर थीं, जिन्होंने 22 नवंबर 2019 से 8 मार्च 2022 तक यह पद संभाला था। हालांकि तब शिवसेना में बंटवारा नहीं हुआ था। उसके बाद से यह पद खाली था। तब से, BMC के प्रशासन की जिम्मेदारी नगर आयुक्त संभाल रहे हैं।

कैसे होता है मेयर का चुनावः बीएमसी में अलग-अलग वार्डों से चुनकर कुल 227 पार्षद आते हैं, जिन्हें मुंबई में नगर सेवक या फिर कॉरपोरेटर कहा जाता है। जिस पार्टी का बहुमत होता है, उसी की मेयर पद की उम्मीदवारी में सबसे बड़ी दावेदार होती है। नगर निकाय चुनाव में जीतकर आने वाले पार्षद ही मेयर का चुनाव करते हैं। मेयर का कार्यकाल 2.5 साल का होता है, वहीं पार्षद 5 साल के लिए चुने जाते हैं। एक मेयर का कार्यकाल पूरा होने के बाद दूसरे मेयर का चुनाव होता है।

मेयर के पास क्या-क्या पावर होती हैः बीएमसी में मेयर और कमिश्नर दो पद सबसे बड़े होते हैं। मेयर नगर निगम की बैठकों की अध्यक्षता करते हैं। शहर का औपचारिक प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रस्तावों और बहसों पर चर्चा करते हैं। मतलब मेयर का काम ज्यादातर औपचारिक और प्रतिनिधित्व तक सीमित होता है। जबकि असली प्रशासनिक और कार्यकारी जिम्मेदारी कमिश्नर के पास होती है। कमिश्नर शहर का रोजमर्रा प्रशासन चलाते हैं। बजट, शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स और कर्मचारियों का कंट्रोल उनके हाथ में होता है। कमिश्नर आम तौर पर IAS अधिकारी होते हैं।

BMC चुनाव क्यों है खासः 74,000 करोड़ रुपए के बजट वाली एशिया की सबसे बड़ी सिविक बॉडी BMC पर बिना बंटे शिवसेना ने (1997-2017) तक राज किया था। तब BJP उसकी सहयोगी थी।

अमेरिकी सांसद ने पूछा- क्या आदमी प्रेग्नेंट हो सकता है

♦ **भारतवंशी डॉक्टर बोलीं– ये पॉलिटिकल सवाल, कई पेशेंट ऐसी जो खुद को महिला नहीं मानतीं**

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका की सीनेट में हुई एक सुनवाई के दौरान प्रेग्नेंसी और जेंडर को लेकर तीखी बहस हुई। इस दौरान भारतीय मूल अमेरिकी स्त्री रोग एक्सपर्ट डॉ. निशा वर्मा ने इस सवाल का सीधा जवाब देने से इनकार कर दिया कि क्या पुरुष प्रेग्नेंट हो सकते हैं। सुनवाई के दौरान रिपब्लिकन सांसद जोश हॉले ने डॉ. वर्मा से पूछा था की- 'क्या पुरुष प्रेग्नेंट हो सकते हैं?' इस पर डॉ. वर्मा ने सीधा हां या ना में जवाब नहीं दिया। उन्होंने इसे पॉलिटिकल सवाल बताया। डॉ. वर्मा ने कहा कि वे ऐसे मरीजों का इलाज करती हैं जो खुद को महिला नहीं मानते। दरअसल गुरुवार को अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट में 'हेल्थ, एजुकेशन, लेबर और पेंशंट कमेटी' की सुनवाई हुई। इसका मकसद 'महिलाओं की सुरक्षाः केमिकल अबॉर्शन दवाओं के खतरों को उजागर करना' था। डॉ. निशा वर्मा डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से गवाही देने पहुंची थीं।

सीनेटर जोश हॉले- क्या पुरुष प्रेग्नेंट हो सकते हैं? डॉ. निशा वर्मा- मुझे समझ नहीं आ रहा कि इस सवाल का मकसद क्या है। सीनेटर जोश हॉले- इसका मकसद एक जैविक सच्चाई को समझना है। क्या पुरुष प्रेग्नेंट हो सकते हैं? डॉ. निशा वर्मा- मैं ऐसे लोगों का इलाज करती हूं जिनकी पहचान अलग-अलग होती है। सीनेटर जोश हॉले- क्या पुरुष प्रेग्नेंट हो सकते हैं?

डॉ. निशा वर्मा- जैसा कि मैं कह रही हूंः सीनेटर जोश हॉले- आपने कहा कि विज्ञान और सबूतों से फैसले होने चाहिए। क्या पुरुष प्रेग्नेंट हो सकते हैं? आप डॉक्टर हैं। डॉ. निशा वर्मा- विज्ञान और सबूतों से ही इलाज को दिशा मिलनी चाहिए। सीनेटर जोश हॉले- क्या विज्ञान और सबूत यह बताते हैं कि पुरुष प्रेग्नेंट हो सकते हैं? डॉ. निशा वर्मा- मुझे लगता है कि ऐसे हां-ना वाले सवाल राजनीति के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

जम्मू कश्मीर के पुलवामा में तापमान -4.6°

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। जम्मू कश्मीर के पुलवामा में गुरुवार रात इस सीजन की सबसे ठंडी रही। यहां का तापमान -4.6°C रहा। वहीं, हरियाणा के हिसार में सर्दी से पिछले दो साल का रिकॉर्ड टूट गया। यहां का तापमान 0.2 डिग्री दर्ज किया गया। उत्तर प्रदेश के 35 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। कोहरे की वजह से 24 घंटे में पूरे यूपी में 8 हादसे हुए। इन हादसों में 24 गाड़ियां टकराईं। हादसे में 1 व्यक्ति की मौत हुई वहीं 40 लोग हायल हो गए। पंजाब के जालंधर में कोहरे के चलते राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का आज का दौरा रद्द हो गया है। उनकी फ्लाइट अमृतसर से टेकऑफ नहीं कर सकी। उन्हें जालंधर NIT में दीक्षांत समारोह में शामिल होना था। उत्तराखंड के उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ जिले के ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बारिश के साथ बर्फबारी होने की संभावना है। उत्तरकाशी में गंगोत्री नेशनल पार्क, भागीरथी नदी और जाड गंगा झरना जम चुका है। उधर, दिल्ली में पांच दिन की शीतलहर के बाद सर्दी से थोड़ी राहत मिली। शहर का न्यूनतम तापमान 4.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो एक दिन पहले के मुकाबले लगभग दो डिग्री ज्यादा था।

सांसद चंद्रशेखर के करीबी की ड्रग फैक्ट्री पर छापा

रतलाम। रतलाम जिले के चिकलाना गांव में पुलिस ने एमडी ड्रग बनाने की अवैध फैक्ट्री का खुलासा किया है। कालूखेड़ा थाना क्षेत्र में गुरुवार रात करीब ढाई बजे की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने मौके से 10 किलो से अधिक तैयार एमडी ड्रग, करीब 3 करोड़ रुपए मूल्य का केमिकल, 12 बोर की बंदूक, 91 कारतूस, दो मोर और चंदन की लकड़ियां बरामद की हैं। पुलिस ने छापे के दौरान 16 लोगों को हिरासत में लिया। करीब 12 घंटे तक चली कार्रवाई के बाद शुक्रवार दोपहर 3 बजे घर के अंदर मौजूद लोगों को बाहर निकाला गया। महिलाओं को भी गिरफ्तार कर सीधे कालूखेड़ा थाने ले जाया गया। इस दौरान गांव में भारी पुलिस बल तैनात रहा। ग्रामीण आरोपियों का जुलूस निकालने की मांग करते रहे। जब आरोपियों को पुलिस वाहन में बैठाया जा रहा था, तब ग्रामीणों ने "जय जय श्री राम" के नारे भी लगाए। पुलिस के अनुसार, जिस मकान में फैक्ट्री चल रही थी, वह दिलावर खान पठान का है। दिलावर चिकलाना गांव का निवासी है और आजाद समाज पार्टी से जुड़ा रहा है। वह यूपी के नगीना से सांसद चंद्रशेखर का करीबी बताया जा रहा है। दिलावर 2023 में जावरा विधानसभा सीट से चुनाव भी लड़ चुका है और पार्टी का प्रदेश पदाधिकारी भी रहा है।

गोल्डन टेंपल के पवित्र सरोवर में कुल्ला किया

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल में एक युवक के पवित्र सरोवर में कुल्ला करते हुए रील बनाई गई है। वीडियो को 'मुस्लिम शेर' लिखकर सोशल मीडिया पर डाला गया है। जो युवक कुल्ला करता दिखाई दे रहा है, उसे मुस्लिम टोपी पहनी हुई है। ये वीडियो सामने आने के बाद इसका विरोध शुरू हो गया है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (SGPC) के मुख्य सचिव कुलवंत सिंह मनन ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि वीडियो की जांच होगी। अगर यह ओरिजिनल है तो फिर उस वक्त सेवादार कहां थे, इसकी जांच की जाएगी। बता दें कि SGPC की तरफ से पहले ही धार्मिक भावनाओं को देखते हुए गोल्डन टेंपल परिसर में रील बनाने को लेकर रोक लगाई गई है। इसके लिए वहां सेवादारों की ड्यूटी लगाई गई है कि वे किसी को वहां इस तरह का आपत्तिजनक वीडियो न बनाने दें। इस संबंध में 13 सेकेंड की रील वायरल हो रही है। इसमें दिख रहा है कि गोल्डन टेंपल के सरोवर में एक युवक पैर डालकर बैठा है और मुंह धो रखा है। इस दौरान वह 3 बार मुंह में पानी भरकर कुल्ला करता है और एक बार उस पानी को दोबारा सरोवर में ही थूक देता है। इसके बाद वह मुंह धोता है और फिर अंगुलियों से सामने गोल्डन टेंपल को भी दिखाता है। इस दौरान युवक ने काले रंग की जैकेट और जींस पहनी है और सिर पर काले रंग की मुस्लिम टोपी पहनी हुई है। SGPC के प्रधान हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि सचखंड श्री हरिमंदर साहिब के पावन सरोवर में युवक की तरफ से की गई हरकत मर्यादा के विपरीत है। उन्होंने इस हरकत की निंदा करते हुए कहा कि गोल्डन टेंपल सिख धर्म का सर्वोच्च और अत्यंत पवित्र धार्मिक स्थल है। इस तरह की घटनाओं से सिखों की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचती है। उन्होंने कहा कि श्री हरिमंदर साहिब सिर्फ सिखों ही नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए आस्था का प्रतीक है। यहां मर्यादा, परंपरा और नियमों का पूर्ण रूप से पालन करना चाहिए। इससे पहले गोल्डन टेंपल में गुजरात की एक युवती के योगा करने पर विवाद हो चुका है। 2 साल पहले इंटरनेशनल योग दिवस पर अर्चना मकवाना नाम की युवती ने गोल्डन टेंपल में योग कर उसकी फोटो शेयर कर दी थीं। इसमें वह ध्यान और शीर्ष आसन में नजर आ रही है। यह योगासन उसने गोल्डन टेंपल के परिक्रमा मार्ग में किए। इसके बाद उसने खुद ही यह फोटो पोस्ट करते हुए लिखा कि वह वाहेगुरू जी का शुक्रिया करती है कि उसे उनके स्थान से योगा की पावर को फैलाने में मदद मिली। SGPC के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने कहा था कि गोल्डन टेंपल में इस तरह के काम करना सिख मर्यादा के खिलाफ है। इस मामले में SGPC ने युवती के खिलाफ FIR भी दर्ज कराई थी।

अश्लील कमेंट्स से विवादों में घिरे यो यो हनी सिंह

लुधियाना। मशहूर सिंगर-रैपर यो यो हनी सिंह अब नए विवाद में घिर गए हैं। 2 दिन पहले दिल्ली कॉन्सर्ट में स्टेज से उन्होंने ठंड के बहाने खुलेआम अश्लील बातें करनी शुरू कर दीं। इस दौरान फैंस उनका वीडियो बनाते रहे और वह युवाओं को अश्लीलता के लिए उकसाते रहे। वीडियो वायरल होने के बाद पंजाबी सिंगर जसबीर जस्सी भड़क गए। उन्होंने वीडियो जारी कर कहा- यो यो हनी सिंह ने सभी हदें पार कर दी। मैं इसके बारे में कहना नहीं चाहता था लेकिन इसने सभी सीमाएं लांघ दी इसलिए कहना पड़ा। यह फिर से शुरू हो गया है और अब यह रुकने वाला नहीं है। जस्सी ने कहा कि मेरी हनी सिंह के माता पिता व बहन से अपील है कि आप लोगों के कहने से यह रुक सकता है नहीं तो यह आगे बढ़ता जाएगा और इससे एक गलत मैसेज चला जाएगा। हालांकि विवाद बढ़ने पर हनी सिंह ने माफी मांग ली। हनी सिंह इससे पहले भी गानों में अश्लील डांस और शब्दों को लेकर विवादों में रह चुके हैं। हालांकि 2014 से 2018 तक वो म्यूजिक इंडस्ट्री से गायब रहे। फिर उन्होंने इसकी वजह डिप्रेशन, एंग्जाइटी व मानसिक परेशानी बताई थी। कुछ दिन पहले ही हनी सिंह के एक पुराने गीत को लेकर जालंधर के भाजपा नेता ने DGP को शिकायत भी भेजी थी। जिसमें उन्होंने हनी सिंह के गाने में अश्लील डांस और बिकिनी गर्ल्स को लेकर कड़ा एतराज जताया था। पहले दी गाली, फिर अश्लील बातें करने लगेः 14 जनवरी की रात को कड़ाके की ठंड में यो-यो हनी सिंह का कॉन्सर्ट था। बड़ी गिनती में लोग वहां पहुंचे थे और हनी सिंह गा रहे थे। इसी बीच वो रुके और फिर दिल्ली की ठंड का जिक्र करने लगे।

गणतंत्र दिवस समारोह- बैठने वाली सीट के नाम नदियों पर

♦ **बीटिंग रिट्रीट की गैलरी भी वाद्ययंत्रों के नाम पर होगी, सीट से वीआईपी, वीवी आईपी का स्टिकर हटेगा**

एजेंसी, नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस समारोह में केंद्र सरकार सालों से चले आ रहे VIP कल्चर को खत्म करने जा रही है। परेड देखने के लिए आए मेहमानों की कुर्सियों पर अब VVIP, VIP और डिग्निटी नहीं लिखा होगा। इसकी जगह नदियों के नामों का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके अलावा बीटिंग रिट्रीट समारोह के लिए गैलरी का नाम संगीत वाद्ययंत्रों के नाम पर रखा है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। सरकार का मानना है कि इस बदलाव से आम आदमी और वीआईपी के बीच अंतर कम होगा। भारतीय संस्कृति, विरासत और समानता को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही हर नागरिक खुद को बराबर महसूस कर सकेगा।

यूरोपीय काउंसिल के अध्यक्ष 77वें गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथिः यूरोपियन काउंसिल के प्रेसिडेंट एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट, उर्सुला वॉन डेर लेयेन 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य मेहमान के तौर पर शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत और यूरोपीय संघ (EU) 2004 से रणनीतिक साझेदार हैं।

नीदरलैंड से मां को ढूंढने भारत आए मेयर कहा- कर्ण को कुंती से मिलने का अधिकार

एजेंसी, एम्स्टर्डम

♦ **41 साल पहले मां ने शेल्टर होम में छोड़ा था**

नागपुर में साल 1985 में एक अविवाहित मां ने अपने 3 दिन के बच्चे को एक शेल्टर होम में छोड़ दिया था। एक महीने बाद नीदरलैंड से भारत घूमने आए एक कपल ने उसे गोद ले लिया और अपने साथ ले गए। इस घटना को 41 साल बीत चुके हैं। वह बच्चा अब नीदरलैंड की राजधानी एम्स्टर्डम के पास एक शहर हीमस्टेड का मेयर बन गया है। हीमस्टेड के मेयर फाल्गुन बिन्नेन्डिज्क अब अपनी मां को ढूंढना चाहते हैं। वे आखिरी बार दिसंबर 2025 में भारत आए थे। ये जानकारी अब सामने आई है। फाल्गुन का कहना है- मैंने महाभारत पढ़ी है और मुझे लगता है कि हर कर्ण को कुंती से मिलने का अधिकार है। मैं अपनी मां से सिर्फ एक बार मिलना चाहता हूं और बताना चाहता हूं कि मुझे बड़े प्यार से बड़ा किया गया है।

शेल्टर होम की नर्स ने 'फाल्गुन' नाम रखाः फाल्गुन का जन्म 10 फरवरी, 1985 में हुआ। उनकी मां उन्हें नागपुर के 'मातृ सेवा संघ' नाम के एक शेल्टर होम में छोड़ गई थीं, जहां वे करीब एक महीने तक रहे। शेल्टर होम की नर्स ने उन्हें फाल्गुन नाम दिया। हिंदू कैलेंडर के मुताबिक, फाल्गुन महीने में ही बच्चे का जन्म हुआ था। फाल्गुन 2025 में तीन बार भारत आए। उन्हें एक अधिकारी की मदद से शेल्टर होम की उस नर्स का पता चला, जो फाल्गुन के जन्म के समय वहां काम करती थीं। वे अब रिटायर हो चुकी हैं। फाल्गुन अगस्त 2025 में नागपुर आए थे। नागपुर कलेक्टर विपिन इटांकर की मदद से वे उस नर्स के घर भी गए, जहां उन्हें पता चला कि उनका नाम नर्स ने ही रखा था। नर्स से मिलकर फाल्गुन ने कहा, 'मैं उनसे मिलकर बहुत खुश हुआ। उस महिला से मिलना एक कभी न भूलने वाला अनुभव था, जिसने मुझे मेरी पहचान दी।'

समाज के डर से फाल्गुन को अविवाहित मां ने छोड़ा थाः नागपुर नगर पालिका आयुक्त अभिजीत चौधरी ने फाल्गुन के जन्म से जुड़े दस्तावेज ढूंढने में मदद की। दस्तावेजों में ये जानकारी सामने आई कि फाल्गुन की मां एक 21 साल की अविवाहिता थीं, जो समाज के डर से उनका पालन-पोषण नहीं कर सकती थीं। इसलिए उन्हें शेल्टर होम में छोड़ गईं। दस्तावेजों में फाल्गुन और उनकी मां का नाम दर्ज है। हालांकि फाल्गुन ने उनकी मां का नाम सार्वजनिक नहीं किया है। मातृ सेवा संघ अनाथ बच्चों और पीड़ित महिलाओं के लिए बनाया गया एक शेल्टर होम है। शेल्टर होम के अधिकारियों के मुताबिक यहां अक्सर अविवाहित माताएं अपने नवजात बच्चों को छोड़ जाती हैं। फाल्गुन नीदरलैंड में डच दंपत्ति के घर पले-बढ़े। उन्होंने छोटी उम्र में ही ये बात जान ली थी कि उनकी जड़ें भारत में है। बचपन में उन्हें भारत के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी, लेकिन जैसे-जैसे वे बड़े हुए, उनके मन में अपनी मां से मिलने की इच्छा जागने लगी। फाल्गुन 2006 में पहली बार भारत आए। उन्होंने दक्षिण भारत की यात्रा की और वहां तरह-तरह के पकवान भी खाए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें पहली बार भारत आकर ही भारतीय संस्कृति से जुड़ाव महसूस होने लगा। फाल्गुन को लगा कि वे भारत की जगहों और लोगों को काफी समय से जानते हैं।

बीजेपी को 20 जनवरी को नया अध्यक्ष मिलेगा, चुनाव नोटिफिकेशन जारी

एजेंसी, नई दिल्ली

कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन का चुना जाना लगभग तय

भाजपा को 20 जनवरी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा। पार्टी ने इसके लिए शुक्रवार को नोटिफिकेशन जारी किया। इसके मुताबिक 19 जनवरी को नामांकन भरा जाएगा। 20 जनवरी को नए पार्टी अध्यक्ष का ऐलान होगा। अभी नितिन नबीन पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हैं। पार्टी उन्हें ही निर्विरोध अध्यक्ष चुन सकती है। न्यूज एजेंसी ANI ने 13 जनवरी को सूत्रों के हवाले से खबर दी थी कि नितिन नबीन 19 जनवरी को नामांकन भरेंगे। नितिन नबीन को 14 दिसंबर 2025 को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष घोषित किया गया था। भाजपा ने साल 2020 में जेपी नड्डा को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया था। 2024 में उनका कार्यकाल खत्म हुआ था। तब से वे एक्सटेंशन पर थे। नड्डा अभी केंद्र में स्वास्थ्य मंत्रालय संभाल रहे हैं।

BJP के राष्ट्रीय रिटर्निंग ऑफिसर ने शेड्यूल जारी कियाः बीजेपी के राष्ट्रीय रिटर्निंग ऑफिसर के लक्ष्मण ने चुनाव का शेड्यूल जारी किया। इसके मुताबिक, पार्टी प्रमुख के चुनाव के लिए नॉमिनेशन 19 जनवरी को दोपहर 2 बजे से 4 बजे के बीच भरे जाएंगे और उम्मीदवार उसी दिन शाम 5 बजे से 6 बजे के बीच अपना नॉमिनेशन वापस ले सकते हैं। लक्ष्मण ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो 20 जनवरी को वोटिंग होगी और उसी दिन नए चुने गए राष्ट्रीय अध्यक्ष की आधिकारिक घोषणा की जाएगी। पूरी चुनाव प्रक्रिया दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में ही होगी।

अगर नितिन ही राष्ट्रीय अध्यक्ष बने, तो सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगेः फिलहान नितिन नबीन को पार्टी ने राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया है। उनकी उम्र 45 साल है। भविष्य में नितिन को ही राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाता है तो वे राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने वाले सबसे युवा नेता होंगे। नितिन के कार्यकारी अध्यक्ष बनने के साथ ही भाजपा में 80% युवाओं को आगे लाने का रास्ता साफ हो गया है।

इंदौर में राहुल गांधी की मीटिंग को नहीं मिली मंजूरी

♦ **अब सिर्फ बॉम्बे हॉस्पिटल और भागीरथपुरा जाएंगे, दूषित पानी से अब तक 24 मौतें**

एजेंसी, भोपाल

इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी के कारण अब तक 24 लोगों की मौत के बाद हालात का जायजा लेने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शनिवार 17 जनवरी को इंदौर आ रहे हैं। हालांकि, इस दौरान इंदौर में कांग्रेस नेताओं और नगरीय जनप्रतिनिधियों के साथ प्रस्तावित बैठक को प्रशासन से अनुमति नहीं मिल पाई है। कांग्रेस ने प्रदेशभर के पार्षदों, महापौरों, नगर पालिका और नगर परिषद अध्यक्षों व उपाध्यक्षों के साथ राहुल गांधी की बैठक के लिए अभय प्रशाल और आनंद मोहन माथुर सभागार में कार्यक्रम प्रस्तावित किया था। इसके लिए करीब एक हजार लोगों की मौजूदगी की अनुमति मांगी गई थी, लेकिन जिला प्रशासन ने बैठक को मंजूरी नहीं दी। कांग्रेस के संगठन प्रभारी डॉ. संजय कामले ने बताया कि प्रशासन से अनुमति नहीं मिलने के कारण बैठक को रद्द करना पड़ा है।

हरकी पैड़ी पर 'अहिन्दू प्रवेश निषेध क्षेत्र' के पोस्टर

एजेंसी, हरिद्वार

हिंदू संगठन बोला- गैर हिंदू सरकारी अधिकारियों, पत्रकारों की एंट्री बैन हो, 1916 के एक्ट का हवाला

हरिद्वार में 2027 में अर्धकुंभ होने वाला है, लेकिन इससे पहले ही इस क्षेत्र में गैर हिंदुओं के एंट्री बैन करने की मांग तेज हो गई है। इसी बीच आज हरिद्वार की हरकी पैड़ी क्षेत्र में 'अहिन्दू का प्रवेश निषेध क्षेत्र, आज्ञा से म्यूनिसिपल एक्ट हरिद्वार' लिखे करीब 12 पोस्टर लगाए गए हैं। गंगा सभा की तरफ से ये पोस्टर घाट किनारे अलग-अलग जगहों पर लगाए गए हैं, जिसके बाद गैर-हिंदुओं की एंट्री को लेकर विवाद फिर से तेज हो गया है। घाटों की व्यवस्थाएं देखने वाली संस्था गंगा सभा ने इस मुद्दे पर खुलकर अपना रुख सामने रखा है। संस्था का कहना है कि हरकी पैड़ी और ब्रह्म कुंड क्षेत्र सनातन आस्था का प्रमुख केंद्र है, इसलिए यहां पवित्रता और व्यवस्थाओं को बनाए रखना जरूरी है। इस मामले पर दैनिक भास्कर एप ने गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम से बात की। उन्होंने कहा कि यह कोई नई पहल नहीं है, बल्कि 1916 के म्यूनिसिपल एक्ट/बायलॉज की जानकारी सार्वजनिक की गई है, ताकि किस क्षेत्र में क्या नियम लागू हैं, इसे लेकर किसी तरह का भ्रम ना रहे। कानून की जानकारी सार्वजनिक करना जरूरी- गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम ने कहा कि किस क्षेत्र में क्या कानून लागू हैं, यह जानकारी सभी को होनी चाहिए। इसी उद्देश्य से हरकी पैड़ी क्षेत्र में पोस्टर लगाए गए हैं।

ममता बनर्जी ने सिलीगुड़ी में महाकाल मंदिर का शिलान्यास किया

एजेंसी, कोलकाता

साधु संत भी कार्यक्रम में हुए शामिल, पिछले महीने दुर्गा मंदिर की नींव रखी थी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को सिलीगुड़ी में महाकाल मंदिर का शिलान्यास किया। करीब 18 एकड़ जमीन पर तैयार हो रहा यह मंदिर उज्जैन के श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के नाम से ही जाना जाएगा। कार्यक्रम में साधु-संत भी शामिल हुए। बीते 30 दिसंबर को कोलकाता के न्यू टाउन में ममता बनर्जी ने दुर्गा आंगन नाम के एक बड़े दुर्गा मंदिर की नींव रखी थी। इस दौरान उन्होंने भाषण में इस मंदिर का जिक्र करते हुए कहा था कि मंदिर के निर्माण के लिए जरूरी धनराशि जुटा ली गई है। मंदिर के निर्माण से सिलीगुड़ी में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, इस कार्यक्रम को लेकर उत्तर बंगाल की राजनीति गरमा गई है। गुरुवार को दार्जिलिंग के सांसद और भाजपा के केंद्रीय प्रवक्ता राजू बिष्ट ने सिलीगुड़ी में पत्रकार वार्ता कर कहा कि मंदिर का निर्माण ट्रस्टी बोर्ड के माध्यम से होने की बात कही जा रही है, लेकिन पूरा आयोजन सरकारी बैनर तले हो रहा है।

कोलकाता के न्यू टाउन में 'दुर्गा आंगन' की नींव रखीः बीते 30 दिसंबर को कोलकाता के न्यू टाउन में ममता बनर्जी ने दुर्गा आंगन नाम के एक बड़े दुर्गा मंदिर और सांस्कृतिक परिसर की नींव रखी थी। यह देश का सबसे बड़ा दुर्गा मंदिर परिसर होगा। जो 15 एकड़ में बनकर तैयार होगा। इस मंदिर में रोजाना 1 लाख श्रद्धालु दर्शन कर पाएंगे।

सुंदर न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से भी बाहर हुए

टी20 विश्व कप 2026 में खेलना भी संदिग्ध

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली पांच टी20 मैचों की सीरीज से पहले ही करारा झटका लगा है। टीम के स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर एकदिवसीय के बाद अब टी20 सीरीज से भी बाहर हो गये है। सुंदर को पहले एकदिवसीय में चोट लग गयी थी। इस कारण वह दूसरे और तीसरे एकदिवसीय से भी बाहर हो गये थे। वहीं अब वह टी20 सीरीज में भी नहीं खेलेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार वह अभी तक पसली की चोट से नहीं उबर पाये हैं। वडोदरा में एकदिवसीय सीरीज के पहले मैच के दौरान ही उन्हें ये चोट लगी थी। अभी ये तय नहीं है कि सुंदर टी20 विश्व कप 2026 में खेल पायेंगे या नहीं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज 21 जनवरी से नागपुर में शुरु हो रही है। वहीं विश्वकप अगले माह 7 फरवरी से खेला जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार सुंदर का अभी ठीक होने में समय लगेगा। अभी ये पता नहीं चला है कि वह टी20 विश्व कप से पहले पूरी तरह से ठीक हो पाएंगे या नहीं। वह शनिवार को रिहैब के लिए बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में पहुंचेंगे। उसी के बाद पता चलेगा कि उन्हें ठीक होने में कितना समय लगेगा। सुंदर की जगह आयुष बडोनी को एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया था। बडोनी बल्लेबाजी के साथ ही स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं। अब देखना है कि उन्हें टी20 सीरीज में भी जगह मिलती है या नहीं सुंदर के चोटिल होने के साथ ही विश्वकप से पहले टीम को दूसरा झटका लगा है। इससे पहले तिलक वर्मा भी चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो गए थे। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टी20 मैच 21 जनवरी को नागपुर में खेला जाएगा। इसके बाद 23 जनवरी को रायपुर में दूसरा टी20 मैच आयोजित होगा। तीसरा मैच 25 जनवरी को गुवाहाटी जबकि 28 जनवरी को चौथा मैच विशाखापत्तनम में खेला जाएगा। सीरीज का अंतिम मैच 31 जनवरी को तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा।

यूपी वॉरियर्ज़ की पहली जीत के बाद बोलीं हरलीन देओल- "मैंने सिर्फ टीम के लिए योगदान देने पर ध्यान दिया"

एजेंसी, मुंबई

यूपी वॉरियर्ज़ ने गुरुवार रात महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज करते हुए मुंबई इंडियंस को 11 गेंद शेष रहते हराया। इस मुकाबले में पहले गेंदबाज़ों के अनुशासित प्रदर्शन ने जीत की नींव रखी, जिन्होंने मुंबई इंडियंस को 20 ओवर में 5 विकेट पर 161 रन तक सीमित कर दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए यूपी वॉरियर्ज़ की जीत की सबसे बड़ी नायिका हरलीन देओल रहीं। उन्होंने 39 गेंदों में 64 रनों की संयमित और प्रभावशाली पारी खेली। हरलीन ने बेहतरीन टाइमिंग और संतुलन के साथ खासकर ऑफ साइड में आकर्षक शॉट लगाए और टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। मैच के बाद हरलीन देओल ने कहा, "पहली जीत मिलना बहुत अच्छा लग रहा है और मैं टीम के लिए खुश हूं। पिछले मैच में भी मुझे लगा था कि मैं अच्छी बल्लेबाज़ी कर रही हूं, इसलिए तैयारी में ज्यादा कुछ बदलने की जरूरत नहीं थी। कभी-कभी उसी दिन सब कुछ सही हो जाता है और कुछ गेंदें बाउंड्री के लिए चली जाती हैं। पहली पारी में विकेट थोड़ा मुश्किल था, लेकिन बाद में बल्लेबाज़ी आसान हो गई। मैंने बस यही सोचा कि टीम के लिए सबसे बेहतर तरीके से योगदान दूं।" हरलीन देओल की बल्लेबाज़ी और विकास पर बात करते हुए मुख्य कोच अभिषेक नायर ने कहा, "हरलीन के लिए हमेशा टीम पहले और खुद बाद में रहा है, और यही सोच इस टीम में भी झलकती है। मैं हमेशा उसे एक टच प्लेयर के साथ-साथ पावर हिटर के रूप में भी देखने के लिए प्रेरित करता हूं, क्योंकि हमारा उद्देश्य भारतीय खिलाड़ियों को अगले स्तर तक ले जाना है। वह इस सीजन में हरमनप्रीत कौर के बाद अर्धशतक लगाने वाली दूसरी भारतीय बल्लेबाज़ बनी हैं, और यही हम देखना चाहते थे।" ड्रेसिंग रूम के माहौल पर अभिषेक नायर ने कहा, "हमारी टीम की संस्कृति जीत या हार से नहीं बदलती। कुछ मुकाबलों में हमें मुश्किलों का सामना करना पड़ा है, लेकिन क्रांति गौड़ और फोएबे लिचफील्ड जैसी खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में ऊर्जा बनाए रखती हैं। नतीजों से इतर सकारात्मक माहौल बहुत जरूरी होता है।" नेतृत्व की अहमियत पर जोर देते हुए मुख्य कोच ने आगे कहा, "टी20 क्रिकेट में मजबूत नेतृत्व बेहद जरूरी होता है और मेग लैनिंग इस मामले में शानदार रही हैं। वह हर पहलू में सक्रिय रहती हैं, टीम की ताकत और कमजोरियों को बारीकी से समझती हैं। जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा, उनके नेतृत्व का असर और साफ दिखाई देगा। वह इस टीम की असली बॉस हैं।"

आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में रुट पहले नंबर पर बरकरार

» **शीर्ष पांच में एक भी भारतीय नहीं**

एजेंसी, लंदन

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रुट नंबर एक पर बने हुए है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हैड एशेज सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के कारण एक स्थान के लाभ के साथ ही तीसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। शीर्ष पांच में एक भी भारतीय खिलाड़ी को जगह नहीं मिली है। रूट 880 की रेटिंग के साथ ही विश्व के नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज बने हुए हैं। एशेज सीरीज में दो शतक लगाने से नंबर एक स्थान पर रूट की जगह और पक्की हो गयी है। वहीं इंग्लैंड के ही हैरी ब्रूक 857 रेटिंग अंक लेकर दूसरे नंबर पर बने हुए काबिज हैं। वहीं हेड ने पिछले टेस्ट मैच में लगाए गए शतक से एक स्थान के लाभ के साथ ही 853 रेटिंग अंक के साथ ही तीसरा स्थान हासिल किया है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भी एक स्थान के लाभ के साथ ही 831 रेटिंग अंक लेकर चौथे स्थान पर आ गये हैं।

दूसरी ओर न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन दो स्थानों के लाभ के साथ ही अब 822 रेटिंग के साथ ही पांचवें स्थान पर फिसल गए हैं।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंगः टॉप-5 बल्लेबाज

1 जो रूट (इंग्लैंड) 880 रेटिंग अंक

2 हैरी ब्रूक (इंग्लैंड) 857 रेटिंग अंक

3 ट्रेविस हेड (ऑस्ट्रेलिया) 853 रेटिंग अंक

4 स्टीव स्मिथ (ऑस्ट्रेलिया) 831 रेटिंग अंक

5. केन विलियमसन (न्यूजीलैंड) 822 रेटिंग अंक

नेपाल ने टी-20 विश्व कप के लिए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर इयान हार्वी को बनाया गेंदबाजी सलाहकार

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल क्रिकेट संघ ने 2026 के टी-20 विश्व कप की तैयारियों के लिए ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज इयान हार्वी को पुरुष टीम का गेंदबाजी सलाहकार नियुक्त किया है। यह टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका की मेजबानी में खेला जाएगा। अपनी गेंदबाजी में विविधता और गति में बदलाव के लिए मशहूर 53 वर्षीय इयान हार्वी नेपाल की कोचिंग टीम में शामिल होंगे। वह वर्तमान मुख्य कोच स्टुअर्ट लॉ के नेतृत्व में काम करेंगे। इयान हार्वी का अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट में लंबा अनुभव रहा है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 73 एकदिवसीय मैच खेले, जिसमें 85 विकेट लिए और 715 रन बनाए। वह 2003 में दक्षिण अफ्रीका में खेले गए आईसीसी वनडे विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का भी हिस्सा रहे थे। खेल से संन्यास लेने के बाद हार्वी ने कोचिंग में भी अपनी पहचान बनाई और इंग्लिश काउंटी क्लब ग्लूस्टरशायर के कोच के रूप में सेवाएं दीं। नेपाल की टीम 2026 टी-20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत 8 फरवरी को इंग्लैंड के खिलाफ करेगी। यह मुकाबला मुंबई के ऐतिहासिक वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा।

वीमेंस हंड्रेडः स्मृति मंधाना मैनचेस्टर सुपर जायंट्स से जुड़ीं, आगामी सीजन में आएंगी नजर

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार ओपनर बल्लेबाज स्मृति मंधाना को आगामी वीमेंस हंड्रेड टूर्नामेंट के लिए मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने साइन कर लिया है। फ्रेंचाइजी ने गुरुवार को इस बड़े करार की आधिकारिक घोषणा की। मंधाना के टीम से जुड़ने से मैनचेस्टर सुपर जायंट्स की बल्लेबाजी को मजबूती मिलने की उम्मीद है। स्मृति मंधाना इससे पहले 2021 से 2024 तक हंड्रेड लीग के चार सीजन खेल चुकी हैं। इस दौरान उन्होंने साउदर्न ब्रेव की ओर से 29 पारियों में 676 रन बनाए। अपनी आक्रामक लेकिन आकर्षक बल्लेबाजी के लिए पहचानी जाने वाली मंधाना लीग की सबसे सफल विदेशी खिलाड़ियों में शामिल रही हैं। अब तक वीमेंस हंड्रेड में कुल छह भारतीय खिलाड़ी हिस्सा ले चुकी हैं। इस सूची में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर, अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा, विस्फोटक ओपनर शेफाली वर्मा, आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष और मध्यक्रम की भरोसेमंद बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स शामिल हैं। स्मृति मंधाना भी इस प्रतिष्ठित सूची का अहम हिस्सा रही हैं। मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने स्मृति मंधाना के अलावा ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग को भी अपनी टीम में शामिल किया है। मेग लैनिंग इससे पहले लंदन स्पिरिट और ओवल इनविंसिबल्स का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। हंड्रेड टूर्नामेंट में खेले गए 18 मुकाबलों में लैनिंग ने 132.08 की स्ट्राइक रेट से 457 रन बनाए हैं। इन दोनों दिग्गज बल्लेबाजों के टीम में शामिल होने से मैनचेस्टर सुपर जायंट्स को आगामी वीमेंस हंड्रेड सीजन में खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

संक्षिप्त

शुभमन के बचाव में उतरे गुजरात टाइटंस के सीओओ

कोलकाता। गुजरात टाइटंस के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) कर्नल अरविंदर सिंह ने टीम के कप्तान शुभमन गिल का बचाव करते हुए कहा कि टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह नहीं मिलना एक छोटा सा झटका है और उन्होंने इसे स्वीकार किया है। वह अपने प्रदर्शन से इसका जवाब देंगे। साथ ही कहा कि इस प्रकार के अवसर हर एक खिलाड़ी के जीवन में आते हैं। शुभमन इससे सबक लेते हुए एक बेहतर खिलाड़ी बनेंगे। गौरतलब है कि टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन को पहले टी20 प्रारुप में भी उपकप्तान बनाया गया था पर विश्वकप के ठीक पहले उन्हें बाहर कर दिया गया था। सिंह ने कहा कि शुभमन अब अपने प्रदर्शन से टी20 टीम में वापसी करेंगे। सिंह ने कहा, 'ये छोटे झटके हैं जो किसी भी खिलाड़ी के जीवन में आते हैं। उन्होंने अपना रुख पहले ही स्पष्ट कर दिया है। वह चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करते हैं। और उन्हें जानने के बाद मैं इतना ही कह सकता हूं कि वह और भी बेहतर होकर वापसी करेंगे। गौरतब है कि शुभमन का प्रदर्शन टी20 प्रारुप में अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने पिछले 15 मैच में केवल 291 रन ही बनाये है। इसी कारण चयनकर्ताओं ने शीर्ष क्रम में उनकी जगह पर संजू सैमसन को अवसर दिया है। सिंह ने कहा कि शुभमन की क्षमताओं पर किसी को कोई संदेह नहीं है। वह मानसिक रूप से बहुत मजबूत खिलाड़ी हैं। इसके साथ ही उन्होंने बल्लेबाज साई सुदर्शन की पसली की चोट को लेकर चिंताओं को भी खारिज किया और कहा कि सुदर्शन आईपीएल से पहले पूरी तरह फिट हो जाएंगे।

भारतीय फुटबॉलर मनीषा कल्याण पेरू की चैंपियन क्लब अलियांजा लीमा फेमेनिनो से जुड़ीं

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय महिला फुटबॉल टीम की मिडफील्डर मनीषा कल्याण ने अपने करियर में एक और बड़ा कदम बढ़ाते हुए पेरू की चार बार की चैंपियन क्लब अलियांजा लीमा फेमेनिनो के साथ करार किया है। क्लब ने गुरुवार को आधिकारिक बयान जारी कर 24 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी के साइन होने की पुष्टि की। अलियांजा लीमा फेमेनिनो ने अपने बयान में कहा, "अलियांजा लीमा की महिला टीम भारतीय मिडफील्डर मनीषा कल्याण के साथ करार की घोषणा करती है। वह टीम के आक्रमण को मजबूती देंगी। मनीषा ग्रीस की क्लब पीएओके एफसी से यहां आई हैं, जहां उन्होंने यूरोपीय फुटबॉल के सर्वोच्च स्तर पर प्रतिस्पर्धा की है।" अलियांजा लीमा फेमेनिनो मनीषा कल्याण के करियर की तीसरी विदेशी क्लब होगी। भारत में सेतु एफसी और गोकुलम केरल एफसी के लिए खेलने के बाद मनीषा ने वर्ष 2022 में साइप्रस की क्लब अपोलोन लेडीज एफसी का रुख किया था। वह यूईएफए विमेंस चैंपियंस लीग में खेलने वाली पहली भारतीय महिला फुटबॉलर बनी थीं। अपोलोन लेडीज के लिए उन्होंने 36 मैचों में 14 गोल किए। इसके बाद 2024 में मनीषा ग्रीस की क्लब पीएओके एफसी से जुड़ीं, जहां उन्होंने 23 मुकाबलों में हिस्सा लिया और आठ गोल दागे। यूरोपीय क्लब फुटबॉल में उनके निरंतर प्रभावशाली प्रदर्शन ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। अलियांजा लीमा फेमेनिनो से जुड़ने के बाद मनीषा कल्याण ने कहा, "मैं यहां आकर बेहद खुश हूं। मैंने इस टीम को फॉलो किया है और मुझे उनका खेलने का अंदाज बहुत पसंद है। इस नई चुनौती को लेकर मैं काफी उत्साहित हूं। मेरा फोकस हमेशा 100 प्रतिशत देने, हर मैच जीतने और टीम को उसके लक्ष्य हासिल करने में मदद करने पर रहेगा।" मनीषा के इस करार को भारतीय महिला फुटबॉल के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, जो देश की खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर नए अवसर खोलता है।

प्रो रेसलिंग लीग 2026ः ओपनिंग डे पर पंजाब रॉयल्स की जीत, यूपी डोमिनेटर्स को 5-4 से हराया

एजेंसी, नोएडा

प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) 2026 के पांचवें सीजन की शानदार शुरुआत गुरुवार रात नोएडा इंडोर स्टेडियम में हुई। उद्घाटन मुकाबले में पंजाब रॉयल्स ने रोमांचक संघर्ष में यूपी डोमिनेटर्स को 5-4 से हराकर दो अहम अंक अपने नाम किए। यह प्रतिष्ठित लीग 15 जनवरी से 1 फरवरी 2026 तक खेली जाएगी। पहले दिन कुल नौ मुकाबले खेले गए, जिसमें पंजाब रॉयल्स ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए मुकाबले पर नियंत्रण बनाए रखा। पंजाब के चंदरमोहन को शानदार शुरुआत दिलाने के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया, जबकि यूपी डोमिनेटर्स की निशा दहिया को पंजाब की कप्तान एना गोडिनेज पर 22-4 की तकनीकी श्रेष्ठता से जीत दर्ज करने के लिए 'फाइटर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला।

चंदरमोहन और प्रिया मलिक ने दिलाई बढ़त- 74 किग्रा पुरुष वर्ग में चंदरमोहन ने आर्मेनिया के अर्मान आंद्रेयास्यान को 12-5 से हराकर पंजाब को मजबूत शुरुआत दिलाई। 57 किग्रा महिला वर्ग में पोलैंड की रॉक्साना ज़ासीना ने अमेरिका की ब्रिजेट मैरी ड्यूटी को 13-6 से पराजित किया। इसके बाद 57 किग्रा पुरुष वर्ग में चिराग छिकारा और 76 किग्रा महिला वर्ग में प्रिया मलिक ने भी जीत दर्ज कर पंजाब की स्थिति मजबूत कर दी।

यूपी डोमिनेटर्स की दमदार वापसी- यूपी डोमिनेटर्स की ओर से मिखाइलोव वासिल (86 किग्रा पुरुष), निशा दहिया (62 किग्रा महिला) और विशाल काली रमन (65 किग्रा पुरुष) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को मुकाबले में बनाए रखा। निशा दहिया ने टूर्नामेंट के सबसे प्रभावशाली मुकाबलों में से एक में एना गोडिनेज को तकनीकी श्रेष्ठता से मात दी।

हेवीवेट में पंजाब की निर्णायक जीत- 125 किग्रा वर्ग में दिनेश धनखड़ ने यूपी के जसपूरन सिंह को 3-0 से हराकर पंजाब रॉयल्स की कुल बढ़त पक्की कर दी और टीम को मुकाबले में निर्णायक बढ़त दिलाई। अंतिम मुकाबले में 53 किग्रा महिला वर्ग में यूपी की अंतिम पंघाल को पंजाब की हंसिका लांबा के वॉकओवर के कारण जीत मिली, जिससे स्कोर 5-4 रहा।

आगे के मुकाबले- प्रो रेसलिंग लीग 2026 के दूसरे दिन डबल हेडर खेला जाएगा। पहला मुकाबला महाराष्ट्र केसरी और दिल्ली दंगल वॉरियर्स के बीच शुक्रवार शाम 6:00 बजे शुरू होगा, जबकि रात के दूसरे मुकाबले में पंजाब रॉयल्स का सामना हरियाणा थंडर्स से होगा।

पंजाब रॉयल्स की इस जीत के साथ ही पीडब्ल्यूएल 2026 का आगाज बेहद रोमांचक अंदाज में हुआ है।

कोपा डेल रेः रेसिंग सैंटेंडर को 2-0 से हराकर बार्सिलोना क्वार्टरफाइनल में पहुंचा

एजेंसी, कैंटाब्रिया

बार्सिलोना ने कोपा डेल रे में शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को दूसरे डिवीजन की शीर्ष टीम रेसिंग सैंटेंडर को 2-0 से मात दी और क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। मुकाबले में दूसरे हाफ में फेरान टोरेस और युवा स्टार लामिन यामल के गोल ने बार्सिलोना को कड़ी चुनौती के बाद जीत दिलाई। एल सार्दिनेरो स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में दोनों टीमों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली। मैच का पहला गोल 66वें मिनट में आया, जब फेरान टोरेस ने ऑफसाइड ट्रैप को चकमा देते हुए बेहतरीन टाइमिंग के साथ थ्रू बॉल पर दौड़ लगाई, गोलकीपर जोकिन एज़्किएटा को छकाकर गेंद खाली नेट में डाल दी। स्टॉपेज टाइम में रेसिंग सैंटेंडर के मानेक्स लोज़ानो ने बेहद आसान मौका गंवा दिया। इसके तुरंत बाद बार्सिलोना ने तेज काउंटर अटैक से मुकाबला पूरी तरह अपने नाम कर लिया। राफिन्हा के लो क्रॉस पर लामिन यामल ने शानदार फिनिश करते हुए दूसरा गोल दागा और टीम की जीत पक्की कर दी। इस जीत के साथ बार्सिलोना क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाली टीमों की सूची में शामिल हो गया है, जिसमें एथलेटिक बिलबाओ, अलावेस, अल्बासेटे, एटलेटिको मैड्रिड, रियल बेटिस, रियल सोसिडाड और वेलेंसिया पहले से मौजूद हैं। स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन क्वार्टरफाइनल ड्रॉ सोमवार को करेगा, जबकि मुकाबले 3 से 5 फरवरी के बीच खेले जाएंगे। रियल मैड्रिड के लोअर लीग की टीम अल्बासेटे से हारने के बाद बार्सिलोना के कोच हांसी फ्लिक ने किसी भी तरह की चूक से बचने के लिए लगभग पूरी ताकत वाली टीम मैदान में उतारी। शुरुआती दौर में बार्सिलोना ने गेंद पर ज्यादा नियंत्रण रखा, लेकिन रेसिंग सैंटेंडर ने कड़ा मुकाबला दिया। पहले हाफ में दानी ओल्मो ने एक आसान मौका गंवाया, जबकि बार्सिलोना के गोलकीपर जोआन गार्सिया ने कैमार सुलेमान के शॉट पर शानदार प्रतिक्रिया देते हुए टीम को गोल खाने से बचाया। फेरान टोरेस के गोल के बाद भी मुकाबला रोमांचक बना रहा, जब एज़्किएटा ने 80वें मिनट में फर्मिन लोपेज और सब्स्टीट्यूट रॉबर्ट लेवांडोव्स्की के शॉट्स पर लगातार दो शानदार बचाव किए। मैच के अंतिम क्षणों में रेसिंग सैंटेंडर ने दो बार गोल करने का दावा किया, लेकिन दोनों ही मौकों पर ऑफसाइड के कारण गोल रद्द कर दिए गए। इसके बाद लोज़ानो के चूके हुए मौके का बार्सिलोना ने पूरा फायदा उठाया और यामल के गोल के साथ अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की कर ली।

अगले माह पांच फरवरी तक दक्षिण अफ्रीका में अभ्यास करेंगे नीरज

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अभ्यास के लिए दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम गये हैं। खेल मंत्रालय ने मिशन ओलंपिक सेल के नए कोच जय चौधरी के साथ उनके 32 दिवसीय इस शिविर को मंजूरी दी है। नीरज ने पिछले सप्ताह ही चेक गणराज्य के जान जेलेजनी के साथ अपना कोचिंग करार तोड़ दिया था। इसके बाद वह कोच के तौर पर जय के साथ जुड़ गये थे। एक रिपोर्ट के अनुसार नीरज पांच फरवरी तक पोटचेफस्ट्रूम में ही रहेंगे। गौरतलब है कि टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) में शामिल एलीट खिलाड़ियों के लिए ये योजना शुरु की गयी है ताकि वह बेहतर तरीके से तैयारी कर सकें। अभ्यास शिविर के लिए नीरज के साथ फिजियोथेरेपिस्ट इशान मारवाहा भी गये हैं। इस अभ्यास सत्र का लक्ष्य इस साल होने वाली प्रमुख प्रतियोगिताओं एशियाई खेलों के साथ ही राष्ट्रमंडल खेलों के लिए खिलाड़ियों की तैयारियों को बेहतर बनाना है। नीरज पिछले साल मांसपेशी में खिंचाव के कारण दोहा डाइमंड लीग में 90 मीटर से अधिक भाला नहीं फेंक पाये थे। अब नीरज मई में दोहा डाइमंड लीग में अपने 2026 सत्र की शुरुआत करेंगे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

मौनी अमावस्या पर क्या करें और क्या नहीं?

मौनी अमावस्या का ज्योतिष शास्त्र में बहुत महत्व है। इस दिन किसी पवित्र नदी में स्नान के बाद दान करना शुभ माना जाता है। मौनी अमावस्या पर पवित्र नदियों में स्नान के बाद दान करने पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। माघ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को माघी अमावस्या या मौनी अमावस्या कहा जाता है। इस साल मौनी अमावस्या 18 जनवरी को है। मौनी अमावस्या का ज्योतिष शास्त्र में बहुत महत्व है। इस दिन किसी पवित्र नदी में स्नान के बाद दान करना शुभ माना जाता है। मौनी अमावस्या पर पवित्र नदियों में स्नान के बाद दान करने पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। इस दिन मौन व्रत रखने का विधान है। हालांकि गृहस्थ लोगों के लिए दिन भर मौन रह पाना थोड़ा मुश्किल है। ऐसे में गृहस्थ लोग पूजा-पाठ करने के बाद अपना मौन व्रत खोल सकते हैं। इसके अलावा शास्त्रों में मौनी अमावस्या के दिए कुछ ऐसे कार्य बताए गए हैं, जिन्हें करने से आपको बचना चाहिए। आइए जानते हैं मौनी अमावस्या के दिन क्या करें और क्या नहीं...

मौनी अमावस्या के दिन क्या करें?

- इस दिन सुबह जल्दी उठकर गंगा स्नान करें। यदि आप गंगा स्नान नहीं कर सकते हैं, तो पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें।
- स्नान के बाद सूर्य देवता को अर्घ्य जरूर दें। ध्यान रहे स्नान करने से पहले तक कुछ बोलें नहीं।
- मौनी अमावस्या के दिन ज्यादा से ज्यादा ध्यान, प्रार्थना व अन्य धार्मिक क्रिया करें।
- इस दिन दान जरूर करें। जरूरतमंद लोगों की मदद करें। निस्वार्थ कार्य करना इस दिन शुभ फलदायी होता है।
- मौनी अमावस्या के दिन पवित्र नदियों में डुबकी लगाएं ताकि शरीर और आत्मा दोनों शुद्ध हो जाएं।
- मौनी अमावस्या के दिन उपवास करें, ऐसा करना शुभ फल देता है।

मौनी अमावस्या के दिन क्या ना करें?

- मौनी अमावस्या के दिन मांस-मदिरा और तामसिक भोजन का सेवन नहीं करना चाहिए। इस दिन केवल सादा भोजन ही करें। साथ ही जितना हो सके मौन रहने की कोशिश करें।
- मौनी अमावस्या के दिन झूठ बोलने से बचना चाहिए। इसका उल्टा प्रभाव आपके जीवन में पड़ने की संभावना रहती है।
- मौनी अमावस्या के दिन देर तक सोने से बचना चाहिए।
- मौनी अमावस्या के दिन नकारात्मक विचारों और भावनाओं को अपने अंदर न आने दें।

मौनी अमावस्या

मौन, स्नान और दान के इस महापर्व का महत्व

शास्त्रों के अनुसार माघ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि का बहुत महत्व है। इस वर्ष मौनी अमावस्या 18 जनवरी ,रविवार को है। इस अमावस्या तिथि को मौनी कहने के पीछे यह मान्यता है कि इसी पावन तिथि पर मनु ऋषि का जन्म हुआ था और मनु शब्द से इस अमावस्या को मौनी अमावस्या कहा जाने लगा। यह तिथि सनातन धर्म में अत्यंत पुण्यदायी मानी गई है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन मौन, स्नान, दान और ध्यान के माध्यम से व्यक्ति आत्मशुद्धि कर सकता है। विशेष रूप से संगम, गंगा, यमुना और अन्य पवित्र नदियों में स्नान का इस दिन विशेष महत्व है। यह पर्व केवल कर्मकांड तक सीमित न होकर आत्मसंयम, साधना और अंतर्मुखी जीवन की प्रेरणा देता है।

मौनी अमावस्या का धार्मिक महत्व

शास्त्रों के अनुसार माघ मास स्वयं में ही पुण्यदायक होता है और जब इसमें अमावस्या का योग बनता है, तब इसका फल कई गुना बढ़ जाता है। पुराणों में उल्लेख है कि मौनी अमावस्या के दिन मौन व्रत रखकर भगवान विष्णु और शिव की पूजा करने से मनुष्य को जन्म-जन्मांतर के पापों से मुक्ति मिलती है। यह तिथि तप, त्याग और संयम का प्रतीक मानी गई है।

मौन व्रत का आध्यात्मिक रहस्य

इस अमावस्या को मौनी इसलिए कहा जाता है क्योंकि इस दिन मौन व्रत का विशेष महत्व है। मान्यता है कि मौन रखने से मन की चंचलता शांत होती है और आत्मा की आवाज़ सुनाई देती है। ऋषि-मुनि मौन को आत्मज्ञान का साधन मानते थे। आज के शोर-शराबे भरे जीवन में यह व्रत व्यक्ति को मानसिक शांति और संतुलन प्रदान करता है।

माघ स्नान और पवित्र नदियों का महत्व

मौनी अमावस्या पर पवित्र नदियों में स्नान करने का विशेष फल बताया गया है। प्रयागराज संगम में इस दिन लाखों श्रद्धालु स्नान करते हैं। मान्यता है कि इस दिन स्नान करने से अश्वमेध यज्ञ के समान पुण्य प्राप्त होता है। स्नान के पश्चात सूर्य देव को अर्घ्य देना और भगवान विष्णु का स्मरण करना अत्यंत शुभ माना गया है।

दान-पुण्य और पितृ तर्पण का फल

मौनी अमावस्या पर किया गया दान विशेष फलदायी होता है। तिल, कंबल, अन्न, वस्त्र और घी का दान करने से दरिद्रता दूर होती है। इस दिन पितरों का तर्पण करने से वे प्रसन्न होते हैं और परिवार पर आशीर्वाद बनाए रखते हैं। अमावस्या तिथि पितृ कर्म के लिए विशेष मानी जाती है।

मौनी अमावस्या से मिलने वाली जीवन सीख

मौनी अमावस्या हमें सिखाती है कि कभी-कभी शब्दों से दूर रहकर भी जीवन को समझा जा सकता है। संयम, संतोष और आत्मचिंतन ही सच्ची साधना है। यह पर्व बाहरी आडंबर से हटकर आंतरिक शुद्धता की ओर ले जाता है और जीवन को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है।

18 जनवरी को पड़ रही है मौनी अमावस्या, जानिए इस दिन स्नान का क्या महत्व है

माघ माह में आने वाली अमावस्या को मौनी अमावस्या कहा जाता है। कई भक्त इस तिथि पर मौन साधना करते हैं। सनातन धर्म में अमावस्या की तिथि बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है। हर माह के कृष्ण पक्ष की 15वीं तिथि अमावस्या कहलाती है। जब चंद्रमा पूर्णतया अदृश्य हो जाता है, अर्थात दिखाई नहीं देता, तब वह तिथि अमावस्या कहलाती है। माघ माह में आने वाली अमावस्या को मौनी अमावस्या कहा जाता है। कई भक्त इस तिथि पर मौन साधना करते हैं, इसलिए भी इसे मौनी अमावस्या के नाम से जाना जाता है। आइए, जानते हैं कि इस दिन मौन रहने का क्या कारण है।

मौन रहने का महत्व

माघ महीने में पड़ने वाली मौनी अमावस्या में पवित्र नदियों में स्नान करने के बाद कई भक्त पूरे दिन मौन व्रत भी रखते हैं। चंद्र देव को मन का देवता माना जाता है। अमावस्या के दिन चंद्रमा दिखाई नहीं देता है, इसलिए मन की स्थिति बिगड़ सकती है। ऐसे में इस अमावस्या पर मौन रहकर अपने मन को नियंत्रित करने का प्रयास किया जाता है।

मौनी अमावस्या पर स्नान का महत्व

मौनी अमावस्या पर गंगा समेत पवित्र नदी में स्नान करने की परंपरा है। मान्यता है कि अमावस्या के दिन देवता और पितर प्रयागराज के संगम में स्नान करने आते हैं। ऐसे में जो व्यक्ति ब्रह्म मुहूर्त में गंगा नदी में स्नान करता है, उसे लंबी आयु की प्राप्ति होती है। यदि गंगा नदी पर जाकर स्नान करना संभव न हो, तो आप घर पर भी पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं।

पितृ दोष से छुटकारा पाने के लिए मौनी अमावस्या पर करें ये खास उपाय

इस बार मौनी अमावस्या 18 जनवरी को मनाई जाने वाली है। माना जाता है कि इस दिन शास्त्रों द्वारा बताए गए कुछ उपाय कर लिए जाएं, तो पितृ दोष से छुटकारा मिलता है।

माघ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को मौनी अमावस्या कहा जाता है। शास्त्रों में साल भर में पड़ने वाली अमावस्याओं में मौनी अमावस्या का विशेष महत्व बताया गया है। पितृ दोष से मुक्ति पाने और पितरों की कृपा के लिए मौनी अमावस्या खास मानी गई है। इस दिन तर्पण, पिंडदान और दान आदि करने का विधान है। इस बार मौनी अमावस्या 18 जनवरी को मनाई जाने वाली है। माना जाता है कि इस दिन शास्त्रों द्वारा बताए गए कुछ उपाय कर लिए जाएं, तो पितृ दोष से छुटकारा मिलता है।

मौनी अमावस्या पर करें ये उपाय

- मौनी अमावस्या के दिन चींटियों को आटे में चीनी मिलाकर खिलाने से पितृ दोष दूर होता है। ऐसा करने से पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।
- मौनी अमावस्या के दिन जरूरतमंदों को काले तिल के लड्डू, तिल का तेल, कंबल, आंवला और काले कपड़ों का दान करना चाहिए। ऐसा करने से पितृ दोष के अशुभ प्रभाव कम होते हैं।
- माघ मास अमावस्या पर किसी पवित्र नदी में स्नान करने के बाद काले तिल का दान करें। ऐसा करने से पितृ देव प्रसन्न होते हैं और पितृ दोष से छुटकारा मिलता है।
- मौनी अमावस्या के दिन पितृ दोष से छुटकारा पाने के लिए पितरों का स्मरण करते हुए सूर्यदेव को जल अर्पित करें। लोटे में जल में काले तिल और लाल फूल मिलाकर सूर्यदेव को अर्पण करें।
- इस दिन पीपल के पेड़ पर सफेद मिठाई चढ़ाएं और 108 बार परिक्रमा करें। इस उपाय को करने से पितरों की कृपा प्राप्त होती है।

मौनी अमावस्या पर कब करें पितृ तर्पण? शुभ मुहूर्त और विधि

हिंदू धर्म में अमावस्या तिथि को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है और इस दिन पितृों को याद कर तर्पण देने की परंपरा है। सालभर में कई अमावस्याएं आती हैं, मगर मौनी अमावस्या का अपना अलग महत्व है।

मौनी अमावस्या पर पितृों की आत्माओं की शांति के लिए दिया गया तर्पण आपको पितृ दोष के प्रभाव से मुक्ति दिला सकता है और पितृ दोष में आ रही कठिनाइयों को कम भी कर सकता है। हमारे परिवार के वह लोग, जो अब इस दुनिया में नहीं है, उन्हें समय-समय पर याद करना और उनके लिए कुछ धार्मिक अनुष्ठान करना हमारे लिए बहुत ही आवश्यक होता है। हर तीज-त्योहार पर हमारे पितृ इसी आशा के साथ घर आते हैं कि हम उन्हें याद कर रहे होंगे, मगर जब हम ऐसा नहीं कर रहे होते हैं , तो उन्हें दुख होता है। ऐसी अवस्था में हमारे ऊपर पितृ दोष लग जाता है। मौनी अमावस्या एक ऐसा दिन होता है, जब हम अपने पितृों को याद कर उन्हें श्रद्धापूर्वक तर्पण देते हैं।

कब है मौनी अमावस्या?

हिंदी पंचांग के अनुसार, माघ के महीने में पड़ने वाली अमावस्या का खासा महत्व होता है। इस बात यह तिथि 18 जनवरी 2026 को दोपहर 12 बजकर 3 मिनट से शुरू होगी और 19 जनवरी 2026 को दोपहर 1 बजकर 21 मिनट तक रहेगी। इस तरह से उदय तिथि के हिसाब से मौनी अमावस्या 18 जनवरी को ही मनाई जाएगी।

मौनी अमावस्या पर पितृों को तर्पण देने का मुहूर्त

पितृों को तर्पण देने के लिए सबसे अच्छा समय अभिजीत मुहूर्त होता है। 18 जनवरी 2026 को अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 10 मिनट पर शुरू होगा और 12 बजकर 52 मिनट पर खत?म हो जाएगा। इसलिए इस वक्त आप गंगाजल से पितृों को तर्पण दे सकती हैं। इस विषय में पंडित मनीष कहते हैं, पूरे दिन 30 मुहूर्त आते हैं। वहीं सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक 15 मुहूर्त पड़ते हैं और जो सबसे बीच का समय होता है, वह अभिजीत मुहूर्त कहलाता है।

मौनी अमावस्या पर पितृों को तर्पण देने का सही तरीका

- सबसे पहले ब्रह्म मुहूर्त में उठकर सिकी पवित्र नदी जैसे गंगा, यमुना, गोदावरी, छिपरा आदि में स्नान करें। यदि आप किसी नदी में स्नान करने नहीं जा सकते हैं, तो आपको घर पर ही नहाने के पानी में थोड़ा गंगाजल मिक्स कर लेना चाहिए और उससे स्नान कर लेना चाहिए।
- हमेशा स्नान करते वक्त आपको अपना मुख दक्षिण दिशा की ओर रखना चाहिए यह दिशा पितृों की दिशा कहलाती है।
- पितृों को तर्पण देने के लिए एक तांबे के लोटे में जल लेना चाहिए। यह गंगा नदी का पानी हो, तो और भी अच्छी बात है। इसी जल से आपको पितृों का तर्पण करना चाहिए।
- इस जल में कुश, काले तिल और अक्षत जरूर मिलाएं। इससे यह पानी पितृों के लिए और भी ज्यादा उपयोक्त हो जाता है।
- पितृों को तर्पण देते वक्त मंत्र जाप – ऊँ पितृभ्यो नम: या ऊँ पितृभ्य: स्वधा नम: मंत्र का जाप करते हुए और अपने पितरों को याद करते हुए जल अर्पित करें। यह काम आपको कम से कम 11 बार जरूर करना चाहिए।
- यदि संभव हो तो आपको मौनी अमावस्या के दिन पिंडदान जरूर करें।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

पेड नेगेटिव पीआर पर भड़कीं सोनल चौहान

बॉलीवुड में पेड नेगेटिव पीआर और सोशल मीडिया ट्रोलिंग अब एक बड़ी समस्या बन चुकी है। कई एक्टर्स इस तरह की जानबूझकर फैलाई जा रही नकारात्मकता से परेशान हैं। इसी बीच अभिनेत्री सोनल चौहान ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की और कहा कि किसी को नीचा दिखाकर कोई खुद ऊपर नहीं उठ सकता। सोनल का मानना है कि बॉलीवुड में कॉम्पिटिशन तो होनी चाहिए, लेकिन वह सकारात्मक और रचनात्मक हो। ट्रोलिंग और पेड नेगेटिविटी से न सिर्फ एक्टर्स की मानसिक शांति प्रभावित होती है, बल्कि उनके काम और मेहनत पर भी बुरा असर पड़ता है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर किए पोस्ट के जरिए अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, एक्टर्स के खिलाफ चल रही ये पेड पीआर अब बंद होनी चाहिए। इतनी नेगेटिविटी की कोई जरुरत नहीं है। किसी को बुरा दिखाकर कोई अच्छा नहीं बन सकता। हम एक-दूसरे के लिए खुश क्यों नहीं हो सकते? सब बहुत मेहनत करते हैं, अगर हम सपोर्ट करें, तो इंडस्ट्री का माहौल बहुत बेहतर हो सकता है। हमें बस थोड़ा सकारात्मक रहना है।

सोनल से पहले कई एक्टर्स पेड नेगेटिव पीआर के खिलाफ आवाज उठाते दिखे। तारा सुतारिया ने हाल ही में बताया कि उनके खिलाफ पेड नेगेटिव पीआर चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि झूठी अफवाहें और ट्रोलिंग से उनका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। वे चाहती हैं कि लोग उनके काम पर फोकस करें, न कि बनाई हुई कहानियों पर। यामी गौतम ने भी पेड हाइप और नेगेटिव कैंपेन को इंडस्ट्री के लिए खतरनाक बताया। उन्होंने कहा कि यह एक तरह की वसूली है, जो धीरे-धीरे दीमक की तरह पूरी इंडस्ट्री को खा जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री से इस कल्चर को खत्म करने की अपील की। ऋतिक रोशन ने पेड पीआर पर गहरा बयान दिया। उन्होंने बताया कि सबसे कीमती चीज जो खो जाती है, वह है पत्रकारों की सच्ची आवाज। पैसे के दबाव में उनकी कलम बंध जाती है, सच बोलने की आजादी छिन जाती है। सच्ची राय ही असली फीडबैक है, जो हमें बेहतर बनाती है। लेकिन, पेड पीआर के चक्कर में वह चीज खत्म हो जाती है।

द ब्लफ से पहले बर्फी से लेकर मैरी कॉम तक, इन फिल्मों में प्रियंका चोपड़ा ने निभाए दमदार किरदार

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म द ब्लफ को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म 25 फरवरी को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में वह एक अलग किरदार में नजर आएंगी, जहां वह अपने परिवार की रक्षा करती हुई नजर आएंगी। ऐसे में हम आपको प्रियंका चोपड़ा के उन किरदारों से मिलवा रहे हैं जिनके लिए उनकी काफी तारीफ हुई है।

द स्काई इस पिंक

द स्काई इस पिंक (2019) में प्रियंका चोपड़ा ने अदिति चौधरी नाम की एक मां का किरदार निभाया। इसमें वह खुश, दुखी और बहादुर दिखी हैं। फिल्म में वह अपनी बेटी के साथ सुखी और दुखी दोनों हुई हैं। उनकी दिल को छू लेने वाली अदाकारी की वजह से यह फिल्म उनकी सबसे भावुक फिल्मों में से एक बन गई है।

बाजीराव मस्तानी

बाजीराव मस्तानी (2015) में प्रियंका चोपड़ा ने काशीबाई नाम की महिला का किरदार निभाया। प्रियंका का यह किरदार गरिमा और सम्मान से भरा था। वह अपने प्यार को खोने का दुख चुपचाप सह रही थी। फिल्म में उन्होंने ऐसा अभिनय किया कि सिर्फ चेहरे के हाव-भाव से गहरा दुख जताया। फिल्म की कहानी में उनकी अदाकारी का बड़ा योगदान है।

मैरी कॉम

फिल्म मैरी कॉम (2014) में प्रियंका चोपड़ा ने बॉक्सर मैरी कॉम का किरदार निभाया है। इस किरदार को निभाने के लिए उन्होंने अपने अंदर कई बदलाव किए थे। उन्होंने जो किरदार निभाया वह एक एथलीट की मजबूती, लगन और मानसिक ताकत को दिखाती थी। इस किरदार को निभाते हुए उन्होंने एक मां और एक पत्नी का भी किरदार बखूबी निभाया।

बर्फी

साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म बर्फी में प्रियंका चोपड़ा ने झिलमिल नाम की लड़की का किरदार निभाया। इसमें दिखाया गया है कि प्रियंका ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर से पीड़ित होती हैं। इसमें उन्होंने शांत लेकिन दमदार अदाकारी की है। इसमें उन्होंने बिना बोले रणबीर कपूर से प्यार जताया है। दर्शकों को उनके हाव-भाव और चेहरे के एक्सप्रेशन पसंद आए।

फैशन

फिल्म फैशन (2008) में प्रियंका चोपड़ा ने मेघना माथुर नाम की एक ऐसी लड़की का किरदार निभाया जो किसी भी कीमत पर फैशन की दुनिया में एक सफल मॉडल बनना चाहती हैं। वह चमक-धमक की दुनिया में आकर अपना रास्ता भटक जाती है। फिल्म में उनके काम की खूब तारीफ हुई।

आठवीं बार डायरेक्शन की तैयारी में करण जौहर

बालीबुड के मशहा डायरेक्टर कराया जौहर एक बार फिर लीवुड के मशहूर डायरेक्टर करण जौहर एक बार फिर डायरेक्टोरियल फिल्म एक ग्रैंड स्केल फैमिली ड्रामा होगी, जो 2001 की सुपरहिट फिल्म कभी खुशी कभी गम के स्पेस में बनेगी। नए साल की शुरुआत में ही करण ने इसकी स्क्रिप्ट लॉक कर ली है। बताया जा रहा है कि यह धर्मा प्रोडक्शंस की थिएट्रिकल रिलीज के लिए सबसे बड़ी फिल्म साबित हो सकती है। करण जौहर रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की सफलता के बाद फैमिली ड्रामा में वापसी कर रहे हैं। यह उनकी अब तक की सबसे भव्य फिल्म होगी, जिसमें हाई-ऑक्टेन ड्रामा के साथ रोमांस और इमोशनल कोर मजबूत रहेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक... साल 2026 के मध्य में फिल्म का प्री-प्रोडक्शन शुरू होगा और 2026 के अंत तक फिल्म फ्लोर पर जाएगी। फिल्म के टाइटल को लेकर भी खासी चर्चा है। फिल्म का टाइटल कभी खुशी कभी गम 2 हो सकती है। करण ने अपने डायरेक्टोरियल सफर की शुरुआत फिल्म कुछ कुछ होता है से की थी। अब तक वो कभी खुशी कभी गम, कभी अलविदा ना कहना, माई नेम इज खान, स्टूडेंट ऑफ द ईयर, ऐ ऐ दिल है मुश्किल और रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का निर्देशन कर चुके हैं।

'तान्हाजी' का सेकेंड पार्ट बनाएंगे अजय देवगन?

अजय देवगन की साल 2020 में आई सुपरहिट फिल्म 'तान्हाजी- द अनसंग वॉरियर' को रिलीज हुए आज छह साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर अजय देवगन ने एक पोस्ट साझा की है। अब अजय की इस पोस्ट ने लोगों में ये उत्सुकता जगा दी है कि क्या 'तान्हाजी' का सेकंड पार्ट भी आ रहा है? क्या अजय देवगन एक बार फिर किसी मराठा योद्धा की कहानी को लेकर आने वाले हैं? अजय देवगन ने 'तान्हाजी' के छह साल पूरे होने पर अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की है। इस पोस्ट में अजय ने फिल्म के अलग-अलग सीन के ऑयल पेंटिंग वाले पोस्टर साझा किए हैं। इनमें अजय के साथ काजोल, सैफ अली खान और शरद केलकर के भी पोस्टर नजर आ रहे हैं। लेकिन इसके साथ ही अजय देवगन के कैप्शन ने सबका ध्यान खींचा है। अजय ने मराठी में कैप्शन लिखा, जिसका अर्थ है 'किला तो आ गया लेकिन शेर चला गया।' इसके साथ ही अजय ने कैप्शन में लिखा, 'लेकिन कहानी अभी पूरी नहीं हुई।' अजय के इस कैप्शन के बाद ही फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर कयास लगने लगे हैं।

साल 2020 में रिलीज हुई 'तान्हाजी- द अनसंग वॉरियर' का निर्देशन भी ओम राउत ने किया है। जबकि फिल्म को अजय देवगन फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 17वीं सदी के मराठा योद्धा सूबेदार तानाजी मालुसरे की कहानी पर आधारित है। फिल्म में काजोल ने तान्हाजी की पत्नी सावित्रीबाई की भूमिका निभाई है। जबकि सैफ अली खान फिल्म में निगेटिव किरदार में नजर आए हैं। उन्होंने महाराजा उदयभान सिंह राठौर की भूमिका निभाई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी।

बोमन ईरानी ने शुरू की खोसला का घोंसला 2 की शूटिंग

साल 2006 में रिलीज हुई अनुपम खेर की फिल्म 'खोसला का घोंसला' का सीक्वल की तैयारी शुरू हो चुकी है। हाल ही में इस फिल्म के दूसरे पार्ट की शूटिंग पर फिल्म की स्टार कास्ट नजर आई। बोमन ईरानी ने भी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की है। साथ ही फिल्म से जुड़ा एक अपडेट भी शेयर किया है।

बोमन ईरानी ने अपनी पोस्ट में क्या लिखा?

बोमन ईरानी ने मंगलवार को एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा करते हुए फिल्म 'खोसला का घोंसला' फिल्म का डायलॉग शेयर किया। यह उनके किरदार का कहा हुआ पॉपुलर डायलॉग है। जिसमें वह कहते हैं, 'आप पार्टी कर रहे हैं या ब्रोकर।' आगे अपनी पोस्ट में बोमन ईरानी लिखते हैं, 'खोसला का घोंसला 2 के सेट पर कमल खोसला और बंटी के साथ किशन खुराना के रूप में वापसी।'

अनुपम खेर ने भी शेयर की शूटिंग की बीटीएस पिक्चर्स

बोमन ईरानी से पहले अनुपम खेर ने फिल्म 'खोसला का घोंसला 2' की शूटिंग से जुड़ी बीटीएस फोटो शेयर की थीं। इन फोटोज में रणवीर शौरी, किरण जुनेजा और परवीन डब्बास और तारा शर्मा नजर आ रहे हैं। अनुपम खेर ने बीटीएस फोटो शेयर करते हुए एक कैपशन भी लिखा, 'खोसला लौट आए हैं। मैं लगभग चार दशक से फिल्मों का हिस्सा रहा हूं लेकिन कभी भी मैंने किसी फिल्म के लिए इतना पागलपन नहीं देखा, जैसा खोसला का घोंसला के पार्ट 2 के लिए देखा है।'

अनुपम खेर की 550वीं फिल्म होगी 'खोसला का घोंसला'

कुछ दिन पहले जब फिल्म 'खोसला का घोंसला 2' के बनने की बात अनुपम खेर ने शेयर की थी तो बताया था कि यह उनकी 550 वीं फिल्म है। फिल्म खोसला का घोंसला की बात करें तो इस दिबाकर बैनर्जी ने डायरेक्ट किया था। फिल्म की कहानी में एक खोसला परिवार होता है, जिसको एक जमीन कब्जा करने वालों के बीच फंस जाते हैं। कैसे वह अपनी जमीन वापस हासिल करते हैं, इस कहानी को बड़े ही मजेदार और कॉमिक ढंग से दिखाया गया था।

राजू हिरानी की स्क्रिप्ट में इम्प्रोवाइजेशन की गुंजाइश ही नहीं होती

झ्रस्टाइल के बंटू बनकर हंसी गुदगुदाने वाले, तो कभी 3 इडियट्स के राजू रस्तोगी बनकर दर्शकों की आंखें नम करने वाले शरमन जोशी एक सशक्त अभिनेता हैं। इस बातचीत में शरमन ने अपने करियर से जुड़े किस्से साझा किए।

स्टाइल कैसे बनी थी?

उस दौर में इस तरह की यूथफुल कॉमेडी फिल्में बहुत कम बनती थीं। इसका सबसे बड़ा श्रेय निर्देशक एन. चंद्रा साहब को जाता है। उस समय वे अपने करियर के शिखर पर थे और उन्होंने इस फिल्म में पूरी जान लगा दी थी। हमारे लिए यह बहुत बड़ी बात थी कि हमें उनके साथ काम करने का मौका मिला, क्योंकि वे अंकुश और प्रतिघात जैसी गंभीर फिल्मों के लिए जाने जाते थे। वहां से कॉलेज कॉमेडी की ओर मुड़ना उनके लिए एक बड़ा बदलाव था। उन्होंने हमें बाकायदा एक महीने की ट्रेनिंग दी थी। हम रोज उनके ऑफिस जाते थे और थिएटर प्ले की तैयारी की तरह अभ्यास करते थे।

आज भी 3 इडियट्स का जादू वैसा ही बरकरार है, आप इसे कैसे देखते हैं?

क्या ही कहें! आज भी जब लोग मुझसे मिलते हैं, तो कहते हैं कि उन्होंने यह फिल्म 20-20 बार देखी है। अभी मैं भूटान में हूं और यहां मेरे सामने बैठी एक बेहद शर्मीली लड़की ने बताया कि उसने यह फिल्म 20 बार देखी है। लोग जब मिलते हैं, तो ऐसी बातें करते हैं मानो उन्होंने कल ही यह फिल्म देखी हो। इस फिल्म का असर लोगों पर बहुत गहरा है और आज भी जो प्यार मुझे मिलता है, उसे देखकर लगता ही नहीं कि 16 साल बीत चुके हैं।

क्या राजू के किरदार के लिए अपनी तरफ से कुछ क्रिएटिव इनपुट दिए थे?

अरे नहीं-नहीं, मेरी इतनी हिम्मत कहां! राजू हिरानी सर की स्क्रिप्ट को लेकर इतनी जबरदस्त स्पष्टता थी कि किसी भी तरह के इम्प्रोवाइजेशन की गुंजाइश ही नहीं थी। उन्होंने हर चीज इतनी बारीकी से सोची थी कि हमें बस उसे निभाना था। हां, एक छोटा-सा किस्सा है, जब मैं राजू सर के साथ थोड़ा कंफर्टेबल हो गया, तब फिल्म के अंत में जब मिलीमीटर सालों बाद मिलता है, रिहर्सल के दौरान मैंने कहा... सर, यह तो अब सेंटीमीटर बन गया है।

क्या थिएटर आपकी फिल्मी परफॉर्मेंस में भी मदद करता है?

बिल्कुल ! मेरा मानना है कि जैसे गायक रियाज करते हैं, वैसे ही एक्टर्स के लिए थिएटर एक तरह का रियाज है। मैंने यह महसूस किया है कि जब मैं कोई प्ले कर रहा होता हूं और उसी दौरान फिल्म के सेट पर जाता हूं, तो मेरी टाइमिंग और सेंस कहीं ज्यादा बेहतर हो जाते हैं। चाहे वह कॉमेडी सीन हो या ड्रामा, थिएटर से मिलने वाली वह अलर्टनेस हर जगह काम आती है। फिल्मों या ओटीटी में आपके पास रीटेक का विकल्प होता है। अगर शॉट ठीक नहीं हुआ, तो उसे दोबारा किया जा सकता है, इसलिए आप थोड़ा रिलैक्स मोड में रहते हैं। लेकिन थिएटर में गलती की कोई गुंजाइश नहीं होती। वहां आप हर समय अलर्ट रहते हैं।